सत्यमेव जयते

लोक निर्माण विभाग द्वारा मध्य प्रदेश में वृहद पुलों के निर्माण पर निष्पादन लेखापरीक्षा पर भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

मध्य प्रदेश शासन

वर्ष 2023 का प्रतिवेदन क्रमांक 3

लोक निर्माण विभाग द्वारा
मध्य प्रदेश में वृहद पुलों के निर्माण
पर निष्पादन लेखापरीक्षा
पर
भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक
का प्रतिवेदन

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए

मध्य प्रदेश शासन

वर्ष 2023 का प्रतिवेदन क्रमांक 3

विषय–सूची

	कंडिका क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक
प्राक्कथन		iii
कार्यकारी सारांश		v
अध्याय 1		
प्रस्तावना		
प्रस्तावना	1.1	1
संगठनात्मक स्वरूप	1.2	1
निधि का आवंटन और व्यय	1.3	2
लेखापरीक्षा उद्देश्य	1.4	2
लेखापरीक्षा मानदंड	1.5	3
लेखापरीक्षा क्षेत्र तथा कार्यप्रणाली	1.6	3
विगत लेखापरीक्षा	1.7	4
अभिस्वीकृति	1.8	4
अध्याय 2		
योजना		
प्रस्तावना	2.1	5
अनुपयुक्त योजनाकरण	2.2	5
सर्वेक्षण और जांच	2.3	11
पुल परियोजनाओं की निर्माण सारणी का निर्धारण	2.4	14
निष्कर्ष	2.5	15
अनुशंसाएं	2.6	15
अध्याय 3		
कार्यान्वयन		
प्रस्तावना	3.1	17
संविदा प्रबंधन	3.2	17
समयबद्धता का पालन	3.3	21
गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी	3.4	22
निष्कर्ष	3.5	24
अनुशंसाएं	3.6	24
अध्याय 4		
कार्यक्षमता		
प्रस्तावना	4.1	25
वृहद पुलों की कार्यक्षमता	4.2	25
निष्कर्ष	4.3	30
अनुशंसाएं	4.4	31

परिशिष्ट

परिशिष्ट संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.1	लेखापरीक्षा के लिए चयनित पुल कार्य	33
2.1	उन कार्यों का विवरण जिनमें भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले कार्य सौंपा गया	39
2.2	पुल कार्यों के कार्यान्वयन के दौरान ड्राइंग और डिजाइन में बड़े	46

परिशिष्ट		
परिशिष्ट संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
	बदलाव वाले कार्यों का विवरण	
2.3	डीपीआर तैयार करने से पहले अपर्याप्त उप–मृदा जांच वाले कार्यों का विवरण	47
2.4	स्वीकृत डिजाइन और ड्राइंग के बिना पहुॅच मार्ग वाले कार्यों का विवरण	51
2.5	बिटुमिनस संपर्क सड़क के अविवेकपूर्ण प्रावधान वाले कार्यों का विवरण	56
2.6	बिना सीपीएम और पीईआरटी के अनुप्रयोग वाले कार्यों का विवरण	57
3.1	रॉयल्टी की कम वसूली और ठेकेदार को 'अदेयता प्रमाणपत्र' के बिना अंतिम भुगतान का विवरण	63
3.2	कैरिज वे और पहुॅच मार्ग की बेमेल चौड़ाई का विवरण	64
3.3	स्टील लाइनर के अनुचित प्रावधान वाले कार्यों का विवरण	66
3.4	संशोधित तकनीकी स्वीकृति के बिना अतिरिक्त मदों के कार्यान्वयन का विवरण	67
3.5	तटबंधों में फ्लाई ऐश के उपयोग न होने का विवरण	68
3.6	समय विश्लेषण के लिए कार्यों का विवरण	69
3.7	गैर–परिक्षणित और अप्रमाणित इलास्टोमेरिक बियरिंग्स का उपयोग	77
3.8	कार्यान्वयन के दौरान अपर्याप्त संख्या में एक्सप्लोरेटरी बोरिंग वाले कार्यों का विवरण	79
3.9	प्राथमिक उत्पादकों से स्टील का क्रय न करने का विवरण	81
4.1	पुल की संरचना के साथ पहुॅच मार्ग तथा कैरिज वे का निर्माण न करने का विवरण	85
4.2	रोड फर्नीचर एवं सुरक्षा मदों का कार्यान्वयन न किये जाने का विवरण	86
4.3	बिना फुटपाथ वाले पुल कार्यों का विवरण	89
4.4	अपर्याप्त चौड़ाई के साथ सेफ़्टी कर्ब के कार्यान्वयन का विवरण	90
4.5	सबमर्सिबल पुलों का विवरण जिसमें सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा की अनदेखी की गई थी	91
4.6	पुलों एवं पहुॅच मार्ग के गैर–विद्युतीकरण का विवरण	94

प्राक्कथन

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक का यह प्रतिवेदन भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 के तहत मध्य प्रदेश के राज्यपाल को राज्य की विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया गया है।

प्रतिवेदन में 2015–16 से 2019–20 की अवधि में 'लोक निर्माण विभाग द्वारा मध्य प्रदेश में वृहद पुलों के निर्माण' पर निष्पादन लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण परिणाम शामिल हैं।

इस प्रतिवेदन में उल्लिखित उदाहरण उनमें से हैं जो नमूना लेखापरीक्षा के दौरान संज्ञान में आए।

लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुरूप आयोजित की गई है।

कार्यकारी सारांश

पुल संस्कृति के परिचायक होते हैं और प्रायः आधारभूत संरचना के महत्वपूर्ण अंग होते हैं, जो कल्पनाशक्ति को आकर्षित एवं उत्प्रेरित करते हैं। पुल सड़क परिवहन की आधारभूत संरचना को मौसम और भूसंरचना जैसे भौगोलिक कारकों के विरुद्ध दृढ़ता प्रदान करते हैं। अंदरुनी क्षेत्रों में दूरस्थ गांवों को जोड़ने की अंतिम कड़ी पुलों ही होते हैं। शहरों में, यात्रा के समय को कम करने में पुल सहायक होते हैं, जिससे शहरी परिदृश्य और अधिक व्यवहारिक बन जाता है।

इस प्रकार, लोक निर्माण विभाग से, सभी आवश्यक सुविधाओं सहित प्राक्कलित लागत के भीतर तथा मौजूदा नियमों एवं विनियमों का पालन करते हुए पुलों को बनाये जाने की अपेक्षा की जाती है। लेखापरीक्षा में हमने देखा कि पुलों के निर्माण में मुख्य कमी समय और लागत में वृद्धि थी। 72 लेखापरीक्षित पुल कार्यों में से केवल नौ कार्य अनुबंध में निर्धारित अवधि के भीतर पूरे किए गए थे। शेष 63 पुल कार्यों में एक से 68 महीने का विलंब था। समय और लागत में वृद्धि का प्रमुख कारण अपर्याप्त योजना थी।

पुल जैसी महत्वपूर्ण संरचना के निर्माण के लिए ब्लॉक स्तर से राज्य स्तर तक पर्याप्त योजना, विश्लेषण और सर्वेक्षण की आवश्यकता होती है, जो पुलों के निर्माण और उन्नयन के लिए एक मास्टर प्लान के रूप में परिणत होता है। सीमित उपलब्ध संसाधनों से सर्वोत्तम संभव परिणाम प्राप्त करने के लिए मास्टर प्लान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। तथापि, मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग राज्य स्तर पर या जिला स्तर पर पुलों के निर्माण हेतु कोई मास्टर प्लान या दीर्घकालीन योजना तैयार करने में असफल रहा है।

विभिन्न एजेंसियों, जैसे मध्य प्रदेश राज्य विद्युत कंपनियां, संबंधित नगर निगम, भारतीय रेल, नर्मदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक डेव्हलप्मेंट कॉरपोरेशन के साथ समन्वय योजना प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। तथापि, कई प्रकरणों में परियोजना को समय पर पूरा करने हेतु इन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने में विभाग असफल रहा है।

एक समुचित योजना तैयार करने में डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने से पहले विस्तृत सर्वेक्षण और जांच करना भी शामिल है ताकि परियोजना समय पर और किफायती रूप से पूरी की जा सके। सर्वेक्षण और जांच, विशेष रूप से सब–सॉयल परीक्षण अपर्याप्त थी, कार्यान्वयन के समय डिजाइन और ड्रांइग्स में कई बड़े परिवर्तन करने की आवश्यकता पड़ी, जैसे कि स्थल का परिवर्तन, एबटमेंट का स्थान, नींव की प्रकृति, पियर्स की संख्या और स्पैन की लंबाई में बदलाव, इत्यादि। एक विशेष प्रकरण में, फ्ल्ड लेवल के गलत आकलन के कारण निर्माण के दौरान हाई लेवल पुल को सबमर्सिबल पुल में बदला गया जिससे लागत और समय में वृद्धि हुई। इसी प्रकार के परिवर्तन 12 पुल कार्यों के कार्यान्वयन के दौरान पाए गए, और इसके परिणामस्वरूप ₹ 101.83 करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ।

विभागीय निर्माण गतिविधियों में नियोजन तथा एक व्यवस्थित पद्धति हेतु विभाग को नियोजन उपकरणों और तकनिकों जैसे क्रिटिकल पाथ मेथड/ प्रोग्राम इवैल्युएशन रिव्यू टेक्नीक चार्ट, आदि का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। विभाग द्वारा सभी पुल कार्यों में क्रिटिकल पाथ मेथड को लागू करने का अभाव था जिसके परिणामस्वरूप परियोजना पूर्ण होने में विलम्ब के कारणों की पहचान करने और उन क्षेत्रों का पता लगाने में भी

वह विफल रहा जहां परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता थी।

एक लागत प्रभावी परियोजना के कार्यान्वयन हेतु कुशल अनुबंध प्रबंधन महत्वपूर्ण होता है, इसमें विवेकपूर्ण वसूली, परिहार्य व्यय तथा मौजूदा नियमों का यथोचित पालन शामिल है। अनुबंधों के प्रबंधन में विभाग की कमियों को इस प्रतिवेदन के अध्याय 3 में वर्णित किया गया है। लेखपरीक्षा ने कई दृष्टांतों में पाया कि ₹ 63.73 लाख की रॉयल्टी कम वसूल की गई थी, इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों से खनिज संसाधन विभाग की आदेयता प्रमाण पत्र–प्राप्त किए बिना ₹ 101.95 करोड़ की लागत के कार्यों को अंतिम रूप दिया गया था।

विभाग के अनुबंध प्रबंधन में वित्तीय सतर्कता का अभाव भी कई दृष्टांतों में पाया गया जहां वह अतिरिक्त व्यय से बचने में विफल रहा। एक प्रकरण विशेष में, एक गैर–एसओआर मद के दर की स्वीकृति में विलंब करने के परिणामस्वरूप ₹ 2.54 करोड़ की परिहार्य अतिरिक्त लागत आई।

एक प्रभावी अनुबंध प्रबंधन में नियमों, विनियमों और कोडल प्रावधानों का अनुपालन भी सम्मिलित होता है। कई पुल कार्यों में एम्बैंकमेंट के निर्माण के प्राक्कलन में फ्लाई ऐश के उपयोग पर विचार नहीं किया गया यद्यपि तापीय विद्युत संयंत्र उन निर्माण स्थलों से 300 किलोमीटर के भीतर थे, जिनमें फ्लाई ऐश का उपयोग करना मौजूदा नियमों के अनुसार अनिवार्य है। एक अन्य प्रकरण में, दो पुल कार्यों में ₹ 1.76 करोड मूल्य की कुल 22 मदें जो बिल ऑफ क्वांटिटी में मौजूद नहीं थी, पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति और तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किए बिना कार्यान्वित की गई थीं।

गुणवत्ता नियंत्रण, अनुबंध प्रबंधन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है क्योंकि यह पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और हमने इस संबंध में कुछ कमियां पाई। स्टील जो पुलों के निर्माण का एक प्रमुख घटक होता है, का क्रय प्रायमरी स्टील प्रोड्यूशर अथवा इंटिग्रेटेड स्टील प्लांट से किया जाना चाहिये। जब हमने ₹ 98.39 करोड़ रुपए के 22 पुल कार्यों के स्टील क्रय के बीजकों की जॉच की, तो इसे सुनिश्चित नहीं किया जा सका। उन 22 कार्यों में से सात में स्टील का क्रय स्थानीय विक्रेताओं से किया गया था।

इसके अलावा, स्पेसिफिकेशन में निर्धारित निरीक्षण, परीक्षण और प्रमाणन के बिना इलास्टोमेरिक बियरिंग्स का उपयोग पुलों में किया गया था। विभाग नींव के प्रत्येक स्थान पर पर्याप्त एक्सप्लोरेट्री बोरिंग करने में भी विफल रहा है, जो मिट्टी की प्रकृति का पता लगाने और मिट्टी की सेफ बियरिंग कैपेसिटी का आकलन करने के लिए आवश्यक है, इसप्रकार नींव की सुरक्षा की अवहेलना हुई।

योजना और अनुबंध प्रबंधन के साथ–साथ, पुल की कार्य क्षमता सुनिश्चित करना, जनता के बड़े हिस्से के लिए पुल की उपयोगिता तथा पुल का उपयोग करने वाले यात्रियों की सुरक्षा, दोनों दृष्टि से विभाग के लिए महत्वपूर्ण होता है। यह देखा गया कि कई प्रकरणों में पहुॅच मार्गों का निर्माण पुल–निर्माण के साथ–साथ नहीं किया गया था, बल्कि इसमें 41 महीने तक का विलम्ब हुआ। कई पुलों पर पदयात्रियों की संख्या का ध्यान रखते हुये फुटपाथ का प्रावधान नहीं किया गया था। उदाहरण के लिए, ₹ 81.73 करोड़ की लागत

वाले छः पुल कार्यों में, जहॉ फुटपाथ का निर्माण आवश्यक था, इसे न तो प्राक्कलनों में शामिल किया गया और न ही कार्यान्वित किया गया था।

कई पुलों में उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं की गई थी क्योंकि उचित रोड फर्नीचर जैसे रेट्रो–रिफ्लेक्टिव रोड साइन, क्रैश बैरियर, प्रोटेक्टिव वायर मेश, समुचित रोड मार्किंग, चेतावनी के संकेत, फ्लड गेज, इत्यादि या तो प्राक्कलनों में प्रावधानित किए गए थे परंतु कार्यान्वित नहीं किए गए थे या प्रावधानित ही नहीं किए गए थे। साथ ही, कई पुलों पर पैदल चलने वालों के कभी–कभार के आवागमन के लिए सेफटी कर्ब का प्रावधान नहीं किया गया था, सबमर्सिबल पुलों के प्रकरण में रिमूवेबल/कोलैप्सेबल रेलिंग का प्रावधान नहीं किया गया था। पुलों का विद्युतीकरण विशेषतः शहरी क्षेत्रों में और रेल ओव्हर ब्रिज के प्रकरणो मे ही किया गया था।

इस प्रकार, विभाग के पास पुल कार्यों के कार्यान्वयन से पहले कोई पर्याप्त व्यवस्थित योजना तथा अन्य विभागों के साथ समन्वय नहीं था। विभाग अनुबंध के प्रावधानों का सख्त अनुपालन सुनिश्चित नहीं कर सका तथा निर्माण के बाद पदयात्रियों के लिए भी एक सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन आश्वासित करने में विफल रहा।

अध्याय 1

प्रस्तावना

अध्याय 1

प्रस्तावना

1.1 प्रस्तावना

सड़कें अर्थव्यवस्था के विकास की धुरी होती हैं। एक अच्छा सड़क–नेटवर्क ऐसी अधोसंरचना का निर्माण करता है जो कनेक्टिविटी के माध्यम से पिछड़े क्षेत्रों को व्यापार और निवेश के लिए खोलकर विकास को बढ़ावा देता है और पुल, सड़क नेटवर्क के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। वे स्थानीय समुदायों और वाहनों को एक तरफ से दूसरी तरफ आवागमन में बाधारहित परिवहन की सुविधा प्रदान करते हैं। कनेक्टिविटी प्रदान करने के साथ ही पुल यात्रा के समय को कम करते हैं और सुरक्षित यात्रा भी सुनिश्चित करते हैं। पुलों की लंबाई के आधार पर, पुलों की दो श्रेणियां हैं, वृहद पुल और लघु पुल। इंडियन रोड कांग्रेस के अनुसार, एक वृहद पुल वह पुल है जिसकी लंबाई 60 मीटर या उससे अधिक हो और एक लघु पुल वह पुल है जिसकी लंबाई 60 मीटर से कम हो। वृहद पुल आमतौर पर रेलमार्गों, सड़कों, नदियों, इत्यादि पर बनाए जाते हैं।

अवधि 2015–16 से 2019–20 के दौरान, मध्य प्रदेश शासन ने राज्य में कुल 1,977 पुल निर्माण कार्यों को मंजूरी दी थी, जिनमें से 1,630 लधु पुल और 347 वृहद पुल हैं।

1.2 संगठनात्मक स्वरूप

लोक निर्माण विभाग, सड़कों, पुलों, रेलवे ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.), फ्लाईओवर और भवनों जैसी शासकीय सम्पदाओं की आयोजना, डिजाइनिंग, निर्माण और रखरखाव की मध्य प्रदेश शासन की प्रमुख एजेंसी है।

प्रमुख सचिव राज्य स्तर पर प्रशासनिक प्रधान होते हैं जबकि प्रमुख अभियंता विभाग के तकनीकी प्रधान होते हैं। सम्पूर्ण ब्रिज जोन[1] को तीन परिक्षेत्रों[2] में विभाजित किया गया है जो आगे सात संभागीय कार्यालयों[3] में विभक्त हैं। प्रमुख अभियंता की सहायता के लिए एक मुख्य अभियंता होता है जिसकी सहायता के लिए परिक्षेत्र कार्यालयों में अधीक्षण यंत्री और संभागीय कार्यालयों के कार्यपालन यंत्री होते हैं। संभागीय कार्यालय पुलों के निर्माण तथा मरम्मत व रखरखाव के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी होते हैं।

---

1 लोक निर्माण विभाग का ब्रिज जोन पुलों, आरओबी और फ्लाई ओवरों की आयोजना, डिजाइनिंग, निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है और इसका नेतृत्व एक मुख्य अभियंता करता है।

2 भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर।

3 भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, ग्वालियर, रीवा और जबलपुर।

मध्य प्रदेश में पुल संभाग और उनके अधिकार क्षेत्र का विवरण

1.3 निधि का आवंटन और व्यय

वृहद पुलों के निर्माण के लिए निधि के स्रोत राज्य बजट, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से प्राप्त ऋण, केंद्रीय सड़क निधि से सहायता अनुदान और अन्य विभागों के निक्षेप कार्य हैं।

वर्ष 2015–16 से 2019–20 की अवधि के लिए विभाग में वृहद पुलों के संबंध में समग्र वित्तीय स्थिति नीचे **तालिका 1.1** में दी गई है:

तालिका 1.1: उपलब्ध निधियों और किए गए व्यय का विवरण

(₹ करोड़ में)

वर्ष	आवंटित निधि	किया गया व्यय
2015–16	383.14	383.14
2016–17	389.13	389.13
2017–18	300.70	300.70
2018–19	334.38	334.38
2019–20	284.62	284.62
कुल	**1691.97**	**1691.97**

(स्रोत: लोक निर्माण विभाग)

1.4 लेखापरीक्षा उद्देश्य

यह निष्पादन लेखापरीक्षा यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि क्या:

- परियोजना की योजना पर्याप्त थी;
- पुलों का निर्माण आर्थिक रूप से किफायती, कुशलतापूर्वक और योजनानुसार किया गया था; और
- पुलों की उपयोगिता सुनिश्चित की गई थी।

1.5 लेखापरीक्षा मानदंड

लेखापरीक्षा के निष्कर्ष निम्नलिखित से प्राप्त मानदंडों पर आधारित हैं

- मध्य प्रदेश कार्य विभाग नियमावली,
- मध्य प्रदेश निर्माण लेखा संहिता,
- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी इंडियन रोड कांग्रेस स्पेसीफिकेशंस,
- पुलों के निर्माण के लिए मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी दिशानिर्देश और आदेश, तथा
- अनुबंधों के नियम ,व शर्तें तथा विभाग द्वारा जारी किए गए निर्देश।

1.6 लेखापरीक्षा क्षेत्र तथा कार्यप्रणाली

इस निष्पादन लेखापरीक्षा में वर्ष 2015–16 से 2019–20 की अवधि के दौरान वृहद पुलों के निर्माण से संबंधित अभिलेखों की जांच कुल सात संभागों[4] में से चयनित पांच संभागों[5] में की गई थी, प्रमुख अभियंता और मुख्य अभियंता के कार्यालयों में भी संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। चयन के उद्देश्य से पूर्णता और व्यय के आधार पर, पुल कार्यों को निम्नलिखित तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया।

श्रेणी क : पुल कार्य जो वर्ष 2015–16 और 2019–20 के बीच पूरे किए गए।

श्रेणी ख : पुल कार्य जो वर्ष 2015–16 और 2019–20 के बीच पूरे किए जाने थे, लेकिन अभी भी जारी है

श्रेणी ग : निर्माणाधीन पुल (जिनकी निर्धारित पूर्णता अवधि 2019–20 से आगे की है, जिन पर 50 प्रतिशत व्यय हो चुका है

संभागों द्वारा किए गए व्यय का विवरण नीचे **तालिका 1.2** में दर्शाया गया है:

तालिका 1.2: पूर्ण तथा जारी पुल कार्यों पर किया गया व्यय

(₹ करोड़ में)

स. क्र.	संभाग	श्रेणी क		श्रेणी ख		श्रेणी ग		कुल	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि
1	उज्जैन	31	306.00	18	95.29	2	30.32	51	431.61
2	भोपाल	41	299.15	14	119.88	0	0	55	419.03
3	इंदौर	49	324.34	14	72.20	3	13.67	66	410.22
4	ग्वालियर	15	197.28	14	183.50	1	4.22	30	385.00
5	रीवा	39	184.49	14	82.72	2	54.42	55	321.62
6	जबलपुर	34	233.71	16	46.03	2	38.27	52	318.00
7	सागर	34	192.41	4	30.33	0	0	38	222.74
कुल		**243**	**1737.38**	**94**	**629.95**	**10**	**140.90**	**347**	**2508.22**

(स्रोत: लोक निर्माण विभाग)

[4] भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर और उज्जैन।

[5] भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

अवधि, 2015–16 और 2019–20 के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा पांच चयनित संभागों के 279 वृहद पुलों में से 72 पुलों का चयन आइडिया सॉफ्टवेयर[6] के माध्यम से स्ट्रेटीफाइड रैंडम सैम्पलिंग पद्धति का उपयोग करके किया गया था जैसा कि **परिशिष्ट 1.1** में वर्णित है।

1.7 विगत लेखापरीक्षा

पुलों के निर्माण में योजना, संविदा प्रबंधन, निगरानी और नियंत्रण प्रणाली पर विभाग के प्रदर्शन के आकलन के उद्देश्य से 2012–13 के दौरान 'पुलों के निर्माण' पर एक निष्पादन लेखापरीक्षा आयोजित की गई थी। यह निष्पादन लेखापरीक्षा 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए आर्थिक क्षेत्र (गैर–सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में प्रकाशित हुई। उपरोक्त प्रतिवेदन लोक लेखा समिति के विचाराधीन है।

1.8 अभिस्वीकृति

लेखापरीक्षा 13 अगस्त 2021 को एक प्रवेश सम्मेलन के साथ शुरू हुई और 27 जुलाई 2022 को शासन के साथ एक निर्गम सम्मेलन के साथ समाप्त हुई।

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा–II), मध्य प्रदेश, भोपाल इस निष्पादन लेखापरीक्षा के संचालन के दौरान लोक निर्माण विभाग, मध्य प्रदेश शासन के कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा दिए गए सहयोग और सहायता के लिए आभार व्यक्त करता है।

[6] इंटरएक्टिव डेटा एक्सट्रैक्शन एंड एनालिसिस (आईडीइए) सॉफ्टवेयर एक कंप्यूटर असिस्टेड ऑडिट तकनीक है।

अध्याय 2

योजना

अध्याय 2

योजना

2.1 प्रस्तावना

पुलों के निर्माण को प्राथमिकता देने के लिए एक दीर्घकालिक या वार्षिक योजना तैयार की जानी चाहिए। पुल निर्माण के लिए योजना पुलों की आवश्यकताओं, वांछित पुल की विशेषताओं साइट विवरण और संसाधनों की उपलब्धता के आकलन पर आधारित है। इसमें गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है जैसे कि

- सर्वेक्षण और जांच के पश्चात स्थलों का चयन,
- संरचना के प्रकार और संरचनात्मक तत्वों का चयन,
- प्राक्कलन तैयार करना और उसका मूल्यांकन करना,
- निर्माण के लिए आवश्यक समय निर्धारित करना,
- अनुबंध के अभिलेख तैयार करना, इत्यादि।

2.2 अनुपयुक्त योजनाकरण

2.2.1 बिना किसी मास्टर प्लान के पुलों का चयन

मध्य प्रदेश शासन ने वर्ष 2015–16 से 2019–20 की अवधि के दौरान राज्य में प्रस्तावित 324 वृहद पुलों विरुद्ध 277 पुलों के निर्माण की स्वीकृति दी थी। संभाग–वार विवरण नीचे **तालिका 2.1** में दिया गया है।

तालिका 2.1: प्रस्तावित और अनुमोदित वृहद पुलों का विवरण

संभाग	वर्ष	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	कुल
भोपाल	प्रस्तावित	32	26	7	8	0	73
	अनुमोदित	21	15	3	3	0	42
उज्जैन	प्रस्तावित	9	13	8	14	12	56
	अनुमोदित	7	11	7	11	9	45
जबलपुर	प्रस्तावित	23	17	6	5	4	55
	अनुमोदित	23	17	6	3	2	51
रीवा	प्रस्तावित	12	18	2	4	2	38
	अनुमोदित	12	18	2	4	1	37
इंदौर	प्रस्तावित	20	16	14	8	6	64
	अनुमोदित	20	16	14	8	6	64
ग्वालियर	प्रस्तावित	3	4	1	10	1	19
	अनुमोदित	3	4	1	10	1	19
सागर	प्रस्तावित	3	5	5	6	0	19
	अनुमोदित	3	5	5	6	0	19
कुल	**प्रस्तावित**	**102**	**99**	**43**	**55**	**25**	**324**
	अनुमोदित	**89**	**86**	**38**	**45**	**19**	**277**

(स्रोतः लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदत्त जानकारी)

लेखापरीक्षा में पाया गया कि भविष्य में बड़े पुलों के निर्माण के लिए कोई मास्टर प्लान तैयार नहीं किया गया था। पुलों के चयन के लिए जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों के आधार पर तदर्थ तौर पर शासन को प्रस्ताव भेजे गए। लेखापरीक्षा में यह भी पाया गया

कि निर्माण के लिए पुलों के चयन और बजट में शामिल करने के प्रस्ताव हेतु कोई एक जैसी प्रक्रिया मौजूद नहीं थी।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि विभाग द्वारा स्थलों की तकनीकी आवश्यकता, जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा, स्थानीय लोगों की मांग तथा यातायात घनत्व को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन की नीति के अनुसार उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के अंतर्गत पुलों का निर्माण करवाया जाता है।

2.2.2 अन्य विभागों के साथ समन्वय न करना

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी परिपत्र (अक्टूबर 1984) के अनुसार, अलाइनमेन्ट प्लान[1] बनाते समय मौजूदा नागरिक सेवाओं के प्रतिस्थापन की आवश्यकताओं का पता लगाने और भविष्य में उनके विस्तार के लिए सड़क पर जगह प्रदान करने हेतु संबंधित सेवा प्रदाता एजेंसियों के साथ समन्वय करना आवश्यक है।

पांच संभागों[2] के 10 पुल कार्यों[3] में लेखापरीक्षा ने देखा (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच), कि विभाग अन्य विभागों जैसे कि एम.पी. लोक निर्माण विभाग (इलेक्ट्रिकल/ मैकेनिकल), एम.पी. राज्य बिजली बोर्ड, नगर निगम, भारतीय रेलवे, भू–राजस्व विभाग, स्थानीय प्रशासन, नर्मदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक डेवलप्मेंट कॉरपोरेशन के साथ समन्वय करने में विफल रहा।

कुछ दृष्टांत इस प्रकार हैं:

दृष्टांत 1: त्रुटिपूर्ण हाई फ्लड लेवल लेने के कारण लागत और समय में वृद्धि

इंडियन रोड कांग्रेस स्पेशल पब्लिकेशन 54 की कंडिका 5.3.7 के अनुसार, फ्लड फ्लो डेटा, फ्लड डिस्चार्ज का विश्वसनीय आकलन और तदनुरूपी जलस्तर एक पुल और उसके पहुंचमार्ग के समुचित डिजाइन के मूल तत्व होते हैं। बाढ़ का आकार, बाढ़ का दायरा, बाढ़ का जलस्तर, बाढ़ के चिन्ह या बाढ़ की ऐतिहासिक ऊंचाई संबंधी अन्य सकारात्मक प्रमाण, इत्यादि समस्त उपलब्ध स्रोतों से एकत्रित किए जाने चाहिए। इस तरह के डेटा उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों/ एजेंसियों का सहयोग अत्यावश्क है। बाढ़ का डिस्चार्ज डेटा निकटतम गेजिंग स्टेशन से और बाढ़ संबंधी अन्य डेटा सिंचाई या अन्य प्राधिकरणों/एजेंसी के अभिलेखों से लेने चाहिए। ऐसे डेटा की विश्वसनीयता की सूक्ष्म जाँच का बड़ा महत्व होता है।

इंदौर संभाग में ओंकारेश्वर बांध से 1200 मीटर की दूरी पर नागर घाट पर एक हाई लेवल पुल[4] बनाया जाना था। सर्वेक्षण और जांच (जून, 2016) के बाद, पुल को 177

---

1 यह योजना सड़क के किनारों के विकास के संबंध में मौजूदा सड़क का विवरण दिखाती है, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ उपलब्ध राइट ऑफ वे, एवेन्यू की जगह को चौड़ा करने के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि, पेड़, यूटिलिटि लाइन, इत्यादि शामिल हैं।

2 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

3 राशि ₹ 161.54 करोड़ के व्यय से छः रेल ओवर ब्रिज, तीन हाई लेवल पुल और एक फ्लाईओवर जिनमे से दो पुल कार्य पूर्ण किए गए और आठ पुल कार्य जारी हैं।

4 हाई लेवल पुल एक पुल है, जो सड़क मार्ग को एच.एफ.एल. चैनल के पार ले जाता है।

मीटर हाई फ्लड लेवल[5] और 180.725 मीटर फॉरमेशन लेवल[6] के साथ निर्मित करने का निर्णय लिया गया और जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग (जी.ए.डी.) को अनुमोदित किया गया।

लेकिन, स्थानीय गांव में विरोध के कारण, निर्माण स्थल को डाउन–स्ट्रीम में बांध से 2.1 किमी दूर पुनर्निर्धारित किया गया। निर्माण कार्य ₹ 17.68 करोड़ में एक ठेकेदार को सौंपा गया (जुलाई 2017)। लेखापरीक्षा ने पाया कि बांध के ऐतिहासिक वाटर डिस्चार्ज पर विचार किए बिना और मनमाने ढंग से हाई फ्लड लेवल 175 मीटर और फॉरमेशन लेवल 179.175 मीटर निर्धारित करते हुये एक नया जी.ए.डी. मुख्य अभियंता के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया गया (अगस्त 2017)।

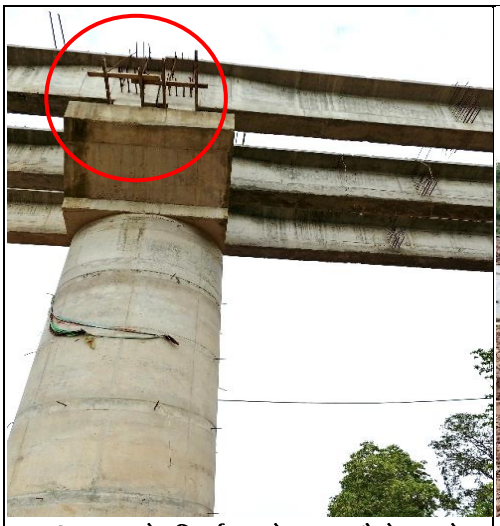

उपसंरचना के निर्माण के बाद ब्रैकेट जोड़ा गया है

डिजाइन व ड्राइंग में परिवर्तन के कारण पांच वर्ष की देरी से निर्माणाधीन पुल

(स्रोतः लेखापरीक्षा दल द्वारा 04.08.2021 को लिया गया फोटो)

वर्षा ऋतु (अगस्त 2020) में हाई फ्लड लेवल 176.45 मीटर तक पहुंच गया और कार्य रोकना पड़ा । इसके बाद, विभाग ने नर्मदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक डेवलपमेंट कारपोरेशन से वाटर डिस्चार्ज डेटा प्राप्त किया (सितंबर 2020) और अधिकतम डिस्चार्ज की स्थितियों में 182.84 मीटर के हाई फ्लड लेवल की गणना की। तब तक (अक्टूबर, 2020) 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था और पुल के फॉरमेशन लेवल को ऊंचा किया जाना संभव नहीं था। इसलिए, विभाग ने पुल को एक सबमर्सिबल पुल[7] के रूप में पुनः डिजाइन करने का निर्णय लिया (फरवरी 2021)। अभी तक ठेकेदार को ₹ 10.62 करोड़ की राशि का भुगतान किया जा चुका था (फरवरी 2021)।

सबमर्सिबल पुल के निर्माण के लिए ₹ 46.53 करोड़ के संशोधित अनुमान के साथ एक संशोधित 'जी.ए.डी.' मुख्य अभियंता के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया (मार्च 2021)। इस 'जी.ए.डी.' में कुछ अतिरिक्त ब्रैकेट थे और इन अतिरिक्त ब्रैकेट को थामने के लिए,

---

5 हाई फ्लड लेवल बाढ़ का अब तक दर्ज किया गया उच्चतम जलस्तर या डिजाईंड डिस्चार्ज हेतु गणना किया गया जलस्तर है।

6 फॉर्मेशन लेवल पुल की ऊपरी संरचना का सबसे निचला स्तर है।

7 सबमर्सिबल पुल एक ऐसा पुल है जिसे बाढ़ के दौरान ओवर–टॉप रहने के लिए डिजाइन किया जाता है।

अतिरिक्त पाइल और पियर्स भी प्रस्तावित किए गए थे। यह डिजाइन अत्यन्त अनोखा था जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

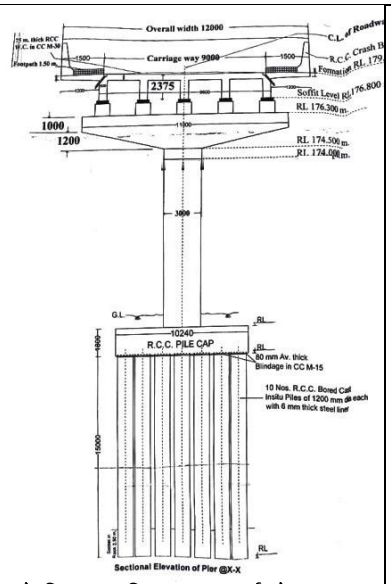

पहले डिजाइन किया गया हाई लेवल पुल।

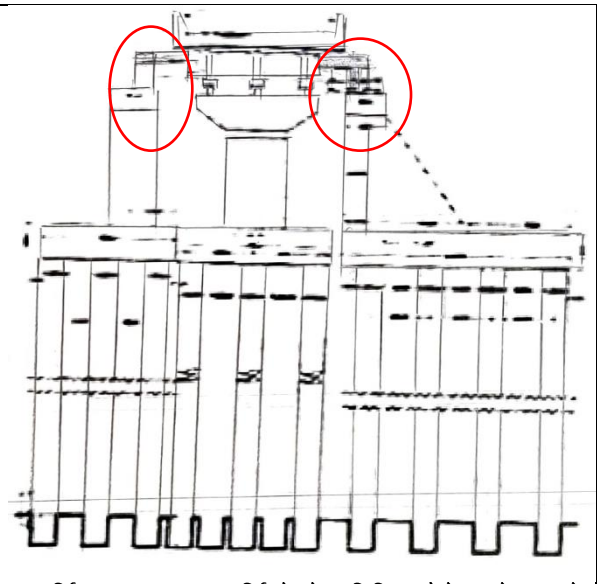

सबमर्सिबल पुल (लाल सर्किलों में अतिरिक्त ब्रैकेट) के रूप में पुनः डिजाइन किया गया पुल।

(स्रोतः लोक निर्माण विभाग के अभिलेख)

निर्माणाधीन कार्य पर अभी तक (फरवरी 2022) ₹ 17.17 करोड़ का व्यय हो चुका है। फ्लड लेवल डेटा के गलत आकलन के कारण पुल निर्माण में लागत–वृद्धि (₹ 28.85 करोड़ संभावित) और समय–वृद्धि (19 माह संभावित) हुई।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि हाई फ्लड लेवल का निर्धारण इंडियन रोड कॉग्रेस द्वारा निर्धारित पद्धति, जैसे कि स्थानीय जानकारी जुटाना, विगत 40 से 50 वर्षों में बाढ़ के हालात पर ग्रामीणो के बयान, नदी का जलग्रहण–क्षेत्र, नदी का वेग और डिस्चार्ज, अपर्दित गहराई, इत्यादि के अनुसार किया जाता है । विगत कुछ वर्षों में, कुछ स्थानों पर वर्षा के पैटर्न में परिवर्तन और कम समय में तीव्र वर्षा के कारण, नदियों के एच.एफ.एल. में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि नर्मदा हाइड्रोईलेक्ट्रिक डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा लेखापरीक्षा को प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, अगस्त 2020 के 177.5 मीटर, जिसके बाद पुल के डिजाइन मैं परिवर्तन प्रस्तावित किया गया, के बनिस्पत, वर्ष 2012 और 2013 में ही हाई फ्लड लेवल क्रमशः 178 मीटर और 179 मीटर तक पहुंच गया था। यदि डीपीआर तैयार करते समय ही विभिन्न मापदंडों जिसमें ऊपर उल्लिखित बांध का डिस्चार्ज डेटा शामिल है, पर विचार कर हाई फ्लड लेवल का सही आकलन किया गया होता, तो निर्माण के दौरान बिना किसी बड़े डिजाइन परिवर्तन के, पुल को निर्धारित समय के भीतर बनाया जा सकता था। इस प्रकरण में संबंधित अभियन्ताओं पर उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाना चाहिए।

दृष्टांत 2: लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण

भोपाल[8] के सुभाष नगर में लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 249ए–सुभाष फाटक के स्थान पर रेलवे ओव्हर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य को 22 माह (अप्रैल 2018 तक) में पूर्ण करने के लिए ठेकेदार को कार्य आदेश जारी किया गया था (जून 2016)। आरओबी और उसके पहुँच मार्ग का निर्माण 11 महीने के विलंब के बाद मार्च 2019 में पूरा हुआ।

लेखापरीक्षा ने पाया कि विभाग ने मौजूदा जल आपूर्ति पाइप–लाईन को प्रतिस्थापित करने के लिए भोपाल नगर निगम से संपर्क किया था (फरवरी, 2017) और कार्य आदेश (जून, 2016) जारी होने के आठ महीनों के बाद इस बावत् भुगतान किया था। पाइपलाइन को दिसंबर, 2018 में प्रतिस्थापित किया गया।

इसी तरह, रेलवे को आरओबी के दोनों ओर के बीच के भाग को भरना था। उन्होंने पूर्णता की निर्धारित तिथि से दो महीने पहले काम शुरू किया और काम पूरा करने में नौ महीने का समय लिया (जनवरी 2019)।

कार्य में तेजी लाने के लिए विभाग द्वारा उपरोक्त संस्थाओं के साथ पत्राचार किये जाने का कोई प्रमाण अभिलेखों में नहीं था।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त, 2022) कि पाइप–लाईन के प्रतिस्थापन के कारण सुभाष नगर आरओबी के कार्य में विलंब नहीं हुआ। संरचना की राह में आने वाली नागरिक सुविधाओं का प्रतिस्थापन निर्माण कार्य के समानान्तर ही किया गया। आरओबी के मामले में रेलवे अपने आर.ओ.डबल्यू में पुल का निर्माण करता है। रेलवे के कार्य में विलंब तैनात एजेंसी की निष्क्रियता के कारण हुआ था। रेलवे ने उनके हिस्से का काम लगभग डेढ़ वर्ष में पूरा किया, इसलिए ब्रिज का उपयोग नहीं हो पाया। कार्य पूरा होने में विलंब के कारण कार्य का उपयोग न हो पाने के लिए पीडब्ल्यूडी जिम्मेदार नहीं है।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि पाइप–लाईन का प्रतिस्थापन कार्य पूर्णता की निर्धारित तिथि से आठ महीने की देरी से पूरा हुआ था (दिसंबर 2018) जिससे निर्माण कार्य की प्रगति बाधित हुई थी। आगे, विभाग द्वारा कार्य में तेजी लाने के लिए रेलवे के साथ किए गए पत्राचार लेखापरीक्षा को नहीं दिखाये गए।

2.2.3 भूमि अधिग्रहण किये बिना कार्य सौंपना

म.प्र कार्य विभाग नियमावली, खंड 1 की कण्डिका 2.104 में कहा गया है कि जैसे ही किसी कार्य के लिए प्राक्कलन स्वीकृत किया जाता है और निधि आबंटित की जाती है, भूमि अधिग्रहण के लिए आवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत किया जावे। आगे, म.प्र. कार्य विभाग नियमावली के परिशिष्ट 1.25 (vi) में कहा गया है कि यह कार्यपालन यंत्री की जिम्मेदारी है कि कार्य शुरू करने के निर्धारित लक्ष्य से पहले आवश्यक भूमि का हस्तांतरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भूमि अधिग्रहण/भूमि हस्तांतरण की रूपरेखा तैयार कर ली जावे।

[8] भोपाल के सुभाष नगर में लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 249ए–सुभाष फाटक के स्थान पर रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण– अनुमानित लागत ₹ 23.16 करोड़ एवं ठेका मूल्य ₹ 21.50 करोड़, कार्यादेश दिनाँक 07.06.2016 को जारी किया गया।

लेखापरीक्षा ने (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) पांच संभागों[9] में ₹ 231.45 करोड़ के व्यय के 25 पुल कार्यों[10] में, जैसा कि **परिशिष्ट 2.1** में वर्णित है, पाया कि ठेकेदारों को कार्य सौंपने से पहले भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई थी। कार्य सौंपे जाने के बाद भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया प्रारंभ करने में दो से 52 माह तक का विलम्ब था। भूमि के अंतिम आवंटन में विलम्ब पांच से 92 माह के बीच था तथा कार्यों को पूर्ण करने में तीन माह से 68 माह का विलम्ब था। कुछ प्रकरणों नीचे **तालिका 2.2** में दिए गए हैं:

तालिका 2.2: भू–अर्जन प्रक्रिया में विलम्ब के कारण विलम्बित कार्यों का विवरण

स. क्र.	पुल कार्य का नाम अनुबंध क्रमांक	कार्य आदेश की तिथि	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	कार्य पूर्ण होने में विलम्ब (महीनों में)	वर्तमान स्थिती
1	बुरहानपुर भुसावल रेलवे सेक्शन पर लाल बाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	19–07–2013	92	68	जारी है
2	जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के पार एप्रोच रोड सहित बॉक्स प्रकार के पुल का निर्माण	01–04–2010	24	67	पूर्ण
3	जिला सीहोर के सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवली घाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एवं सुरक्षा कार्य।	15–02–2013	13	51	जारी है
4	जिला छिंदवाड़ा के चराई कला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	14–12–2012	45	44	पूर्ण
5	बैतूल जिले (म.प्र.) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	08–12–2015	52	38	जारी है
6	शहडोल जिला के बरकछ बियोहारी रोड, पर झापर नदी के पार एप्रोच रोड को छोड़कर उच्च स्तरीय (बॉक्स प्रकार) पुल का निर्माण	17–10–2016	52	37	जारी है
7	जिला राजगढ़ के किमी 8/10 में राजगढ़ काली पीठ रोड पर अजनार नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण	21–11–2016	52	36	जारी है
8	जिला शाजापुर बोल्डा हरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	25–09–2013	30	34	पूर्ण
9	जिला रतलाम जावरा में एल.सी. संख्या 177 रतलाम– चंदरिया रेल खंड के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	28–09–2018	33	33	जारी है
10	जिला सिंगरौली चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) सड़क पर म्यार नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल पुल का निर्माण	05–02–2016	65	32	जारी है

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रशासनिक स्वीकृति के बाद शुरू की गई थी ताकि कार्यों के निष्पादन के दौरान भूमि का अधिग्रहण किया

[9] भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा ओर उज्जैन।

[10] इनमें से 15 पुल कार्य पूर्ण हो चुके थे और 10 पुल कार्य जारी थे।

जा सके और कार्यों को निर्धारित अवधि के भीतर पूरा किया जा सके। भूमि अधिग्रहण में विलम्ब का मुख्य कारण वर्ष 2013 में भारत सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण अधिनियम में संशोधन था। विलम्ब के कुछ अन्य कारण, अदालतों में प्रकरणों का लम्बित होना, कार्यस्थल पर अतिक्रमण, एप्रोच एलाईन्मेंट में मकानों का होना, विभिन्न विभागों के साथ समन्वयन, इत्यादि थे।

2.3 सर्वेक्षण और जांच

पुल निर्माण कार्यों के लिए डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने से पहले विभाग को विनिर्देशों के अनुसार पर्याप्त जांच और सर्वेक्षण करना होता है। परंतु, लेखापरीक्षा के दौरान निम्नलिखित प्रकरण पाए गए जिनमें पर्याप्त जांच और सर्वेक्षण नहीं किये गये थे।

2.3.1 अपर्याप्त सर्वेक्षण और अवास्तविक प्रारंभिक प्राक्कलन के कारण कार्य के निष्पादन के दौरान ड्राइंग और डिजाइन में बड़े परिवर्तन हुए

आई.आर.सी. एस.पी.:54 (2000) की कण्डिका 3 के अनुसार, प्रि–फिजिविलिटी रिपोर्ट, फिजिविलिटी रिपोर्ट या प्रिलिमिनरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट और फिर डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट, ये परियोजना की तैयारी की निर्दिष्ट अवस्थायें है। प्रि–फिसिविलिटी रिपोर्ट के स्तर पर, कार्यस्थल चयन एक महत्वपूर्ण तत्व है। जनरल एरैंजमेण्ट ड्राइंग तैयार करने तथा निविदा और कार्यान्वयन के लिए प्राक्कलन तैयार करने के लिए चयनित कार्यस्थल का विस्तृत सर्वेक्षण और जांच की जानी है।

लेखापरीक्षा ने पाया (अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के बीच) कि पांच संभागों[11] के 12 पुल कार्यों[12] के ड्राइंग और डिजाइन में बड़े बदलाव जैसे कि कार्यस्थल–परिवर्तन, एबटमेंट का स्थान परिवर्तन, नींव की प्रकृति में परिवर्तन, स्पान की संख्या एवं लंबाई में बदलाव, पुल की प्रकृति में परिवर्तन, इत्यादि ठेकेदार को कार्य सौंपे जाने के बाद किये गये थे। इसके परिणामस्वरूप कार्यों की लागत में पांच से 137 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई जैसा कि **परिशिष्ट 2.2** में वर्णित है। यह ₹ 101.83 करोड़ के शुद्ध अतिरिक्त व्यय में परिणत हुआ।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि जनरल एरेंजमेण्ट ड्राइंग, प्रारंभिक जल एवं मृदा परीक्षण कर तैयार की जाती है। कार्य सौंपे जाने के बाद ठेकेदार को मिट्टी का विस्तृत परीक्षण करना होता है। कभी–कभी ठेकेदार द्वारा मिट्टी के विस्तृत परीक्षण के आधार पर नींव की प्रकृति की समीक्षा करने की आवश्यकता पड़ती है। नींव में परिवर्तन, कार्यस्थल की परिवर्तित भूमिति और कुछ नई जलीय विशेषताओं के आधार पर संरचनाओं में अन्य परिवर्तनों की आवश्यकता पड़ती है; लेकिन सक्षम प्राधिकारी द्वारा हमेशा उनकी जांच की जाती है।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि न तो विभाग और न ही ठेकेदारों ने निर्धारित संख्या में बोर होल की ड्रिलिंग कर मिट्टी की जांच की थी। इस संबंध में इस प्रतिवेदन की **कण्डिका क्रमांक 2.3.2** और **कण्डिका क्रमांक 3.4.2** में विवरण दिया गया है। इसके अलावा, शासन ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि मिट्टी की अपर्याप्त जांच से भी

---

11 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

12 चार रेल ओवर ब्रिज, छः हाई लेवल और दो फ्लाईओवर जिसमें सात काम पूरे हो चुके हैं और पांच काम चल रहे हैं।

मात्रा में भारी अंतर आया है। इसलिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

2.3.2 ड्राइंग और डिजाइन तैयार करने से पहले अपर्याप्त सब–सॉयल परीक्षण

आईआरसी एसपीः 54 की कण्डिका 5.3.8 के अनुसार, तलछट, प्रवाह, और नदीतल और तट की स्थिरता के आकलन के लिए सामान्य रूप से नदीतल और तट में मिट्टी की जानकारी आवश्यक है। खुदाई द्वारा मिट्टी के विष्लेषण से स्काउर, साउंड फाउंडिंग स्ट्रैटा, सेफ बियरिंग कैपासिटी (एस.बी.सी.), तट के मिट्टी की विशेषतायें इत्यादि से सम्बंधित डेटा मिलेगा। आगे, आईआरसी : 78 की कण्डिका 704 के अनुसार, विस्तृत परीक्षण के स्तर पर, प्रस्तावित पुल के कार्यस्थल के प्रभाव क्षेत्र में संरचना के घटकों, विषेषकर नींव की प्रकार के विकल्पों तथा उनके डिजाइन डीटेल्स हेतु डिजाइन पैरामीटर निर्धारित करने के लिए सब–सॉयल परीक्षण आवश्यक है ताकि मौजूद भू–तत्व जैसे, मिट्टी, चट्टान, जलमार्ग का तल, इत्याादि की विशेषताओं का पता लगाया जा सके।

आईआरसी एसपीः 54 की कण्डिका 6.1.2 के अनुसार, कार्य के लेआउट को अंतिम रूप देने के पश्चात्, वास्तविक लेआउट के आधार पर विस्तृत सब–सॉयल परीक्षण करना आवश्यक है। इस समय विभिन्न परीक्षण तथा कार्यस्थल पर इन्हें किये जानेवाले स्थानों का निर्धारण अत्यावश्यक होता है। वृहद पुलों के प्रकरण में प्रत्येक नींव के स्थान पर कम से कम एक बोर होल किया जाना चाहिए। जमीन की तह में चट्टान पाये जाने पर चट्टानी परतों के डीप[13] के आधार पर बोर होल की संख्या को उपयुक्त रूप से बढ़ाया जा सकता है। परीक्षणों से इंजीनियरिंग डिजाइन को तैयार करने के लिए आवश्यक पर्याप्त जानकारी प्राप्त होनी चाहिए।

लेखापरीक्षा ने पांच संभागों[14] के 45 पुल कार्यों में पाया (अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के मध्य) कि आवश्यक 696 बोर होल के स्थान पर मात्र 82 बोर होल किए गए थे। इस प्रकार, बोर होल 88.22 प्रतिशत कम किए गए थे। यह इंगित करता है कि सब–सॉयल परीक्षण पर पर्याप्त डेटा के बिना ही प्राक्कलन तैयार किए गए थे। डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट की तैयारी के दौरान अपर्याप्त बोर परीक्षणों के कारण अनुबंध के पश्चात् डिजाइन/ड्राइंग, नींव, पुल के प्रकार, पुल की लंबाई तथा स्पान में परिवर्तन पाये गए थे जैसा कि पूर्ववर्ती कण्डिका में उल्लेख किया गया है। विवरण **परिशिष्ट 2.3** में दिये गए हैं।

सब–सॉयल परीक्षण न करने के कारण अतिरिक्त व्यय

सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के पास नर्मदा नदी पर हाई लेवल पुल का निर्माण कार्य फरवरी 2013 में सौपा गया था।

लेखापरीक्षा ने पाया कि विभाग ने कार्य सौंपने से पहले विनिर्देशों के अनुसार आवश्यक 17 बोर होल में से एक भी बोर होल नहीं किया था। कार्य के निष्पादन के दौरान, प्रस्तावित पियर क्रमांक 11 के पास 15 मीटर गहरी एक खाई पाई गई। इससे, चेनेज 315 मीटर से चेनेज 390 मीटर के बीच एक पियर को विलुप्त करना तथा 75 मीटर लंबे एक स्पान का निर्माण अपरिहार्य हो गया। इसके परिणामस्वरूप ₹ 1.52 करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ।

---

13 ढलान या झुकाव।

14 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन

लेखापरीक्षा ने आगे पाया कि ठेकेदार द्वारा कार्यान्वित बोर होल के परीक्षण परिणामों के आधार पर मुख्य अभियंता द्वारा कार्य की तकनीकी स्वीकृति को तीन बार[15] संशोधित किया गया था। यदि डीपीआर तैयार करने के दौरान विभाग द्वारा समय पर परीक्षण किए गए होते, तो तकनीकी स्वीकृति में इस तरह के बारंबार संशोधन से बचा जा सकता था, जिसके परिणामस्वरूप कार्य पूरा होने में भी देरी हुई। अन्तिम तकनीकी स्वीकृति जुलाई 2021 में दी गई थी, यानी अनुबंध के 57 महीने बाद; कार्य अभी भी प्रगति पर था।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि विभाग डीपीआर तैयार करता है और प्रशासनिक स्वीकृति के बाद निविदा आमंत्रित की जाती है, और कार्य स्थल ठेकेदार को सौंप दिया जाता है। प्रत्येक पियर और एबटमेंट के स्थान पर ठेकेदार द्वारा मिट्टी के विस्तृत परीक्षण के बाद, फाउन्डिंग लेवल और एसबीसी को अंतिम रूप दिया जाता है जिसके आधार पर संरचनाएं तैयार की जाती हैं।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि प्रावधान के अनुसार डीपीआर तैयार करने के दौरान प्रत्येक नींव–स्थल पर बोर किया जाना अनिवार्य है, जो विभाग द्वारा नहीं किया गया था।

2.3.3 अनुमोदित डिजाइन और ड्राइंग क बिना पहुँच मार्ग का निर्माण

आईआरसीः 37[16] और आईआरसीः 58[17] पहुँच मार्गों के निर्माण के लिए डिजाइन प्रावधानित करती है। इसके अलावा, मुख्य अभियंता ने शहरी क्षेत्रों के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलों के लिए निर्मित किये जानेवाले पहुँच मार्गों के लिए विभिन्न परतों की मोटाई निर्धारित करने बावत् निर्देष[18] जारी किया है (जुलाई 2012)।

लेखापरीक्षा ने पांच संभागों[19] के 26 पुल कार्यों[20] में पाया (अक्टूबर 2020 से सितंबर 2021) कि सभी 26 पुलों के प्रकरणों में, ₹ 34.42 करोड़ के पहुँच मार्गों का निर्माण क्रॉस–सेक्शन

---

15 मुख्य अभियंता द्वारा जनवरी 2015 को ₹ 30.11 करोड़ और फरवरी 2015 को ₹ 30.57 करोड़, जिसके लिए मार्च 2015 को मध्य प्रदेश शासन द्वारा ₹ 49.57 करोड़ की संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी।

16 आईआरसीः 37 के अनुसार, मानक एक्सल की संचयी संख्या और सबग्रेड के सीबीआर वैल्यू के संदर्भ में डिजाइन ट्रैफिक जैसे मापदंडों का उपयोग करके दिए गए यातायात और मिट्टी की ताकत के लिए फ्लेक्सीब्ल पेवमेंट के उपयुक्त डिजाइन का चयन किया जा सकता है।

17 आईआरसीः 58 के अनुसार, डिजाइन को नियंत्रित करने वाले कारक व्हील लोड, डिजाइन अवधि, डिजाइन ट्रैफिक, तापमान में अंतर, सबग्रेड और सब–बेस की विशेषताएं तथा कंक्रीट की विशेषताएं हैं।

18 तकनीकी परिपत्र संख्या 1303/टीसी/डिजाइन भोपाल दिनांक 09–07–2012

पुलों के प्रकार	सड़कों के प्रकार	प्रावधान
हाई लेवल पुल	राज्य सड़क/मुख्य जिला सड़क	जीएसबी–300 एमएम, डब्ल्यूएमएम–225 एमएम, बीएम–50 एमएम, एसडीबीसी–25 एमएम
हाई लेवल पुल	ग्रामीण सड़क/ मुख्य सड़क	जीएसबी–200 एमएम, जी 2 एवं जी 3–225 एमएम, ओजीपीसी–20 एमएम, सीलकोट
सबमर्सिबल पुल	राज्य सड़क/ मुख्य जिला सड़क	जीएसबी–300 एमएम, डीएलसी–100 एमएम, पीक्यूसी एम40–300 एमएम
सबमर्सिबल पुल	ग्रामीण सड़क/ मुख्य सड़क	जीएसबी–200 एमएम, डीएलसी–100 एमएम, पीक्यूसी एम–30 300 एमएम

19 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन

20 चार रेलवे ओव्हर ब्रिज, 10 हाई लेवल पुल, 10 सबमर्सिबल पुल और दो फलाई ओवर, इनमें से 18 पुल बन चुके थे और आठ बनाये जा रहे थे, जिन पर ₹ 34.42 करोड़ के सड़क निर्माण पर हुए व्यय सहित ₹ 408.96 करोड़ खर्च हुए थे।

की परतों की विभिन्न मोटाई के साथ किया गया था। क्रॉस–सेक्शन की मोटाई उपरोक्त विनिर्देशों और मुख्य अभियंता के निर्देशों के अनुरूप नहीं थी। साथ ही, डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट में भी आईआरसी की विशिष्टियों के अनुसार तैयार किये गये पहुँच मार्ग के कोई डिज़ाइन और ड्राइंग नहीं पाये गये। पहुँच मार्गों के आवश्यक मानक से निम्नस्तरीय कार्यान्वयन और शीघ्र क्षतिग्रस्त होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। विवरण **परिशिष्ट 2.4** में दिये गये हैं।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि प्रत्येक कार्यस्थल पर मिट्टी की प्रकृति, यातायात घनत्व तथा भार पर विचार करने के बाद तकनीकी स्वीकृति दी गई थी।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि क्रॉस–सेक्शन की मोटाई उपरोक्त विशिष्टियों के अनुरूप नहीं थी। साथ ही, इंडियन ट्राफिक सेन्सस डाटा के अनुसार डिजाइन किये गये सड़क सम्बंधी अभिलेख तथा संयोजी सड़कों के डिजाइन डाटा लेखापरीक्षा को प्रस्तुत नहीं किए गए थे।

2.3.4 बिटुमिन की पहुँच मार्गों का अविवेकपूर्ण प्रावधान

मुख्य अभियंता द्वारा जारी परिपत्र (जून 2008 और जुलाई 2012)[21] के अनुसार, सबमर्सिबल पुलों के लिए हमेशा सीमेंट कंक्रीट पहुँच मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिए। बिटुमिन की सड़कें उपयुक्त नहीं होती हैं क्योंकि बाढ़ के समय जलमग्न पहुँच मार्गों की उपरी परत क्षतिग्रस्त हो जाती है।

लेखापरीक्षा ने भोपाल और इंदौर संभागों के दो सबमर्सिबल पुलों[22] के कार्यों में पाया (अक्टूबर 2020 और अगस्त 2021 में) कि सीमेंट कंक्रीट के स्थान पर बिटुमिन वाली पहुँच मार्गों का निर्माण किया गया था। इन सड़कों के निर्माण पर ₹ 29.38 लाख का व्यय किया गया था। विवरण **परिशिष्ट 2.5** में दिये गये हैं।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि बाह नदी पर पुल के प्रकरण में, यद्यपि यह एक सबमर्सिबल पुल है, विगत पांच वर्षों में कभी जलमग्न नहीं हुआ है और इसके पहुँच मार्ग अक्षुण्ण हैं, जिससे अन्ततोगत्वा शासन को लागत में बचत हुई है। खान नदी पर पुल के प्रकरण में, संयोजी सड़कें बिटुमिन की थी, इसलिए पहुँच मार्ग भी बिटुमिन के बनाए गए थे।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि सबमर्सिबल पुल पर बिटुमिन की पहुँच मार्गों का निर्माण मुख्य अभियंता द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप नहीं था।

2.4 पुल परियोजनाओं की निर्माण सारणी का निर्धारण

आईआरसी एसपीः 14 के अनुसार, सभी महत्वपूर्ण पुल परियोजनाओं हेतु, संपूर्ण परियोजना के लिए एक क्रिटिकल पाथ मेथड (सी.पी.एम.)/प्रोग्राम इवैल्युएशन रिव्यू टेक्नीक (पी.इ. आर.टी.) चार्ट होना आवश्यक है। सी.पी.एम उन संभावित गतिविधियों को इंगित करता है तथा जोर देता है जो परियोजना में दिक्कतों और विलम्ब के कारण हो सकते हैं। यदि किन्हीं गतिविधियों में विलम्ब हो रहा है, तो उन बिंदुओं को जहां प्रगति के लिए सुधार

---

21 परिपत्र क्रमांक टेक्नीकल/ड्राइंग/1303 दिनॉक 10.07.2012

22 दो सबमर्सिबल पुलों, दोनों कार्यों को कुल ₹ 11.06 करोड़ के व्यय के साथ पूरा किया गया, जिसमें सड़क कार्यों पर ₹ 29.38 लाख व्यय शामिल है।

करने और समय पर पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे, यह इंगित करता है। सी.पी.एम के प्रयोग से समय और धन की काफी बचत संभव है।

लेखापरीक्षा ने पाया (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) कि पांच संभागों[23] के 65 पुल कार्यों[24] में, जिन पर ₹ 744.71 करोड़ का व्यय किया गया था, जैसा कि **परिशिष्ट 2.6** में वर्णित है, न तो सी.पी.एम और न ही पर्ट चार्ट को अपनाया/तैयार किया गया और डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट में शामिल किया गया था। उपरोक्त 65 कार्यों में यह पाया गया कि इन कार्यों को पूरा करने में एक माह से 68 माह के मध्य विलम्ब हुआ था।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि भविष्य के कार्यों में, परियोजना प्रबंधन के लिए सी.पी.एम तथा पर्ट चार्ट का उपयोग किया जाएगा।

2.5 निष्कर्ष

लेखापरीक्षा ने पाया कि

- विभाग द्वारा राज्य में पुलों के निर्माण हेतु योजनाएँ तैयार नहीं की जा रहीं थी। अन्य विभागों के साथ नियोजन एवं समन्वय के अभाव में कार्यों में असामान्य रूप से विलम्ब हुआ।
- अपर्याप्त सर्वेक्षण और जांच के कारण कार्यस्थल, एबटमेंट के स्थान, नींव की प्रकृति, स्पान की संख्या एवं लंबाई में बदलाव, पुल के प्रकार, इत्यादि में परिवर्तन हुआ।
- पहुँच मार्गों का निर्माण डिजाइन और ड्राइंग के अनुमोदन के बिना किया गया था। सबमर्सिबल पुलों के लिए सीमेंट कंक्रीट पहुँच मार्ग के बजाय बिटुमिन के पहुँच मार्ग का निर्माण किया गया था।

2.6 अनुशंसाएं

लेखापरीक्षा यह अनुशंसा करती है कि

1. विभाग एक विस्तृत योजना दो चरणों में लागू कर सकता है सर्वप्रथम, माइक्रो लेवेल पर यानी संभाग/उप–संभाग स्तर पर नए पुलों की आवश्यकता और पुराने के उन्नयन/नवीनीकरण की समीक्षा करके और मैक्रो लेवेल पर, माइक्रो लेवेल के अंतर्गत प्रारंभिक चयनित पुलों में से निर्माण के लिए प्राथमिकता तय करने हेतु विभागीय मास्टर प्लान तैयार करके अथवा राज्य के विकास की किसी अन्य योजना के भाग के रूप में योजना तैयार करके।
2. विभाग स्थल चयन, भूमि अधिग्रहण, यातायात का भरोसेमंद डेटा, हाई फ्लड लेवल, जल निकायों के अभिलक्षणों, इत्यादि के लिए वास्तविक सर्वेक्षण और जांच कर डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक ऐसी प्रक्रिया अपना सकता है

---

23 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन

24 तीन फ्लाईओवर, 13 रेलवे ओव्हर ब्रिज, 18 हाई लेवल और 31 सबमर्सिबल पुल; इनमें से 37 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 28 कार्य जारी हैं।

जिससे एलाइन्मेंट / डिजाइन में किसी भी बदलाव, तथा लागत–वृद्धि एवं परियोजना के पूरा होने में अनावश्यक विलम्ब से बचा जा सके।

3. विभाग कार्यों के विलम्ब से पूर्ण होने, प्रमुख विचलनों, त्रुटिपूर्ण आयोजना इत्यादि के कारण राजकोष पर अतिरिक्त व्यय के सभी मामलों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर समुचित कार्रवाई कर सकता है।

अध्याय 3
कार्यान्वयन

अध्याय 3

कार्यान्वयन

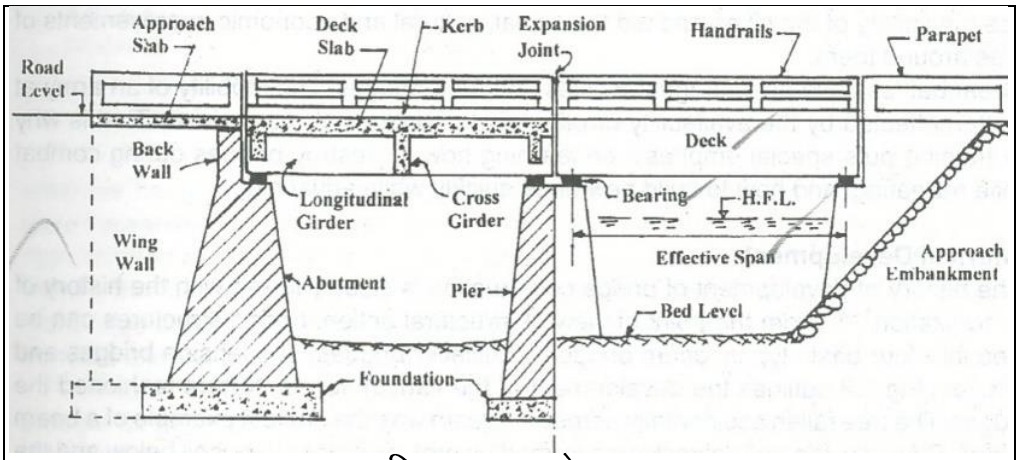

चित्र 3.1: पुल के घटक

(स्रोतः इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस इंजीनियरिंग एंड रिसर्च डेवलपमेंट)

3.1 प्रस्तावना

पुल की जो डिजाइन जनहित में सर्वोत्तम है वह उतनी ही प्रभावशाली और किफायती होनी चाहिए। एक प्रभावशाली पुल डिजाइन वह है जो सामाग्री की लागत को कम जबकि कार्यकारिता को बढ़ाने पर ज़ोर देती है। एक किफायती पुल डिजाइन वह है जो दक्षता बनाए रखते हुए निर्माण और रखरखाव की लागत को कम करने पर ज़ोर देती है।

3.2 संविदा प्रबंधन

पुलों का निर्माण सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी सड़कों एवं पुलों के निर्माण के लिए स्पेसिफिकेशन और इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा जारी स्पेसिफिकेशन के अनुसार किया जाना चाहिए। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने पुल कार्यों के लिए दर–अनुसूची जारी की है जो पुलों की लागत के आकलन में सहायता करती है।

3.2.1 रायल्टी की कम वसूली तथा खनिज संसाधन विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र के बिना अंतिम भुगतान

मध्य प्रदेश राजपत्र (मार्च 2013) की कण्डिका 2 एवं मध्य प्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग के आदेश (फरवरी 2003) के अनुसार शासकीय कार्य हेतु गौण खनिज निकालने के लिए रायल्टी शुल्क का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा। ठेकेदार के अंतिम बिल का भुगतान तभी किया जाएगा जब वह कलेक्टर (खनन) द्वारा जारी ''अदेयता'' प्रमाण पत्र विभाग को प्रस्तुत करेगा।

लेखापरीक्षा ने पाया (अक्टूबर 2020 से सितंबर 2021 तक) कि भोपाल और उज्जैन संभागों के छह पुल कार्यों में उपयोग की गई सामग्री बावत् ठेकेदारों के चालू देयकों से रॉयल्टी के तौर पर ₹ 1.02 करोड़ राशि के विरुद्ध ₹ 37.72 लाख मात्र की ही कटौती की गई थी। यह ₹ 63.73 लाख की रॉयल्टी की कम वसूली में परिणत हुई, जिसका विवरण **परिशिष्ट 3.1** में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों से खनिज संसाधन विभाग का अदेयता प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना ₹ 101.96 करोड़ की लागत वाले इन कार्यों को अंतिम रूप दिया गया था।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि रॉयल्टी की राशि की वसूली विभाग के पास उपलब्ध ठेकेदारों की जमा राशि से की जायेगी।

3.2.2 दर की स्वीकृति में विलम्ब के कारण अतिरिक्त व्यय

अनुबंध के कण्डिका 21 में प्रावधान है कि परिवर्तित या प्रतिस्थापित कार्य की दरें, जो कि दर–अनुसूची (एस.ओ.आर.) में नहीं दी गई हैं, उनका निर्धारण सक्षम प्राधिकारी द्वारा जैसा कि अनुबंध डेटा में परिभाषित किया गया है, किए गए कार्य के समय प्रचलित बाजार दरों के विश्लेषण से प्राप्त दर के आधार पर किया जाएगा।

रीवा संभाग में, "नौगांव सतना–रीवा रोड, सतना में सेमरिया चौक पर फ्लाई ओवर के निर्माण" का कार्य एक ठेकेदार को ₹ 36.91 करोड़[1] में सौंपा गया था (जनवरी 2016)। कार्य 17.05.2018 तक पूरा किया जाना था लेकिन अभी तक जारी था।

लेखापरीक्षा ने पाया (सितम्बर 2021) कि स्पान के लिए 'कम्पोजिट स्टील गर्डर' की मद एस.ओ.आर में उपलब्ध नहीं थी। इसलिए, ठेकेदार ने ₹ 1,34,285 प्रति मीट्रिक टन की दर प्रस्तुत किया था (जनवरी 2018) जिसे आठ महीने के विलम्ब पश्चात् अधीक्षण यंत्री, जबलपुर सर्कल द्वारा अनुमोदित किया गया था (सितंबर 2018)। इस विलम्ब के कारण, ठेकेदार ने अनुमोदित दर को स्वीकार करने से मना कर दिया और ₹ 1,58,757 प्रति मीट्रिक टन की पुनरीक्षित दर प्रस्तुत किया (अक्टूबर 2019) जिसे मुख्य अभियंता द्वारा अनुमोदित किया गया (नवंबर 2019)। इससे 48वें चलित देयक तक ₹ 2.54[2] करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि दर (₹ 1,34,285) के अनुमोदन का प्रस्ताव जनवरी 2018 में अधीक्षण अभियंता को भेजा गया था और सितंबर 2018 में उनके द्वारा अनुमोदित किया गया था। चूंकि माह जनवरी से सितंबर के दौरान डब्ल्यूपीआई (111.8 से 122) में वृद्धि के कारण माइल्ड स्टील की कीमत में वृद्धि हुई थी ठेकेदार ने इस दर को स्वीकार करने से मना कर दिया था और एक नई दर (₹ 1,58,757 प्रति मीट्रिक टन) प्रस्तुत किया (अक्टूबर 2019) जिसे अनुमोदित किया गया (नवंबर 2019)।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि सितंबर 2018 से नवंबर 2019 की अवधि के दौरान डब्ल्यूपीआई में गिरावट की प्रवृत्ति (122 से 102.2) रही है। अक्टूबर 2019 में, जब ठेकेदार ने उक्त मद के लिए पुनरीक्षित दर प्रस्तुत की तो डब्ल्यूपीआई 103.3 था, जो जनवरी 2018 के डब्ल्यूपीआई (111.8) से कम था। इसके अलावा, तथ्य यह है कि अधीक्षण यंत्री द्वारा पहली दर की स्वीकृति में देरी के कारण, विभाग को ठेकेदार द्वारा उद्धृत दूसरी दर को अनुमोदित करना पड़ा जिसके कारण ₹ 2.54 करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ।

3.2.3 पुल की चौड़ाई और पहुँच मार्ग की चौड़ाई में असमानता

आई.आर.सी.:5 की कण्डिका 120.1 के अनुसार, एक सीधे पुल के दोनों ओर पहुँच मार्ग की न्यूनतम सीधी लंबाई 15 मीटर होगी जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जावेगा और पहुँच मार्ग की चौड़ाई पुल की चौड़ाई के बराबर होगी।

---

1 अनुमानित लागत, ₹ 37.66 करोड़

2 (₹ 158,757– ₹ 1,34,285) = ₹ 24,472 × 1036.270 मीट्रिक टन ।

लेखापरीक्षा ने पाया (मार्च 2021 एवं सितम्बर 2021 के बीच) कि पांच संभागों [3] के 17 कार्यों[4] में पहुँच मार्ग की चौड़ाई पुलों की चौड़ाई के बराबर नहीं रखी गई थी। पुलों की चौड़ाई 7.5 मीटर थी जबकि पहुँच मार्ग की चौड़ाई सात मीटर से 12 मीटर के बीच थी। विभाग ने उपरोक्त विशिष्टि की अनदेखी की है क्योंकि पहुँच मार्ग का निर्माण विशिष्टि के अनुरूप नहीं था। सड़क की चौड़ाई में अचानक परिवर्तन के कारण दुर्घटनाएं हो सकती हैं। पहुँच मार्ग आवश्यक लंबाई में भी नहीं बनाए गए थे। विवरण **परिशिष्ट 3.2** में दिया गया है।

शासन ने उत्तर नहीं दिया।

3.2.4 स्टील लाइनर का अनियमित कार्यान्वयन

प्रमुख अभियंता द्वारा जारी (मई 2016) निर्देशं के अनुसार, रेलवे ओव्हर ब्रीज के निर्माण में ''परमानेन्ट स्टील लाइनर''[5] का उपयोग कार्य स्थल पर उसकी आवश्यकता बावत् मुख्य अभियंता द्वारा प्रस्तुत औचित्य पर प्रमुख अभियंता के पूर्वानुमोदन के पश्चात किया जा सकेगा।

लेखापरीक्षा ने पाया (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) कि तीन संभागों[6] के पांच रेलवे ओव्हर ब्रीज[7] के कार्यों में, समुचित औचित्य के उल्लेख और प्रमुख अभियंता के पूर्वानुमोदन के बिना 583.65 मीट्रिक टन ''परमानेन्ट स्टील लाइनर'' का उपयोग किया गया था। इसके परिणामस्वरूप ₹ 4.31 करोड़ का असंगत व्यय हुआ। विवरण **परिशिष्ट 3.3** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि प्रमुख अभियंता से अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया में समय लगता है इस बीच ''परमानेन्ट स्टील लाइनर'' मद को उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा के उपरांत कार्यान्वित किया गया है क्योंकि पाइलिंग के दौरान भारी मशीनों का किराया अधिक होने तथा मिट्टी को ढहने से बचाने के लिए भी कार्य को रोका नहीं जा सकता है।

तथापि, यह सुनिश्चित किया जाता है कि वांछित अनुमति के बाद ही ठेकेदार को लाइनर का भुगतान किया जाए। अतः, बिना अनुमति के स्टील लाइनर का कोई अनियमित कार्यान्वयन नहीं हुआ है।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि प्रमुख अभियंता की अनुमति जो ''परमानेन्ट स्टील लाइनर'' के कार्यान्वयन के लिए एक पूर्वापेक्षा थी, लेखापरीक्षा को नहीं दिखाई गई थी।

---

3 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

4 दो रेलवे ओव्हर ब्रिज, सात हाई लेवल एवं आठ सबमर्सीबल पुल जिनमे ग्यारह पुल कार्य पूर्ण थे और छह पुल कार्य रूपये 182.07 करोड़ व्यय के साथ जारी थे।

5 कास्ट इन–सीटू कंक्रीट के स्तम्भ धातु के गोलाकार ढॉचों (स्टील लाइनर) में ढाले जा सकते हैं जो स्थायी रूप से अपनी जगह पर रह सकते हैं। हालाँकि, अन्य प्रकार के प्रबलित कंक्रीट कास्ट इन–सीटू पाइल्स, केस्ड या अनकेस्ड, का उपयोग किया जा सकता है यदि इंजीनियर की राय में मिट्टी की स्थिति उनके उपयोग की अनुमति देती है और यदि उनका डिज़ाइन और लगाने का तरीका संतोषजनक हैं। (एम.ओ.आर.टी.एच. विनिर्देश की कण्डिका 1107)।

6 भोपाल, जबलपुर और उज्जैन।

7 दो कार्य पूर्ण थे और तीन कार्य जारी थे।

3.2.5 बिना पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति के अतिरिक्त मदों का कार्यान्वयन

शासन द्वारा जारी (जनवरी 2011) परिपत्र[8] के अनुसार, बिल ऑफ क्वांटिटी में किसी भी परिवर्तन अथवा नये मद को शामिल करने के प्रकरण में, सक्षम प्राधिकारी से इस संबंध में पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति प्राप्त की जानी चाहिए। एक अन्य परिपत्र[9] (मई 2011) में कहा गया है कि यदि कार्य की लागत में प्रशासनिक स्वीकृति से परे वृद्धि संभावित हो तो पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति एवं तकनीकी स्वीकृति के बाद ही कार्य को कार्यान्वित किया जावेगा।

लेखापरीक्षा ने इंदौर एवं रीवा संभागों के दो पुल कार्यों के संबंध में पाया (मार्च 2021 एवं सितम्बर 2021 के बीच) कि 22 मदें जो बिल ऑफ क्वान्टिटी में सम्मिलित नहीं थी, पुनरीक्षित प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किए बिना कार्यान्वित की गई थीं। इन अतिरिक्त मदों पर ₹ 1.76 करोड़ का व्यय हुआ। विवरण **परिशिष्ट 3.4** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि निर्माण कार्य के दौरान कार्यस्थल की प्रकृति के अनुसार कई मदों में वृद्धि या कमी की जाती है, ताकि कार्य बिना रूकावट के प्रगति पर रहे, बाद में पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति जारी किया जाता है। उक्त कार्यों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा तकनीकी रूप से स्वीकृत किया गया है।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृतियों के साथ–साथ कार्यान्वित गैर–बीओक्यू मदों के मदवार विवरण पर अनुमोदन लेखापरीक्षा को नहीं दिखाया गया था।

3.2.6 एम्बैंकमेंट के निर्माण में फ्लाई ऐश का उपयोग न करना

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 03–11–2009 के अनुसार, फ्लाई ऐश का उपयोग कोयले/ लिग्नाइट आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से 300 कि.मी. की दूरी के भीतर बनाई जा रही सड़कों और फ्लाई ओव्हर के एम्बैंकमेंट में किया जावेगा। कोई भी एजेंसी, व्यक्ति या संगठन उक्त संयंत्र से 300 कि.मी. के अंदर केवल मिट्टी से नीची जमीन के उन्नयन और संघनन की अनुमति नहीं देगा तथा तदनुसार फ्लाई ऐश के उपयोग की कुछ मदों को एस.ओ.आर. के अध्याय 2 में शामिल किया गया है।

लेखापरीक्षा ने इंदौर एवं रीवा संभागों के चार पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 से सितंबर 2021 के बीच) कि निर्माण स्थलों से 300 कि.मी. के अन्दर ताप विद्युत संयंत्रों[10] की उपस्थिति के बावजूद विभाग ने प्राक्कलनों/ डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट में एम्बैंकमेंट के निर्माण (मद क्रं. 3.12: एम्बैंकमेंट का निर्माण) में फ्लाई ऐश पर विचार नहीं किया था। विवरण **परिशिष्ट 3.5** में दिया गया है। लेखापरीक्षा ने यह भी देखा कि श्री सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट, खंडवा के पास बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त फ्लाई ऐश उपलब्ध थी और इसका उपयोग न किए जाने के कारण इसे 15.83 करोड रुपये का जुर्माना देना पड़ा जैसा कि मध्य प्रदेश शासन की अनुपालन लेखापरीक्षा पर भारत के

---

8 परिपत्र सं एफ–52/1/10/P/19–45/भोपाल दिनांक 03–01–2011

9 परिपत्र सं एफ–52/1/10/ P/19/2277/ भोपाल दिनांक 08–05–2011।

10 मेसर्स ग्रासिम इंडस्ट्री लि., नागदा; श्री सिंगाजी पावर प्लांट, मुंडी, खंडवा; विंध्याचल थर्मल पावर स्टेशन, सिंगरौली; मेसर्स संजय गांधी थर्मल पावर प्रोजेक्ट, उमरिया।

नियंत्रक–महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन (2023 का प्रतिवेदन क्र. 2) की **कण्डिका क्र. 4.14.2** में उल्लेख किया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि इस संबंध में निर्देश जारी किये जायेंगे।

3.3 समयबद्धता का पालन

3.3.1 कार्य पूर्ण करने में समय–सीमा का अनुपालन न होना

अनुबंध की कण्डिका 15.1 के अनुसार, कार्य कार्यान्वयन के लिए अनुबंध में उल्लेखित अनुमत्य समय का ठेकेदार द्वारा कड़ाई से पालन किया जायेगा।

लेखापरीक्षा ने पाया (अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के बीच) कि पांच संभागों[11] के 72 नमूना पुल कार्यों में से केवल नौ कार्य अनुबंधों में निर्धारित समय पर पूरे किए गए थे। जैसा कि **परिशिष्ट 3.6** में वर्णित है। 63 पुल कार्यों के संबंध में एक माह से 68 माह तक का विलम्ब पाया गया जैसा कि नीचे **तालिका 3.2** में दर्शाया गया है:

तालिका 3.2: लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित वृहद पुलों की स्थिति दर्शाने वाला विवरण

स. क्र.	संभाग	चयनित कार्यों की कुल संख्या	समय पर पूरे किए गए कार्यों की संख्या	विलंबित कार्यों की संख्या	विलंब की अवधि माह में
1	भोपाल	12	0	12	8 से 51
2	इंदौर	15	2	13	2 से 68
3	जबलपुर	15	2	13	1 से 67
4	रीवा	15	1	14	3 से 55
5	उज्जैन	15	4	11	1 से 36
कुल		**72**	**9**	**63**	**1 से 68**

(स्रोतः लोक निर्माण विभाग के अभिलेख)

आगे, भोपाल संभाग में, इसके कार्यक्षेत्र के 12 कार्यों में से कोई भी कार्य निर्धारित अवधि के भीतर पूरा नहीं किया गया था। विवरण **परिशिष्ट 3.7** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि विलम्ब भूमि अधिग्रहण, कोविड–19, नागरिक सेवाओं के प्रतिस्थापन, वन विभाग से अनुमति, निधियों की अनुपलब्धता, असमय वर्षा, श्रमिकों की अनुपलब्धता, रेल विभाग के द्वारा देरी, इत्यादि के कारण हुआ था।

[11] भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन

3.4 गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी

3.4.1 गैर–परीक्षित और अप्रमाणित इलास्टोमेरिक बियरिंग का उपयोग

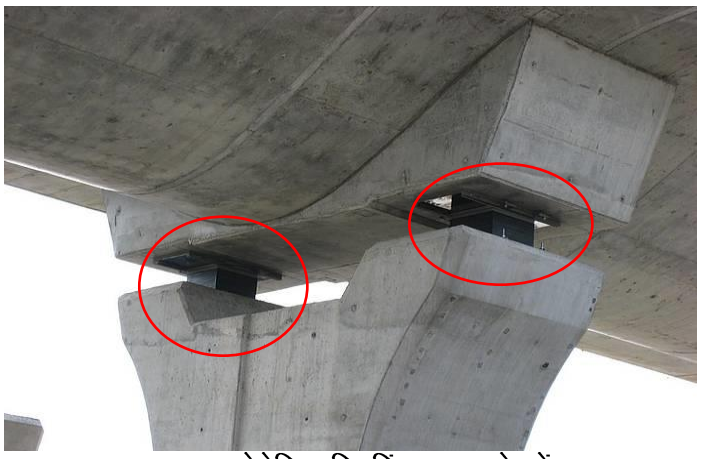

इलास्टोमेरिक बियरिंग्स का प्लेसमेंट

(स्रोतः लेखापरीक्षा दल द्वारा 06.07.2021 को ली गई तस्वीर)

आई.आर.सी.: 83 (भाग–II) 1987 की कण्डिकायें 913 से 918 स्पान के नीचे इलास्टोमेरिक बियरिंग्स[12] लगाये जाने के पहले उनके निरीक्षण, परीक्षण और प्रमाणीकरन के प्रावधान व्यक्त करती हैं। कण्डिका 919.1 के अनुसार, विभाग के अधिकृत निरीक्षक द्वारा अंतिम स्वीकृति के बाद ही बियरिंग्स को कार्यस्थल पर ले जाया जाएगा और इस आशय के प्रमाण–पत्र की एक अभिप्रमाणित प्रति साथ रहेगी।

लेखापरीक्षा ने पांच संभागों[13] के 23 पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 से सितंबर 2021 के बीच) कि ठेकेदारों ने पुलों के निर्माण में 2.14 करोड़ क्यूबिक सेंटीमीटर इलास्टोमेरिक बियरिंग का उपयोग किया था और विभाग के अधिकृत निरीक्षक द्वारा इन बियरिंग्स के निरीक्षण, परीक्षण और प्रमाणीकरण के जैसा कि आई.आर.सी. मानदंडों में निर्धारित है, कोई अभिलेखीय साक्ष्य संभागीय अभिलेखों में उपलब्ध नहीं थे। इसप्रकार, उपरोक्त पुल कार्यों में अपरीक्षित बियरिंग्स के उपयोग को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। इन अपरीक्षित बियरिंग्स के लिए ठेकेदारों को ₹ 2.08 करोड़ की राशि का भुगतान किया गया था जैसा कि **परिशिष्ट 3.7** में वर्णित है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि पूर्व में, पुल कार्य के लिए कार्यस्थल पर लाए गए बियरिंग का परीक्षण डी.जी.एस एंड डी के द्वारा किया जाता था, लेकिन आजकल, डी.जी.एस. एंड डी को बंद कर दिया गया है। इसलिए, बियरिंग्स का परीक्षण निर्माता और आपूर्तिकर्ता द्वारा विभागीय अधिकारियों तथा ठेकेदार के प्रतिनिधि की उपस्थिति में आईएस विशिष्टि के अनुसार किया जाता है। परीक्षण के परिणाम मानकों के अनुरूप होने पर ही बियरिंग्स का उपयोग कार्य स्थल पर किया जाता है।

---

12 इलास्टोमेरिक ब्रिज बियरिंग, जिसे पॉट बियरिंग या इलास्टोमेरिक बियरिंग के रूप में भी जाना जाता है, आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला आधुनिक ब्रिज बियरिंग है। इलास्टोमेरिक बियरिंग्स का उद्देश्य एक पुल या अन्य भारी संरचना को इस प्रकार थामना है कि वजन जमीन या नींव के सापेक्ष, क्षैतिज दिशा में थोड़ा स्थानांतरित हो जाय। इस तरह के बियरिंग के बिना, हिलने पर पुल का सपोर्ट जमीनी हलचल अथवा तापीय विस्तार और संकुचन के कारण चटक या टूट सकता है।

13 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि बियरिंग्स आईआरसी स्पेसिफिकेशन के अनुसार प्रमाणित नहीं किये गये थे। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा अधिकृत निरीक्षक द्वारा बियरिंग्स के निरीक्षण, परीक्षण और प्रमाणीकरण के साक्ष्य लेखापरीक्षा को प्रस्तुत नहीं किए गए थे।

3.4.2 एक्सप्लोरेटरी बोरिंग की अपर्याप्त संख्या का कार्यान्वयन

आई.आर.सी.: 78 की कण्डिका 704 के अनुसार, निर्माण के दौरान सब–सरफेस एक्सप्लोरेशन का एक उद्देश्य, गहन जांच के दौरान पाई गई भू–सामग्रियों की विशेषताओं जिनके आधार पर डिजाइन चयनित किया जाता हैं, की पुष्टि करना है और उनकी पुनः पुष्टि या उन्हें विशिष्ट नींव स्थलों की स्थितियों के अनुरुप बनाने हेतु संशोधित करना है। वृहद पुलों के मामले में, मिट्टी की विशेषताओं और मिट्टी की सेफ बियरिंग कैपेसिटी की पुष्टि के लिए प्रस्तावित पुल के प्रत्येक नींव स्थल पर ठेकेदार द्वारा एक्सप्लोरेटोरी बोरिंग करना वांछित है।

लेखापरीक्षा ने पांच संभागों[14] के 16 पुल कार्यों के बीओक्यू में पाया (मार्च 2021 से सितंबर 2021 के मध्य) कि 277 स्थानों (पियर्स और एबटमेंट) पर एक्सप्लोरेटोरी बोरिंग[15] के प्रावधान थे लेकिन ठेकेदारों ने केवल 98 स्थानों पर ही एक्सप्लोरेटोरी बोरिंग किया था जैसा कि **परिशिष्ट 3.8** में वर्णित है। इससे पता चलता है कि ठेकेदारों द्वारा अनुबंध के दायित्वों को पूरा नहीं किया गया था और उस सीमा तक कार्यान्वयन के दौरान सब–सॉयल परीक्षण नहीं किया गया था।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि आईआरसी एसपी 54:(2018) की कण्डिका 5.6.5: (सब–सॉयल परीक्षण) के अनुसार, फ़ीजिबिलिटी स्टेज में, वृहद पुल के लिए नदीतल में प्रत्येक 100 मीटर या उसके अंश पर और एप्रोच में एक स्थान पर सब–सॉयल परीक्षण किया जाना चाहिए। कुछ स्थानों पर, नदी के पुलकार्यों में कार्यस्थल पर उभरी हुई चट्टानें पाई गई थीं। आरओबी के प्रकरण में, स्ट्राटा का प्रकार सामान्यतः अपरिवर्तित रहता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, सक्षम प्राधिकारी द्वारा नींव के स्तर को अंतिम रूप दिया गया और अनुमोदित किया गया था।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि 277 स्थानों पर एक्सप्लोरेटोरी बोरिंग का प्रावधान अन्वेषण के दौरान किया गया था न कि फीज़ेबिलिटी स्टेज पर जैसा कि शासन द्वारा उत्तर दिया गया है। और भी, बीओक्यू में प्रावधानित अनुबंध के दायित्वों की पूर्ति न करने के विषय में उत्तर में कोई उल्लेख नहीं है।

3.4.3 मूल उत्पादकों से स्टील का क्रय न करना

मुख्य अभियंता के परिपत्र (मार्च 2015) के अनुसार, कार्य में उपयोग किये जाने वाले सम्पूर्ण स्टील का क्रय मूल स्टील उत्पादकों या इन्टिग्रेटेड स्टील प्लांट से ही विशिष्टियों के अनुरुप किया जाना चाहिए।

लेखापरीक्षा ने पांच संभागों[16] के 22 पुल कार्यों में जैसा कि **परिशिष्ट 3.9** में वर्णित है, पाया (मार्च 2021 से सितंबर 2021 के बीच) कि इन पुलों के निर्माण में 17,544 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया था और ठेकेदारों को ₹ 98.39 करोड़ की राशि का

14 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।
15 पियर्स और एबटमेंट की जगह पर 100 मिमी व्यास की बोरिंग।
16 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

भुगतान किया गया था। 15 पुलों के प्रकरणों में, स्टील क्रय के बीजक अभिलेखों में उपलब्ध नहीं थे जबकि सात प्रकरणों में उपलब्ध बीजकों से ज्ञात हुआ कि स्टील का क्रय मूल स्टील उत्पादकों या इन्टिग्रेटेड स्टील प्लांट के बजाय स्थानीय विक्रेताओं से किया गया था।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि पुल निर्माण में उपयोग किये जाने वाले स्टील का क्रय मुख्यतः मूल उत्पादकों से किया जाता है जो सीधे लौह अयस्क से स्टील का निर्माण और उत्पादन करते हैं तथा इसके लिए पूरी तरह से स्वचालित व्यवस्था रखते हैं। साथ ही, साइट पर लाये गये स्टील का एनएबीएल से संबद्ध प्रयोगशालाओं द्वारा त्रि–पक्षीय जांच के रूप में पुनः परीक्षण किया जाता है और यदि स्पेसिफिकेशन के अनुरुप पाया जाता है, केवल तभी उपयोग की अनुमति दी जाती है।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि 15 पुल कार्यों हेतु क्रय किये गये स्टील के बीजक उपलब्ध नहीं थे और सात पुल कार्यों के प्रकरणों में लेखापरीक्षा को दिखाये गये बीजकों से पता चला कि ठेकेदारों ने वास्तव में स्थानीय विक्रेताओं से स्टील का क्रय किया था।

3.5 निष्कर्ष

लेखापरीक्षा में विभाग द्वारा आई.आर.सी. के स्पेसिफिकेशन और अनुबंध के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने के दृष्टांत पाये गये। विभाग द्वारा एक मद की दर की विलम्ब से स्वीकृति के कारण ₹ 2.54 करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ। विभाग पुल कार्यों को समय पर पूरा करना सुनिश्चित नहीं कर सका, तथा लेखापरीक्षा ने पाया कि 72 चयनित पुल कार्यों में से केवल नौ कार्य समय पर पूरे किये गये थे और 63 पुल कार्यों में एक माह से 68 माह तक का विलम्ब हुआ था।

3.6 अनुशंसाएं

लेखापरीक्षा अनुशंसा करती है किः

1. विभाग मध्य प्रदेश कार्य विभाग नियमावली एवं ठेका के अनुबंधों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करे।
2. विभाग यह सुनिश्चित करे कि कार्यों के कार्यान्वयन के दौरान पुल कार्यों के लिए आई.आर.सी. स्पेसिफिकेशन का सख्ती से अनुपालन किया जावे।

अध्याय 4
कार्यक्षमता

अध्याय 4

कार्यक्षमता

4.1 प्रस्तावना

मनुष्य के दैनिक जीवन में पुल एक विशेष भूमिका निभाते हैं। वे घाटियों, नदियों, झीलों, चट्टानों और रेलमार्गों के पार उन स्थानों को जोड़ते हैं जो सालभर या साल के किसी विशेष अवधि में दुर्गम होते हैं। पुलों की कार्यक्षमता को उत्कृष्ट तभी कहा जा सकता है जब उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए उन पर पर्याप्त प्रावधान जैसे सेफटी कर्ब, फुटपाथ, प्रकाश, चेतावनीसूचक संकेत, सड़क फर्नीचर, इत्यादि किये गये हों।

4.2 वृहद पुलों की कार्यक्षमता

4.2.1 पहुँच मार्गों का पुल संरचनाओं के साथ–साथ निर्माण नहीं किया गया

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश (अप्रैल 2005) के अनुसार, पुलों की उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए पहुँच मार्गों का निर्माण पुलों निर्माण के साथ–साथ किया जाएगा।

लेखापरीक्षा ने तीन संभागों[1] के छः[2] पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) कि पहुँच मार्गों का निर्माण पुलो कें निर्माण के साथ–साथ नहीं किया गया था। इसके परिणामस्वरूप ₹ 64.30 करोड़ की लागत से तैयार किए गए ये पुल आठ से 41 महीने की अवधि तक जनता के लिए नहीं खोले जा सके तथा उस सीमा तक किया गया व्यय व्यर्थ हुआ। विवरण **परिशिष्ट 4.1** में दिया गया हैं।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि पर्याप्त स्थान की अनुपलब्धता, राजस्व विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण सम्बंधी देरी, स्थानीय बाधायें, कानूनी मुद्दे इत्यादि के कारण पहुँच मार्गों का कार्य पुलों के साथ–साथ पूरा नहीं किया जा सका।

4.2.2 पुलों पर फ़र्निचर की मदों का कार्यान्वयन न किया जाना

प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क तथा पुल कार्यों के लिए जारी दर–अनुसूची के अध्याय 8 – यातायात संकेत, चिह्न एवं सड़क के लिए अन्य सामान में सुरक्षा तथा फर्नीचर सम्बंधी मदों का प्रावधान है। ये सुरक्षा उपाय सड़कों का उपयोग करनेवालों के मार्गदर्शन, आगाह करने और सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। सड़क फर्नीचर में रेट्रो–रिफ्लेक्टिव रोड साइन, थर्मोप्लास्टिक पेवमेंट मार्किंग, क्रैश बैरियर, प्रोटेक्टिव वायर मेश, इत्यादि शामिल हैं। किसी भी सड़क को उपयोग के लिए तब तक उपयुक्त नहीं माना जाना चाहिए, जब तक कि उस पर यातायात के संकेत और रोड मार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था न हो।

लेखापरीक्षा ने चयनित पांच संभागों के 16 पुल कार्यों[3] में से सात पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) कि, हालांकि प्राक्कलन में सड़क फर्नीचर और

---

1 भोपाल, रीवा, एवं उज्जैन।

2 पुल संभाग भोपाल का अनुबंध क्रमांक 111/2012–13 एवं 104/2017–18, पुल संभाग, रीवा का अनुबंध क्रमांक 24/2015–16 एवं 17/2015–16, पुल संभाग, उज्जैन का अनुबंध क्रमांक 22/2013–14 एवं 13/2013–14

3 13 पुल के कार्य पूर्ण हो चुके थें तथा तीन पुल के कार्य जारी थे।

सुरक्षा की मदें प्रावधानित की गई थीं, उन्हें कार्यान्वित नहीं किया गया था। शेष नौ पुल कार्यों में ऐसी मदों के प्रावधान न तो प्राक्कलन में किये गये थे और न ही इन्हें ठेकेदारों द्वारा कार्यान्वित किया गया था। इन 16 पुल कार्यों पर ₹ 175.77 करोड़ का व्यय किया जा चुका था जैसा कि **परिशिष्ट 4.2** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि पुलों के पहुंच मार्ग की लंबाई सामान्यतः कम होती है और मौजूदा सड़कों से जोड़ने के लिए ये सीधे संरेखण में होती हैं। हालांकि, आवश्यक सड़क फर्नीचर प्रावधानित किये जाते हैं।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि उपरोक्त सभी पुल वृहद पुल थे, इसलिए उन पर फर्नीचर की मदों को कार्यान्वित/ स्थापित किया जाना चाहिए था।

4.2.3 फुटपाथ का प्रावधान न करना

आई.आर.सी.: 5 (1998) की कण्डिका 112.5 के अनुसार, प्रावधानित फुटपाथ की चौड़ाई 1.5 मीटर से कम नहीं होनी चाहिए। शहरी और जनसंख्या बहुल क्षेत्रों में जहां पदयात्री अधिक हों, फुटपाथ की चौड़ाई आवश्यकतानुसार बढ़ाई जाएगी। आगे, कण्डिका 112.1 (i) के अनुसार, गैर–शहरी क्षेत्र में 60 मीटर से अधिक लंबाई के दो लेनवाले पुलों के लिए 7.5 मीटर चौड़े कैरिजवे के साथ ही जहां कहीं भी आवश्यक हो, दोनों तरफ न्यूनतम 1.5 मीटर चौड़े फुटपाथ का प्रावधान किया जावेगा।

अवलीघाट से सलकनपुर रोड, सीहोर में बिना फुटपाथ का हाई लेवल पुल
(स्रोतः लेखापरीक्षा दल द्वारा 06.07.2021 को ली गई तस्वीर)

लेखापरीक्षा ने तीन संभागों[4] के छः[5] पुल कार्यों जिन पर ₹ 81.73 करोड़ का व्यय किया जा चुका था, में पाया (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) कि फुटपाथ के निर्माण

[4] भोपाल, इंदौर और उज्जैन, (एक रेलवे ओव्हर ब्रिज, दो हाई लेवल पुल और तीन सबमर्सिबल पुलः चार पुलों का कार्य पूर्ण हो चुका था और दो पुल का कार्य जारी था।

[5] शहरी क्षेत्र/नगरीय हिस्सों में बने चार पुल, आदिवासी क्षेत्र में बना एक पुल, 15 गांवों को जोड़ने वाले 40 हजार लोगों के फुटफॉल और एक पुल शहरी क्षेत्र में नहीं परन्तु सलकनपुर मंदिर के कारण धार्मिक महत्व का है।

के लिए उपयुक्त होने के बावजूद उन्हें न तो इन कार्यों के प्राक्कलनों में प्रावधानित किया गया था और न ही कार्यान्वित किया गया था। विवरण **परिशिष्ट 4.3** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि शहरी क्षेत्रों में जगह की कमी के कारण पुलों पर फुटपाथ उपलब्ध नहीं कराया जा सका और चूंकि नदी के पुल शहरी क्षेत्रों में नहीं होने के कारण फुटपाथ की आवश्यकता नहीं थी।

उपरोक्त छह पुलों के डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट में फुटपाथ का प्रावधान न करने के कारणों का उल्लेख नहीं था। अतः, पदयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये आई.आर.सी.: 5 (1998) की कण्डिका 112 के प्रावधानों के अनुसार फुटपाथ का प्रावधान किया जाना चाहिए था।

4.2.4 अपर्याप्त चौड़ाई के सेफ्टी कर्ब का निर्माण

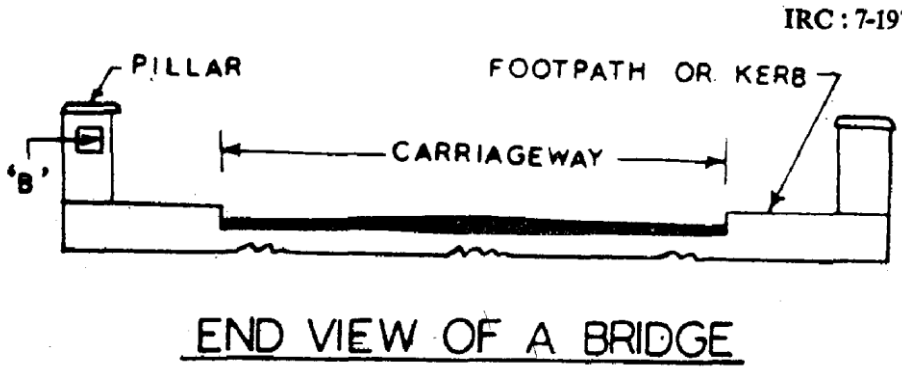

भारतीय सड़क इंडियन रोड कांग्रेस के अनुसार एक पुल का अंतिम दृश्य

आई.आर.सी.:5 (1998) की कण्डिका 101.10 के अनुसार, सेफ्टी कर्ब पदयात्रियों के यदाकदा उपयोग के लिए एक रोडवे कर्ब है। आगे, कण्डिका 111.3 में कहा गया है कि सेफ्टी कर्ब की रूपरेखा वही होगी जो रोडवे कर्ब की होगी, सिवाय इसके कि ऊपरी चौड़ाई 0.75 मीटर से कम न हो।

लेखापरीक्षा ने चार संभागा[6] के पांच पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 से अक्टूबर 2021) कि पुलों की चौड़ाई 8.4 मीटर थी, जिसमें से 7.5 मीटर कैरिजवे था और 0.75 मीटर के प्रावधान के विरुद्ध 0.90 मीटर, यानी प्रत्येक तरफ 0.45 मीटर पर कर्ब प्रदान किया गया था।

[6] भोपाल, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

अपर्याप्त चौड़ाई के कब के साथ ऋणमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान रोड (उज्जैन) पर सबमर्सिबल पुल

(स्रोत : लेखापरीक्षा दल द्वारा 25.03.2021 लिया गया चित्र)

कर्ब पर लोहे की रेलिंग लगाये जाने के कारण कर्ब की चौड़ाई और घटकर 0.25 मीटर से 0.30 मीटर तक रह गई। इस प्रकार, कर्ब की प्रभावी चौड़ाई पदयात्रियों के आवागमन के लिए अपर्याप्त और असुरक्षित थी। विवरण **परिशिष्ट 4.4** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि ये पुल दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित हैं जहां पदयात्रियों का आवागमन नगण्य होता है। इसलिए, डिजाइन को तदनुसार अनुमोदित किया गया था।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि जनता की सुरक्षा की अनदेखी नहीं की जा सकती है।

4.2.5 रेलिंग लगाने में अनियमितताएं

आई.आर.सी.: 5 (1998) की कण्डिका 115.2.1 के अनुसार, सबमर्सिबल पुलों की रेलिंग कोलैप्सिबल अथवा रिमूवेबल होगी। कण्डिका 115.2.2 यह निर्धारित करती है कि जहां जलमग्न पुल को बाढ़ के घटते ही यातायात के लिए तुरंत खोलना आवश्यक हो वहॉ कोलैप्सिबल रेलिंग का उपयोग किया जावेगा। आगे, कण्डिका 115.2.3 के अनुसार, जहॉ अल्पावधि के लिए बिना रेलिंग के पुल का उपयोग कर रही ट्रैफिक को कोई खतरा न हो रिमूवेबल रेलिंग लगाया जा सकता है।

लेखापरीक्षा ने भोपाल तथां उज्जैन संभागों के अंतर्गत पूर्ण हो चुके दो सबमर्सिबल पुलों[7] के भौतिक निरीक्षण के दौरान पाया (अक्टूबर 2020 एवं सितम्बर 2021 के बीच) कि विभाग ने उपरोक्त प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए फिक्स्ड टाईप रेलिंग लगाया था। जैसा कि बाढ़ के दौरान फिक्स्ड रेलिंग पानी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर पुल की उपरी संरचना को नुकसान पहुंचा सकती है।

[7] भोपाल संभाग के अंतर्गत सीहोर में सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और उज्जैन संभाग के अंतर्गत उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर ऋणमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान तक।

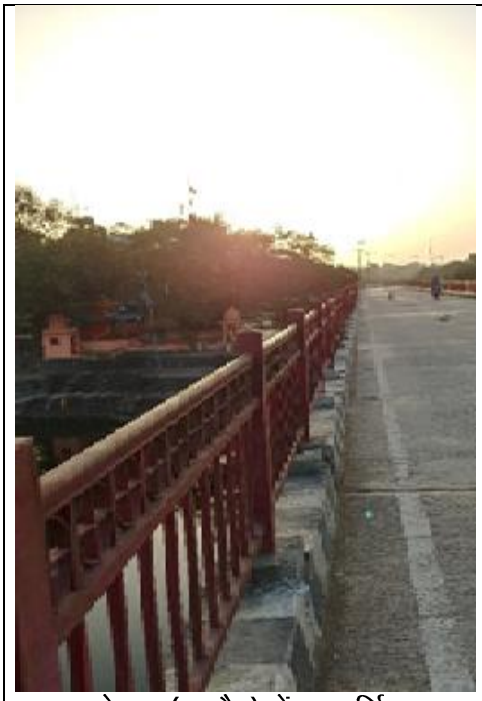

ऋणमुक्तेश्वर (उज्जैन) में सबमर्सिबल पुल पर फिक्स्ड रेलिंग
(तस्वीर 25.03.2021 को ली गई)

सोया–चौपाल रोड (सीहोर) में सबमर्सिबल पुल पर फिक्स्ड रेलिंग
(तस्वीर 28.10.2020 को ली गई)

मोहकमगढ़ चित्रकूट पुल पर रिमूवेबल रेलिंग
(तस्वीर 19.09.2021 को ली गई)

(स्रोतः लेखापरीक्षा दल द्वारा लिया गया चित्र)

आगे, चित्रकूट के पास राजोला–मोहकमगढ़ हनुमान धारा बाईपास रोड पर पैसुनी नदी के सबमर्सिबल पुल पर, कोलैप्सिबल रेलिंग के बजाय, विभाग ने रिमूवेबल रेलिंग लगाया था। यह उल्लेख योग्य है कि उपरोक्त पुल पर अत्यधिक यातायात होने के कारण, बाढ़ के घटते ही रिमूवेबल रेलिंग को आसानी से नहीं लगाया जा सकता, इसलिए पुल को यातायात के लिए तत्काल खोला जाना संभव नहीं होगा। यदि बाढ़ के घटने के तुरंत बाद पुल को यातायात के लिए खोल दिया जाता है, तो भी रेलिंग के बिना जनता की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि उपरोक्त पुल शहरी क्षेत्र में नाले के ऊपर निर्मित हाई सबमर्सिबल पुल हैं जहाँ पानी का प्रवाह पुल के स्तर से काफी नीचे है। इसलिए, फिक्स्ड रेलिंग लगाये गये हैं।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि उपरोक्त पुलों को सबमर्सिबल पुल के रूप में ही डिजाइन किया गया था। इसके अतिरिक्त, आई.आर.सी. : 5 हाई सबमर्सिबल पुलों के संदर्भ में फिक्स्ड रेलिंग के प्रावधान के संबंध में कुछ भी निर्दिष्ट नहीं करती है, इसलिए, या तो कोलैप्सिबल या रिमूवेबल रेलिंग लगाया जाना चाहिए था।

4.2.6 सबमर्सिबल पुल के निर्माण में उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा की अनदेखी

आई.आर.सी. एस.पी.: 82 की कण्डिका 8.3.6 के अनुसार, सभी सबमर्सिबल संरचनाओं और जलमग्न होने की संभावना वाले पहुँच मार्गों पर फ्लड गेज[8] स्थापित किये जाने चाहिए। कण्डिका 8.3.7 सबमर्सिबल संरचनाओं के दोनों ओर दो सूचना/चेतावनी सूचक

[8] खतरे के स्तर के साथ सड़क की सतह/डेक पर पानी की गहराई को इंगित करने के लिए सूचना पट्टिका।

पट्टिकायें[9] लगाने का प्रावधान करती है। आगे, कण्डिका 8.3.8, पहुंच मार्गों के दोनों ओर इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा जारी स्पेसिफिकेशन 99 के अनुरूप चेतावनी संकेतकों के साथ रंबल स्ट्रिप्स[10] लगाये जाने का प्रावधान करती है।

लेखापरीक्षा ने पांच संभागों[11] के 31 सबमर्सिबल पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 और सितंबर 2021 के बीच) कि फ्लड़ गेज, चेतावनी सूचक पट्टिकाएँ और रंबल स्ट्रिप्स की मदें न तो प्राक्कलन में प्रावधानित की गई थीं और न ही इनमें से किसी भी कार्य में कार्यान्वित की गई थीं। विवरण **परिशिष्ट 4.5** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि सबमर्सिबल पुलों पर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, विभाग द्वारा हर साल पुलों के दोनों ओर चेतावनी पट्टिकायें लगाई जाती हैं और साथ ही, गिराये जाने वाले फाटक भी लगाये जाते हैं ताकि बाढ़ के दौरान यातायात को रोका जा सके जिससे जनजीवन के किसी भी संभावित नुकसान से बचा जा सके।

उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि फ्लड गेज, चेतावनी सूचक पट्टिकायें और रंबल स्ट्रिप्स जैसी मदें स्थायी संस्थापन हैं और ये न तो प्राक्कलनों में प्रावधानित की गई थीं और न ही उपर्युक्त किसी भी कार्य में कार्यान्वित की गई थीं।

4.2.7 पुलों और पहुँच मार्गों का विद्युतीकरण न करना

आई.आर.सी.: 5 (1998) के अनुसार, जहां भी आवश्यक हो, ट्रैक्शन वायर सपोर्ट, रोशनी के लिए पोल या खंभे, ट्रेंच या अन्य उपयुक्त स्थानों पर पुलों और उनके पहुँच मार्गों के स्थाईत्व तथा उपयुक्तता को ध्यान में रखते हुए बिजली या टेलीफोन नलिकायें, पानी या गैस पाइप और अन्य समान उपयोगिताओं या सेवाओं की स्थापना के लिए प्रावधान किए जाएंगे। प्रशासनिक स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्तुत किए जाने वाले पुलों निर्माण के सभी प्रस्तावों में उपयुक्त विद्युतीकरण कार्य का प्रावधान शामिल होना चाहिए।

लेखापरीक्षा ने भोपाल एवं उज्जैन संभागों के तीन पूर्ण पुल कार्यों में पाया (मार्च 2021 एवं जून 2021 के बीच) कि विद्युतीकरण कार्य न तो प्राक्कलन में उपलब्ध कराए गए थे और न ही कार्यान्वित किए गए थे। इन तीन पुलों में से एक सबमर्सिबल पुल और दो हाई लेवल पुल थे। विवरण **परिशिष्ट 4.6** में दिया गया है।

उत्तर में, शासन ने कहा (अगस्त 2022) कि समान्यतः, शहरी क्षेत्रों में निर्मित पुलों, विशेषतः आरओबी और नदी पुलों के निर्माण में विद्युतीकरण के प्रावधान किए जाते हैं। चूंकि ये पुल ग्रामीण क्षेत्रों में थे, इसलिए विद्युतीकरण नहीं किया गया था।

4.3 निष्कर्ष

लेखापरीक्षा में पाया गया कि मध्य प्रदेश लोक निर्माण (पुल) विभाग ने पुलों के निर्माण के संबंध में इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा जारी स्पेसिफिकेशन का अनुपालन नहीं किया था जिससे निर्मित पुलों की प्रभावशीलता निम्नानुसार घट गई:

---

9 चेतावनी जैसे धीमा करें, सबमर्सिबल संरचना 200 मीटर आगे, गति सीमा 15 किमी प्रति घंटा, डेड स्लो सबमर्सिबल संरचना 50 मीटर आगे, जब बाढ़ का पानी कैरिजवे से ऊपर चला जाए तो पार न करें, इत्यादि।

10 सबमर्सिबल पुल के 30 मीटर आगे।

11 भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और उज्जैन।

- पहुँच मार्ग और कैरिजवे पुल संरचनाओं के साथ–साथ नहीं बनाये गये थे।
- शहरी क्षेत्रों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर बने पुलों की कार्यक्षमता फुटपाथ का प्रावधान न करने, सेफ्टी कर्ब की अपर्याप्त चौड़ाई तथा बिजली की व्यवस्था न होने के कारण प्रभावित हुई थी।
- सबमर्सिबल पुलों पर आईआरसी स्पेसिफिकेशन का उल्लंघन करते हुए कोलैप्सिबल या रिमूवेबल रेलिंग के बजाय फिक्स रेलिंग लगाया गया था।
- सबमर्सिबल पुल के निर्माण में सड़क/पुल फर्नीचर की मदों और फ्ल्ड गेज, चेतावनी सूचक पट्टिका एवं रंबल स्ट्रिप्स जैसी मदों का प्रावधान न कर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा की अनदेखी की गई थी।

4.4 अनुशंसाएं

लेखापरीक्षा निम्नलिखित अनुशंसाएं करती हैः

1. विभाग उन सभी प्रकरणों की समीक्षा करे जहॉ पहुँच मार्ग पुल की संरचना के साथ–साथ नहीं बनाये गए थे, और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करे।
2. विभाग निरपेक्ष रूप से उन पुलों पर जहॉ पदयात्रियों का अत्यधिक आवागमन संभावित हो फुटपाथ और विद्युतीकरण के प्रावधान पर विचार कर सकता है। उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और बचाव के लिए पुल कार्यों के प्राक्कलनों में सड़क फर्नीचर और अन्य उपकरणों को भी शामिल किया जाना चाहिए।
3. विभाग सबमर्सिबल पुलों पर रिमूवेबल/ कोलैप्सिबल रेलिंग का प्रावधान सुनिश्चित करे। चेतावनी संकेत, पर्याप्त रोड मार्किंग, और फ्ल्ड गेज सूचना पट्टिका का प्रावधान करके सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए, जैसा कि इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा अनुशंसित किया गया है।

भोपाल
दिनांकः 3 अप्रैल 2023

(प्रिया पारिख)
महालेखाकार (लेखापरीक्षा–II)
मध्य प्रदेश

प्रतिहस्ताक्षरित

नई दिल्ली
दिनांकः 10 अप्रैल 2023

(गिरीश चंद्र मुर्मू)
भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक

परिशिष्ट

परिशिष्ट 1.1

लेखापरीक्षा के लिए चयनित पुल कार्य

(संदर्भः कंडिका संख्या 1.6)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	पूर्णता की निर्धारित अवधि (वर्षाकाल सहित/छोड़कर)	लेखापरीक्षा तक ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
1	भोपाल	भोपाल जिले के सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249 ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आर.ओ.बी	22/2016–17	2,149.59	06–07–2016	22 महीने (सहित)	1,967.00
2	भोपाल	आशापुरी खसरोद सलकानी से वर्धमान तक बेतवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	132/2013–14	1,630.46	23–07–2013	24 महीने (छोड़कर)	1,197.00
3	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	हाईलेवल	111/2012–13	3,350.61	15–02–2013	30 महीने (छोड़कर)	4,178.00
4	भोपाल	गुरदिया पंजारा विजय सिंह पुरोहित पिपरिया रोड जिला रायसेन के टेंडोनी नदी पर 4/350 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	06/2018–19	352.52	11–09–2018	08 महीने (छोड़कर)	42.00
5	भोपाल	भोपाल जिले में कड़्या शाह रोड–जमुसर कलां पर बाह नदी पर सबमर्सिबल पुल और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	30/2015–16	911.51	31–12–2015	18 महीने (छोड़कर)	916.35
6	भोपाल	जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड, सी. एच. 3100, 4500 और 5910 मीटर के 03 पुलों का निर्माण	सबमर्सिबल	104/2017–18	498.88	27–04–2017	12 महीने (छोड़कर)	372.14
7	भोपाल	बैतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक नाग नदी पर सबमर्सिबल पुल 6/4 किमी एचएल पुल का निर्माण।	सबमर्सिबल	134/2013–14	280.80	08–08–2013	16 महीने (छोड़कर)	198.49
8	भोपाल	सी.आर.एफ. योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बासौदा आर.ओ.बी. का निर्माण	आर.ओ.बी	03/2015–16	3,883.12	15–10–2015	24 महीने (छोड़कर)	3,386.61
9	भोपाल	बैतूल जिले (एमपी) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	29/2015–16	972.85	23–12–2015	18 महीने (छोड़कर)	961.76
10	भोपाल	भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला सड़क पर किमी 8/4 में चटेहेड़ी के पास नाला और किमी 5/4 में बाह नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	26/2015–16	700.00	23–12–2015	18 महीने (छोड़कर)	655.53
11	भोपाल	रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर टेंडोनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	11/2016–17	537.36	12–05–2016	12 महीने (छोड़कर)	438.55

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	पूर्णता की निर्धारित अवधि (वर्षाकाल सहित/छोड़कर)	लेखापरीक्षा तक ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
12	भोपाल	नेवन नदी पर शुथर से अंडिया रोड तक सबमर्सिबल पुल का निर्माण जिला–विदिशा	सबमर्सिबल	13/2015–16	134.50	05–10–2015	08 महीने (छोड़कर)	101.85
13	इंदौर	बुरहानपुर भुसावल रेलवे खंड पर लाल बाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	आर.ओ.बी	17/2013–14	1,519.07	19–07–2013	24 महीने (सहित)	981.91
14	इंदौर	इंदौर में रतलाम खंडवा खंड में रवोई बाजार, लोहा मंडी गडियाड्डा के पास, एलसी संख्या 250 किमी 494–03–04 रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आर.ओ.बी	02/2015–16	3,278.06	11–05–2015	24 महीने (सहित)	2,175.33
15	इंदौर	माहेश्वर जिला खरगोन में माहेश्वरी नदी पर उच्च सबमर्सिबल पुल का निर्माण	सबमर्सिबल	08/2014–15	629.99	29–01–2015	12महीने (छोड़कर)	575.57
16	इंदौर	खंडवा जिला के कालमुखी रोड पर 13/4 किमी में टेमी नाला के पार सबमर्सिबल पुल का निर्माण।	सबमर्सिबल	25/2013–14	227.70	02–08–2013	12महीने (छोड़कर)	182.49
17	इंदौर	सी.आर.एफ के तहत इंदौर जिला के दार्जिकराड़िया तहसील आवर के निकट गुरान दार्जिकारड़िया तराना रोड पर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	06/2015–16	277.36	18–04–2016	12महीने (छोड़कर)	189.51
18	इंदौर	इंदौर जिले में गाडीअड्डा के पास रतलाम–खंडवा खंड के एलसी संख्या 250 किमी 494/03–04 के स्थान पर रेल ओवर ब्रिज के तीसरे चरण का निर्माण।	आर.ओ.बी	03/2018–19	598.40	09–05–2018	12 महीने (सहित)	372.87
19	इंदौर	धार जिले के खलघाट–मनवर सड़क में मान नदी पर किमी 43/2 उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	हाईलेवल	17/2016–17	572.13	01–02–2017	18 महीने (छोड़कर)	701.51
20	इंदौर	भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	02/2013–14	248.70	16–05–2013	12 महीने (छोड़कर)	184.48
21	इंदौर	खंडवा जिला के ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम तक उच्च स्तरीय पुल का निर्माण ।	हाईलेवल	08/2017–18	1,767.77	06–07–2017	18 महीने (छोड़कर)	1,062.31
22	इंदौर	बड़वानी जिला के बंडारिया–राखीबुजुर्ग रोड पर सुसारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	हाईलेवल	02/2018–19	624.03	09–05–2018	14महीने (छोड़कर)	540.00
23	इंदौर	बुरहानपुर (नाबार्ड) जिला के जैनाबाद गाँव के पास (राजघाट बुरहानपुर) ताप्ती नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	13/2016–17	1,114.47	21–07–2016	18 महीने (छोड़कर)	1,191.86
24	इंदौर	बड़वानी जिला के कलापट–घुड़चल–पिपलियागोई रोड, पर गोई नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	06/2018–19	316.43	08–09–2018	12 महीने (छोड़कर)	137.53

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	पूर्णता की निर्धारित अवधि (वर्षाकाल सहित/छोड़कर)	लेखापरीक्षा तक ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
25	इंदौर	इंदौर जिला में तीन इमली चौराहे पर (रिंग रोड) रोड फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	फ्लाईओवर	23/2012–13	2,861.93	05–10–2012	24 महीने (सहित)	3,035.92
26	इंदौर	खरगोन जिला के खंडवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	हाईलेवल	25/2018–19	850.37	30–01–2018	18 महीने (छोड़कर)	736.09
27	जबलपुर	बालाघाट जिला के जमुंतोला–चकहेती रोड पर डोरिया नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है	सबमर्सिबल	03/2015–16	566.56	15–10–2015	18 महीने (छोड़कर)	464.93
28	जबलपुर	बालाघाट जिला के बहमन गांव–पंगाओब रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	41/2013–14	1,108.47	03–09–2013	21 महीने (छोड़कर)	1,049.26
29	जबलपुर	नरसिंहपुर जिला के छिंदवाड़ा रोड पर इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग नं. 276 रेलवे कि.मी. 904/3–4 के स्थान पर आरओबी का निर्माण नरसिंहपुर	आर.ओ.बी	06/2017–18	1,510.03	16–08–2017	18 महीने (सहित)	1,613.23
30	जबलपुर	नरसिंहपुर जिला (ग्राम रोड) (नाबार्ड) कल्याण पुर चन्दन खेड़ा रोड पर शक्कर नदी पर एच.एल. पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण	हाईलेवल	13/2013–14	636.26	16–09–2013	18 महीने (छोड़कर)	574.29
31	जबलपुर	कटनी जिले में (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह फ्लाई का निर्माण	आर.ओ.बी	08/2018–19	5,467.34	21–12–2018	28 महीने (सहित)	6,327.72
32	जबलपुर	बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैनगंगा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	06/2018–19	1,642.44	13–08–2018	18 महीने (छोड़कर)	1,419.80
33	जबलपुर	डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास रायमाल पुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	12/2015–16	666.84	22–12–2015	18 महीने (छोड़कर)	563.44
34	जबलपुर	मंडला जिले में बिजेगांव–के ओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	06/डी.एल./2013–14	284.54	08–08–2013	12 महीने (छोड़कर)	308.61
35	जबलपुर	मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	02/2018–19	728.87	19–04–2018	14 महीने (छोड़कर)	688.25
36	जबलपुर	जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के पार एप्रोच रोड सहित बॉक्स प्रकार के पुल का निर्माण	सबमर्सिबल	01/डी.एल./2010–2011	105.08	01–04–2010	11 महीने (छोड़कर)	129.22
37	जबलपुर	जिला सिवनी के बखरी–बर्रा–सड़क सिवनी रोड में वैनगंगई–नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क शामिल है।	सबमर्सिबल	34/डी.एल./2013–14	481.43	11–07–2013	18 महीने (छोड़कर)	431.40

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	पूर्णता की निर्धारित अवधि (वर्षाकाल सहित/छोड़कर)	लेखापरीक्षा तक ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
38	जबलपुर	छिंदवाड़ा जिला के चराई कला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	08/2012–13	529.28	14–12–2012	20 महीने (छोड़कर)	629.79
39	जबलपुर	नरसिंहपुर जिले में बर्मन खुर्द–बर्मन करेली रोड पर बर्मन मेला के पास नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	15/डी.एल./2017–18	1,057.91	23–01–2018	18 महीने (छोड़कर)	1,350.58
40	जबलपुर	जबलपुर कटनी खंड पर जबलपुर और अधारताल स्टेशन के बीच एलसी नंबर 319 ए रेलवे कि.मी. 997/3–4 पर आरओबी का निर्माण	आर.ओ.बी	03/2016–17	1,635.48	15–09–2016	18 महीने (सहित)	1,847.96
41	जबलपुर	नरसिंहपुर–केरपानी रोड पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एंड प्रोटेक्शन वर्क (सीआरएफ)	हाईलेवल	07/2016–17	1,993.29	06–07–2016	23 महीने (छोड़कर)	2,323.27
42	रीवा	रीवा शहर के एनएच–7 में किमी 234/6 पर वाराणसी–नागपुर मार्ग पर सिरमौर चौराहा में फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	फ्लाईओवर	23/2012–13	2,246.32	14–01–2013	24 महीने (सहित)	2,032.95
43	रीवा	जिला सिंगरौली के चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) मार्ग पर म्यार नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	24/2015–16	574.31	05–02–2016	18 महीने (छोड़कर)	629.44
44	रीवा	कटनी जिला के बरन महगवां सुतरी खरहाता रोड पर उमरार नदी के पार एप्रोच रोड सहित हाई लेवल ब्रिज का निर्माण	हाईलेवल	17/2015–16	428.54	17–12–2015	24 महीने (छोड़कर)	307.42
45	रीवा	जिला शहडोल के भाटिया–भोगौड़ा रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	06/2010–11	160.63	23–12–2010	21 महीने (सहित)	161.90
46	रीवा	जिला शहडोल के बरकच्छबियोहारी रोड पर झापर नदी के पार एप्रोच रोड को छोड़कर उच्च स्तरीय (बॉक्स प्रकार) पुल का निर्माण	हाईलेवल	24/2016–17	249.45	17–10–2016	12 महीने (छोड़कर)	209.42
47	रीवा	रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना से संबंधित एसएच–09, रीवा–सीधी–शहडोल रोड पर 17250 एम चेनेज पर आरओबी का निर्माण	आर.ओ.बी	02/2017–18	682.24	24–04–2017	18 महीने (छोड़कर)	675.76
48	रीवा	सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	11/2016–17	216.78	31–05–2016	12 महीने (छोड़कर)	221.96
49	रीवा	किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकमगढ़ हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण	हाईलेवल	27/2012–13	548.82	23–03–2013	24 महीने (छोड़कर)	831.98
50	रीवा	जिला सतना के नौगांव सतना–रीवा रोड, पर सेमरिया चौक पर फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	फ्लाईओवर	23/2015–16	3,691.35	18–01–2016	28 महीने (सहित)	5,067.69
51	रीवा	जिला शहडोल केलेदरा– खैरी (ब्रेली खैरवाना– खैरी रोड 5/10 किमी) रोड पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य	हाईलेवल	01/2011–12	208.67	02–02–2011	16 महीने (सहित)	93.48

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	पूर्णता की निर्धारित अवधि (वर्षाकाल सहित/छोड़कर)	लेखापरीक्षा तक ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
52	रीवा	जिला शहडोल के लेदरा– खैरी (ब्रेली खैरवाना– खैरी रोड 5/10 किमी) रोड पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (बैलेंस) कार्य	हाईलेवल	14/2014–15	227.93	29–10–2014	12 महीने (छोड़कर)	282.30
53	रीवा	जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट पर सोन नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	24/2012–13	1,148.44	16–01–2013	24 महीने (सहित)	1,049.26
54	रीवा	गोधर, रीवा में नई रेलवे लाइन पर रेलवे स्टेशन रीवा के पास वाराणसी–नागपुर रोड (एनएच 7) पर रीवा–सीधी के पार 890 मीटर, आरओबी का निर्माण	आर.ओ.बी	01/2018–19	3,401.35	04–05–2018	28 महीने (सहित)	2,514.24
55	रीवा	जिला शहडोल के कि.मी. 14/6–8 झिंक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	04/2010–11	159.86	23–12–2010	16 महीने (सहित)	158.57
56	रीवा	रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर सेमरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	01/2020–21	142.65	17–07–2020	08 महीने (छोड़कर)	14.65
57	रीवा	रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर सेमरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (बैलेंस वर्क)	हाईलेवल	10/2016–17	364.66	19–05–2016	12 महीने (छोड़कर)	217.56
58	रीवा	रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएचनंबर 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहामें 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाईओवर का निर्माण	फ्लाईओवर	22/2018–19	4,350.25	19–12–2018	24 महीने (सहित)	4,234.32
59	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 एलसी नंबर 29 ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	आर.ओ.बी	15/2013–14	1,777.95	25–09–2013	20 महीने (छोड़कर)	2,697.08
60	उज्जैन	जिला उज्जैन के नागदा–उज्जैन खंड के एल.सी. नंबर 25 (किमी. 51/22–24) और बड़ नगर रोड पर फतेहाबाद का रेल खंड उज्जैन के एल.सी. नंबर 8 एम.जी. पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आर.ओ.बी	28/2013–14	1,928.96	27–01–2014	20 महीने (छोड़कर)	3,490.50
61	उज्जैन	जिला उज्जैन के विक्रांत भैरव मंदिर से ओखलेश्वर घाट तक क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	01/2015–16	1,103.93	04–05–2015	10 महीने (सहित)	946.35
62	उज्जैन	देवास जिला के एलसी नंबर 30 देवास बरलाई रेल खंड किमी 42/17–19 मेंडकी फाटक के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आर.ओ.बी	18/2018–19	1,615.32	23–04–2018	22 महीने (सहित)	1,331.94
63	उज्जैन	जिला उज्जैन के बिरला ग्राम नयन–भीकम पुर रोड, पर चंबल नदी	हाईलेवल	17/2018–19	1,146.27	23–04–2018	18 महीने	396.21

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	पूर्णता की निर्धारित अवधि (वर्षाकाल सहित/छोड़कर)	लेखापरीक्षा तक ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
		पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।					(छोड़कर)	
64	उज्जैन	जिला–रतलाम में किमी 5/2–8 आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सड़क पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	15/2015–16	1,289.30	05–11–2015	24 महीने (छोड़कर)	1,531.65
65	उज्जैन	राजगढ़ जिले के किमी 8/10 मेंराजगढ़ काली पीठ मार्ग पर अजनार नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	13/2016–17	389.07	21–11–2016	12 महीने (छोड़कर)	290.91
66	उज्जैन	जिला शाजापुर के बोल्डा हरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	22/2013–14	505.63	25–09–2013	20 महीने (छोड़कर)	451.56
67	उज्जैन	ऋणमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड (सिंहस्थ 2016) पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	10/2013–14	936.12	22–07–2013	20 महीने (छोड़कर)	1,373.33
68	उज्जैन	रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	21/2013–14	804.15	25–09–2013	24 महीने (छोड़कर)	845.89
69	उज्जैन	बेरचा–सुनदर्शी–अकोदिया सड़क के किमी 12/10 में एप्रोच रोड सहित काली सिंध नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	09/2016–17	594.50	24–06–2016	18 महीने (छोड़कर)	291.27
70	उज्जैन	जावरा शहर जिला रतलाम में एल.सी. नंबर 177 (रतलाम चंदेरिया रेल खंडकिमी 341/6–7) के स्थान पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण	आर.ओ.बी	10/2016–17 34/2018–19	1,358.06	08–07–2016	24 महीने (सहित)	758.77
71	उज्जैन	जिला देवास में कमलापुर समांगी रोड पर काली सिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	13/2013–14	425.84	12–08–2013	20 महीने (छोड़कर)	491.88
72	उज्जैन	जिला देवास के बरदा–कांकारिया रोड पर बरदा गांव के पास जामनेर नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	29/2018–19	358.70	06–09–2018	12 महीने (छोड़कर)	215.52
कुल					**81,738.48**			

परिशिष्ट 2.1

उन कार्यों का विवरण जिनमें भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले कार्य सौंपा गया

(संदर्भः कंडिका संख्या 2.2.3)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
1	उज्जैन	जिला रतलाम जावरा में (10/2016–17 34/2018–19) एल.सी. संख्या 177 (रतलाम–चंदरिया रेल खंड किमी 341/6–7) के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	1,358.06	08–07–2016 28–09–2018	08–07–2018 27–09–2020	जारी	17	33	33	अत्यधिक आबादी वाला क्षेत्र। आर.ओ.डब्लू में पड़ी कई पक्की संरचनाएं, पुल का कुछ हिस्सा रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। रेलवे से जमीन प्राप्त करना बहुत मुश्किल था, फिर से कुछ हिस्सा पुल राजस्व के अंतर्गत आता है।	93.98
2		जिला उज्जैन के बिरला ग्राम नयन–भीकमपुर रोड, पर चंबल नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (17/2018–19)	1146.27	23–04–2018	22–02–2020	जारी	22	33	13	प्रक्रिया जिसमें राजस्व विभाग से भूमि–अधिकरण के लिए समय लगता है। राजस्व न्यायालय को एलए के प्रत्येक मामले को अलग–अलग समय देना होता है, जिसमें समय लगता है	396.21
3		जिला राजगढ़ के किमी 8/10 में राजगढ़ काली पीठ रोड पर अजनार नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण (13/2016–17)	389.07	21–11–2016	20–03–2018	जारी	52	52	36	प्रक्रिया जिसमें राजस्व विभाग से भूमि–अधिकरण के लिए समय लगता है। राजस्व न्यायालय को एलए के प्रत्येक मामले को अलग–अलग समय देना होता है, जिसमें समय	290.91

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
										लगता है	
4		जिला शाजापुर बोल्डा हरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण (22/2013–14)	505.63	25–09–2013	15–02–2016	31–12–2018	30	30	34	प्रक्रिया जिसमें राजस्व विभाग से भूमि–अधिकरण के लिए समय लगता है। राजस्व न्यायालय को एलए के प्रत्येक मामले को अलग–अलग समय देना होता है, जिसमें समय लगता है	451.56
5		रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (21/2013–14)	804.15	25–09–2013	22–05–2016	22–08–2017	6	6	15	प्रक्रिया जिसमें राजस्व विभाग से भूमि–अधिकरण के लिए समय लगता है। राजस्व न्यायालय को एलए के प्रत्येक मामले को अलग–अलग समय देना होता है, जिसमें समय लगता है	845.89
6		जिला देवास में कमलापुर समांगी रोड पर कालीसिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (13/2013–14)	509.22	12–08–2013	15–03–2016	31–12–2016	32	32	10	एप्रोच रोड के निर्माण के लिए भूमि का अधिग्रहण नहीं किया गया, जबकि पुल बन कर तैयार हो गया था।	491.88
7	भोपाल	भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला सड़क पर किमी 8/4 में चटेहेड़ी के पास नाला और किमी 5/4 में बाह नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का	700	08–12–2015	08–02–2018	02–12–2018	21	21	10	भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को प्रारम्भ करनें में देरी	655.53

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
		निर्माण (26/2015–16)									
8		जिला सीहोर के सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवली घाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एवं सुरक्षा कार्य। (111/2012–13)	3,351	15–02–2013	15–12–2016	जारी	13	13	51	एप्रोच रोड के लिए बाधा मुक्त भूमि अधिग्रहन में विलम्ब	4,178.00
9		बैतूल जिले (म.प्र.) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (29/2015–16)	972.85	08–12–2015	08–02–2018	जारी	52	52	38	भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को प्रारम्भ करनें में देरी	961.76
10		जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड पर 03 पुलों का निर्माण, सीएच. 3100, 4500 और 5910 मीटर (104/2017–18)	498.88	27–04–2017	27–12–2018	जारी	47	47	27	एक तरफ का एप्रोच रोड एक मंदिर के परिसर से होकर गुजर रहा है	372.14
11		बैतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक 6/4 किमी नाग नदी एचएल पुल (134/2013–14) सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	280.8	08–08–2013	15–05–2015	31–12–2017	11	11	32	प्रारंभ में वन मंजूरी की आवश्यकता है और बाद में 04–07–2014 को यह पाया गया कि उक्त पुल एक राजस्व भूमि थी	198.49

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
12	इंदौर	बुरहानपुर भुसावल रेलवे सेक्शन पर लाल बाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण (17/2013–14)	1519.07	19–07–2013	19–07–2015	जारी	27	92	68	भूमि अधिग्रहण का विवाद	981.91
13		इंदौर में रतलाम खंडवा खंड पर गड़ियाडा, के पास रावई बाजार, लोहा मंडी पर आरओबी एलसीनंबर 250 किमी 494–03–04 का निर्माण (02/2015–16)	3278.06	05–11–2015	05–10–2017	15–10–2018	10	10	12	भूमि अधिग्रहण का विवाद	2,175.34
14		जिला खरगोन में खंडवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (25/2018–19)	850.37	30–01–2018	29–03–2020	13–06–2021	8	17	14	भूमि अधिग्रहण प्रस्ताव प्रस्तुत करने में विलम्ब।	736
15		धार जिले के खलघाट–मनवर सड़क किमी 43/2 में मान नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण। (17/2016–17)	572.13	01–02–2017	31–10–2018	31–08–2020	2	19	22	कई मकानों और अतिक्रमण को तोड़ना पड़ा/मार्गों में स्थानांतरित किया गया और घरों में रहने वाली जनता अपने घरों को खाली नहीं करना चाहती थी।	701.51
16	जबलपुर	जिला बालाघाट के बहमन गांव–पंगाओं रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण (41/2013–14)	1,108.47	03–09–2013	14–03–2016	31–12–2016	12	51	10	भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव देर से जमा करना।	1,049.26

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
17		जिला नरसिंहपुर (ग्राम सड़क) (नाबार्ड) (13/2013–14) कल्याणपुर चन्दन खेड़ा रोड पर शक्कर नदी एचएल पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण	636.26	16–09–2013	15–12–2015	15–02–2017	21	32	14	भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव देर से जमा करना।	574.29
18		बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैनगंगा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (06/2018–19)	1642.44	13–08–2018	15–12–2020	10–06–2021	6	14	6	भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव देर से जमा करना।	1,419.80
19		जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के पार एप्रोच रोड सहित बॉक्स प्रकार के पुल का निर्माण (01/2010–11)	105.08	01–04–2010	31–10–2011	10–06–2017	9	24	67	भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव देर से जमा करना।	129.22
20		जिला सिवनी के बखरी–बर्रा–सड़क सिवनी रोड में वैनगंगई–नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क (34/2013–14) शामिल हैं।	481.43	11–07–2013	15–12–2015	30–07–2017	26	38	19	भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव देर से जमा करना।	431.4

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
21		जिला छिंदवाड़ा के चराई कला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (08/2012–13)	529.28	14–12–2012	13–04–2015	30–12–2018	3	45	44	विभाग ने भूमि अधिग्रहण के लिए आवश्यक राशि का भुगतान करने में 42 महीने का समय लिया। यहां यह देखा जा सकता है कि अनुसूची के अनुसार, पुलको 13–04–2015 तक पूरा किया जाना था, और विभाग ने 29–09–2016 को भूमि अधिग्रहण के लिए अंतिम राशि का भुगतान किया।	629.79
22	रीवा	जिला सिंगरौली (24/2015–16) चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) सड़क पर म्यार नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल पुल का निर्माण	574.31	05–02–2016	05–08–2018	जारी	20	65	32	किसानों से भूमि अधिग्रहण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने में देरी	629.44
23		जिला कटनी में बारांमहागवां सुतारी खराहटा रोड पर उमरार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण(17/2015–16)	428.54	17–12–2015	16–12–2018	जारी	13	51	27	किसानों से भूमि अधिग्रहण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने में देरी	307.42
24		शहडोल जिला के बरकछ बियोहारी रोड , पर झापर नदी के पार एप्रोच रोड को छोड़कर उच्च स्तरीय (बॉक्स प्रकार) पुल का	249.45	17–10–2016	16–02–2018	जारी	26	52	37	किसानों से भूमि अधिग्रहण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने में देरी	209.42

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	भूमि अधिग्रहण शुरू करने में देरी (महीनों में)	भूमि अधिग्रहण में देरी (महीनों में)	लेखापरीक्षा तक महीनों में विलम्ब	भूमि अधिग्रहण में देरी का कारण	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)
		निर्माण (24/2016–17)									
25		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएचनंबर 7 (एमडीआर नंबर10– 20) सीआरएफ 22/2018–19 के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाई ओवर का निर्माण	4350.25	19–12–2018	18–12–2020	31–03–2021	5	5	3	किसानों से भूमि अधिग्रहण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने में देरी	4,234.32
		कुल									**23,145.47**

परिशिष्ट 2.2

पुल कार्यों के कार्यान्वयन के दौरान ड्राइंग एवं डिजाइन में बड़े बदलाव वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 2.3.1)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	मूल टीएस (₹ लाख में)	संशोधित टीएस (₹ लाख में)	लागत में वृद्धि का प्रतिशत	अतिरिक्त लागत (₹ लाख में)
1	भोपाल	जिला सीहोर के सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवली घाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एवं सुरक्षा कार्य	111/2012–13	2248.73	2248.73	3134.82	39	886.09
2	इंदौर	खंडवा जिला के ओंकारेश्वर में बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम के बीच नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	08/2017–18	1623.45	1767.77	4189.58	137	2421.81
3	जबलपुर	जिला नरसिंहपुर में नरसिंहपुर छिंदवाड़ा रोड पर किमी 904/3–4 इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच रेलवे क्रॉसिंग सं. 276 के स्थान पर आरओबी का निर्माण	06/2017–18	1,591.18	1591.18	1,911.85	20	320.67
4	जबलपुर	जिला छिंदवाड़ा के चराई कला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	08/2012–13	423.8	425.11	536.55	26	111.44
5	जबलपुर	जबलपुर कटनी खंड पर जबलपुर और अधारताल स्टेशन के बीच रेलवे किमी 997/3–4 पर एलसी नंबर 319 ए के पार आरओबी का निर्माण ।	03/2016–17	1770.11	1770.11	2179.32	23	409.21
6	जबलपुर	नरसिंहपुर–केरपानी रोड पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एंड प्रोटेक्शन वर्क (सीआरएफ)	07/2016–17	1739.3	1769.76	2210.10	25	440.34
7	रीवा	जिला सतना के नौगांव सतना–रीवा रोड, पर सेमरिया चौक पर फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23/2015–16	3,765.53	3,765.53	5,657.75	50	1892.22
8	रीवा	जिला शहडोल के लेदरा– खैरी (ब्रेली खैरवाना– खैरीरोड 5/10 किमी) रोड, पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	01/2011–12 और 14/2014–15	224.13	224.13	236.34	5	12.21
9	रीवा	रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएच नंबर 7 के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाई ओवर का निर्माण	22/2018–19	3733.3	4350.25	5357.95	23	1007.7
10	रीवा	किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकाम ग्रह हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	27/2012–13	446.56	446.56	675.94	51	229.38
11	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर– 5 रोड पर एलसी नंबर 29 ए उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	15/2013–14	1506.74	1506.7	2470.26	64	963.56
12	उज्जैन	उज्जैन जिला के नागदा–उज्जैन खंड पर रेलवे एल.सी. नंबर 25 (किमी 51/22–24) और एल.सी. नंबर 8 एम.जी बड़नगर में फतेहाबाद का रेल खंड पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	28/2013–14	1622.34	1622.34	3110.86	92	1488.52
		कुल		**20,695.17**	**21,488.17**	**31,671.32**		**10,183.15**

परिशिष्ट 2.3

डीपीआर को तैयार करने से पहले अपर्याप्त सब–सॉयल परीक्षण वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 2.3.2)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	प्राक्कलन/डीपीआर तैयार करने के लिए आवश्यक न्यूनतम बोर की संख्या	किए गए बोरों की संख्या	बोरों की कम संख्या
1	उज्जैन	जिला उज्जैन के क्षिप्रा नदी पर विक्रांत भैरव मंदिर को ओखलेश्वर घाट से जोड़ने वाली सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/2015–16	12	4	8
2		ऋणमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	10/2013–14	7	3	4
3	भोपाल	भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला सड़क पर किमी 8/4 में चटेहेड़ी के पास नाले के पार और किमी 5/4 में बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	26/2015–16	11	1	10
4		रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर तेंदूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	11/2016–17	7	2	5
5		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोड़ा आरओबी का निर्माण	03/2015–16	14	3	11
6		बैतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक 6/4 किमी नाग नदी एचएल पुल पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	134/2013–14	6	0	6
7		जिला विदिशा के नेवान नदी पर शुथर से अंडिया रोड तक सबमर्सिबल पुल का निर्माण	13/2015–16	3	0	3
8		भोपाल में जमुसर कलां–कद्या शाज रोड पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	30/2015–16	13	0	13
9		सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	111/2012–13	17	0	17
10	इंदौर	बुरहानपुर भुसावल रेलवे खंड पर लालबाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	17/2013–14	38	2	36
11		इंदौर के गड़ियाड्डा, लोहा मंडी के पास रावई बाजार के रतलाम खंडवा खंड पर आरओबी एलसी नंबर 250 किमी 494–03–04 का निर्माण,	02/2015–16	21	0	21
12		जिला खरगोन के महेश्वर में माहेश्वरी नदी पर उच्च सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	08/2014–15	12	2	10
13		जिला इंदौर के बेटमा–कलमेर रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का	16/2015–16	10	2	8

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	प्राक्कलन/डीपीआर तैयार करने के लिए आवश्यक न्यूनतम बोर की संख्या	किए गए बोरों की संख्या	बोरों की कम संख्या
		निर्माण				
14		जिला इंदौर के तीन इमली चौराहा (रिंग रोड) में रोड फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23/2012–13	22	1	21
15		जिला खरगोन के खंडवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	25/2018–19	14	2	12
16		सी.आर.एफ के तहत इंदौर के दार्जिकराड़िया तहसील अश्वर जिला के निकट गुरान दार्जिकारड़िया तराना रोड पर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	06/2015–16	6	0	6
17		इंदौर में गाडीअड्डा के पासरतलाम–खंडवा सेक्शन के एलसी नंबर 250 किमी 494/03/–04 के स्थान पर रेल ओवरब्रिज के तीसरे चरण का निर्माण।	03/2018–19	6	0	6
18		धार के खलघाट–मनवर मार्ग पर मान नदी पर किमी 43/2 में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	17/2016–17	11	0	11
19		भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	02/2013–14	6	0	6
20		खंडवा जिला के ओंकारेश्वर, में बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम के बीच नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	08/2017–18	38	2	36
21		बड़वानी जिला के बंडारिया–राखी बुजुर्ग रोड पर सुसारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	02/2018–19	9	0	9
22		जिला बुरहानपुर (नाबार्ड) के जैनाबाद गांव (राजघाट बुरहानपुर) के पास ताप्ती नदी पर सबमर्सिबल पुलों का निर्माण	13/2016–17	18	3	15
23	जबलपुर	जिला बालाघाटी के बहमनगांव–पनगाओं रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	41/2013–14	15	6	9
24		जिला बालाघाट के जमुंतोला–चकहेती रोड पर डोरिया नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है	03/2015–16	12	0	12
25		जिला नरसिंहपुर के इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच नरसिंहपुर छिंदवाड़ा रोड, में रेलवे क्रॉसिंग सं. 276 रेलवे किमी 904/3–4 के स्थान पर आरओबी का निर्माण	06/2017–18	14	1	13
26		जिला नरसिंहपुर (ग्राम सड़क) (नाबार्ड) के कल्याणपुर चन्दन खेड़ा रोड पर शकर नदी पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण	13/2013–14	10	2	8
27		कटनी जिले के (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) में जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह	08/2018–19	44	6	38

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	प्राक्कलन/डीपीआर तैयार करने के लिए आवश्यक न्यूनतम बोर की संख्या	किए गए बोरों की संख्या	बोरों की कम संख्या
		फ्लाई का निर्माण				
28		बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैन गंगा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	06/2018–19	17	4	13
29		डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास राय मालपुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	12/डीएल/2015–16	16	7	9
30		मंडला जिले में बिजे गांव–के ओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/डीएल/2013–14	11	0	11
31		मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	41/एसएसी/2018–19	20	0	20
32		जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के उस पार एप्रोच रोड सहित बॉक्स के प्रकार के सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/डीएल/2010–2011	6	0	6
33		चराईकला–दरबाई रोड जिला छिंदवाड़ा पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	08/2012–13	5	0	5
34		नरसिंहपुर जिले में बर्मन खुर्द–बर्मन करेली रोड पर बर्मन मेला स्थल के पास नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	15/डीएल/2017–18	20	0	20
35		जबलपुर कटनी खंड पर जबलपुर और अधार ताल स्टेशन के बीच रेलवे किमी नंबर 997/3–4 पर एलसी नंबर 319 ए के पार आरओबी का निर्माण	03/डीएल/2016–17	23	0	23
36		नरसिंहपुर–केरपानी रोड आई/सी एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क (सीआरएफ) पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	07/डीएल/2016–17	16	4	12
37	रीवा	रीवा शहर एनएच–7 में किमी 234/6 पर वाराणसी–नागपुर मार्ग पर सिरमौर चौराहा रीवा में फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23/2012–13	13	2	11
38		सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	8	2	6
39		किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकमगढ़ हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण	27/2012–13	12	0	12
40		जिला सतना के नौगांव सतना–रीवा रोड पर सेमरिया चौक पर फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23/2015–16	38	5	33
41		जिला शहडोल के लेदरा– खैरी (ब्रेली खैरवाना– खैरीरोड 5/10किमी) रोड, पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण ,(संतुलन) कार्य	14/2014–15	10	4	6
42		जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24/2012–13	8	4	4

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	प्राक्कलन/डीपीआर तैयार करने के लिए आवश्यक न्यूनतम बोर की संख्या	किए गए बोरों की संख्या	बोरों की कम संख्या
43		जिला शहडोल के किमी 14/6–8 झिंक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	04/2010–11	11	4	7
44		रीवा जिले के किमी 6/4 में सिरमौर सेमरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (बैलेंस वर्क)	01/2020–21	16	2	14
45		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएच नंबर 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहामें 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाई ओवर का निर्माण	22/2018–19	50	2	48
		कुल		**696**	**82**	**614**

परिशिष्ट 2.4

स्वीकृत डिजाइन और ड्राइंग के बिना पहुँच मार्ग वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 2.3.3)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल के प्रकार	सड़क के प्रकार	अनुबंध संख्या	ठेकेदार को अद्यतन भुगतान (₹ लाख में)	पूर्ण कर लिया गया है या जारी है	टीसी दिनांक 09/07/12 के अनुसार क्रॉस सेक्शन का प्रावधान	क्रॉस सेक्शन के कार्यान्वयन का विवरण	एप्रोच रोड के लिए भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
1	उज्जैन	जिला उज्जैन के क्षिप्रा नदी पर विक्रांत भैरव मंदिर को ओखलेश्वर घाट से जोड़ने वाले सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	एसआर/एमडीआर	01/2015–16	946.35	पूर्ण	300 मिमी जीएसबी, 100 मिमी डीएलसी और 300 मिमी एम–40 और एप्रोच रोड की शेष लंबाई में 300 मिमी जीएसबी, 225 मिमी डब्ल्यू एमएम, 50 मिमी बीएम और 25 मिमी एसडीबीसी के साथ बीटी रोड	सीआरएम 250 मिमी, डीएलसी 100 मिमी और सीसी फुटपाथ एम–40 300 मिमी एप्रोच रोड की पूरी लंबाई में	82.56
2		जिला–रतलाम के आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सड़क पर किमी 5/2–8 आई/सी एप्रोच पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	एसआर/एमडीआर	15/2015–16	1,531.65	पूर्ण	300 मिमी जीएसबी , 225 मिमी डब्लूएमएम , 50 मिमी बीएम और 25 मिमी एसडीबीसी।	सीआरएम 250 मिमी, 100 मिमी का डीएलसी और 300 मिमी का कठोर फुटपाथ	133.49
3		बेरचा–सुनदर्शी–अकोदिया सड़क के किमी 12/10 में एप्रोच रोड सहित कालीसिंध नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	एसआर/एमडीआर	09/2016–17	291.27	जारी	200 मिमी जीएसबी, 100 मिमी डीएलसी और 300 मिमी एम–30 और एप्रोच रोड की शेष लंबाई में 200 मिमी जीएसबी, जी 2 150 मिमी, 75 मिमी जी 3 और 20 मिमी) ओजीपीसी के साथ बीटी रोड	सीआरएम 250 मिमी, डीएलसी 100 मिमी और सीसी फुटपाथ एम–40 300 मिमी एप्रोच रोड की पूरी लंबाई में	144.94
4		ऋणमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	सबमर्सिबल	एसआर/एमडीआर	10/2013–14	1,373.33	पूर्ण	300 मिमी जीएसबी, 100 मिमी डीएलसी और 300 मिमी एम–40 और एप्रोच रोड की शेष लंबाई में 300	जीएसबी 200 मिमी, डीएलसी 100 मिमी, 300 मिमी में सीसी एम–30	276.41

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल के प्रकार	सड़क के प्रकार	अनुबंध संख्या	ठेकेदार को अद्यतन भुगतान (₹ लाख में)	पूर्ण कर लिया गया है या जारी है	टीसी दिनांक 09/07/12 के अनुसार क्रॉस सेक्शन का प्रावधान	क्रॉस सेक्शन के कार्यान्वयन का विवरण	एप्रोच रोड के लिए भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
								मिमी जीएसबी, 225 मिमी डब्ल्यू एमएम, 50 मिमी बी. एम और 25 मिमी एसडीबीसी के साथ बीटी रोड		
5	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	हाईलेवल	वीआर/ओडीआर	111/2012–13	4,178.00	जारी	जीएसबी 200 मिमी, जी–II और III 225 मिमी, ओजीपीसी 20 मिमी, सीलकोट	सीआरएम 180 मिमी, डब्ल्यूएमएम 225 मिमी और बीएम 50 मिमी, और बीसी 30 मिमी	105.91
6		रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर तेंदूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	वीआर/ओडीआर	11/2016–17	438.55	पूर्ण	300 मिमी जीएसबी, 100 मिमी डीएलसी और 300 मिमी एम–40 और एप्रोच रोड की शेष लंबाई में 300 मिमी जीएसबी, 225 मिमी डब्ल्यू एमएम, 50 मिमी बीएम और 25 मिमी एसडीबीसी के साथ बीटी रोड	सीआरएम 230 मिमी, डीएलसी 100 मिमी और एम–40 सीसी फुटपाथ 250 मिमी	196
7		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोदा आरओबी का निर्माण	आरओबी	एसआर/एमडीआर	03/2015–16	3,386.61	जारी	300 मिमी जीएसबी, 225 मिमी डब्ल्यूएमएम और 50 मिमी बीएम और 25 मिमी एसडीबीसी के साथ बिटुमिनस सड़क	सीआरएम 300 मिमी, डब्ल्यूएमएम 300 मिमी और बीएम 50 मिमी, और बीसी 30 मिमी	82.56
8		बैतूल जिले (एमपी) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	वीआर/ओडीआर	29/2015–16	961.76	जारी	200 मिमी जीएसबी, 225 मिमी (जी 2 एवं जी 3) डब्ल्यूएमएम और 20 मिमी ओजीपीसी और सीलकोट के साथ बिटुमिनस सड़क	सीआरएम 280 मिमी, डब्ल्यूएमएम 250 मिमी और डीजीबीएम 60 मिमी, और बीसी 30 मिमी	133.49
9	इंदौर	धार जिले में खलघाट–मनवर सड़क के किमी 43/2 में मान नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	हाईलेवल	एसआर/एमडीआर	17/2016–17	701.51	पूर्ण	जीएसबी–300 मिमी, डब्ल्यूएमएम–225 बीएम–50 मिमी, एसडीबीसी–25	जीएसबी–150 मिमी, डीएलसी–100 मिमी, पीक्यूसी एम–40 300	38.21

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल के प्रकार	सड़क के प्रकार	अनुबंध संख्या	ठेकेदार को अद्यतन भुगतान (₹ लाख में)	पूर्ण कर लिया गया है या जारी है	टीसी दिनांक 09/07/12 के अनुसार क्रॉस सेक्शन का प्रावधान	क्रॉस सेक्शन के कार्यान्वयन का विवरण	एप्रोच रोड के लिए भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
									मिमी	
10	जबलपुर	जिला नरसिंहपुर के इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच नरसिंहपुर छिंदवाड़ा रोड, में रेलवे क्रॉसिंग सं. 276 में रेलवे किमी 904/3–4 के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	हाईलेवल	एसआर/एमडीआर	06/2017–18	1,613.23	जारी	जीएसबी–300 मिमी, डब्ल्यूएमएम–225 बीएम–50 मिमी, एसडीबीसी–25	सीआरएम 250 एमएम, डीएलसी 100 एमएम और एम–40 सीसी फुटपाथ 300 एमएम	22.83
11		जिला बालाघाट के जमुनटोला–चकहेती रोड पर डोरियानाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है	आरओबी	वीआर/ओडीआर	03/2015–16	464.93	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी , डीएलसी 100 मिमी और एम 30 सीसी फुटपाथ 300 मिमी	100 मिमी और एम–30 सीसी फुटपाथ 300 मिमी	25.3
12		जिला बालाघाट के बहमन गांव–पंगाओब रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	वीआर/ओडीआर	41/2013–14	1,049.26	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी, डीएलसी 100 मिमी और एम 30 सीसी फुटपाथ 300 मिमी	जीएसबी 200 मिमी, डीएलसी 100 मिमी और एम–30 सीसी फुटपाथ 300 मिमी	75.78
13		जिला नरसिंहपुर (ग्राम सड़क) कल्याणपुर चन्दन खेड़ा रोड पर शक्कर नदी उच्चस्तरीय पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण (नाबार्ड)	हाईलेवल	वीआर/ओडीआर	13/2013–14	574.29	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी, जी 2 150 मिमी, जी 3 75 मिमी, ओजीपीसी 20 मिमी और प्रीमियम सीलकोट	प्राइम कोट, टैकल कोट, बिटुमिनस मैकेडम 5 मिमी और सेमी डेंस बिटुमिनस कंक्रीट 25 मिमी	11.05
14		कटनी जिले में (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह फ्लाई का निर्माण	आरओबी	एसआर/एमडीआर	08/2018–19	6,327.72	जारी	जीएसबी–300, डब्ल्यूएमएम–225, बीएम–50 और एसडीबीसी–25	सीआरएम, डीएलसी, एम–40/एम–30	266.31
15		बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैनगंगा नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	वीआर/ओडीआर	06/2018–19	1,419.80	पूर्ण	जीएसबी–300 मिमी, डबल्यूएमएम–225 मिमी, बीएम 50 मिमी और एसडीबीसी 25 मिमी	सीआरएम, डब्ल्यूएमएम, प्राइम कोट, टैक कोट, डेंस ग्रेड बिटुमिनस मैकडैम और बिटुमिनस कंक्रीट	96.59

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल के प्रकार	सड़क के प्रकार	अनुबंध संख्या	ठेकेदार को अद्यतन भुगतान (₹ लाख में)	पूर्ण कर लिया गया है या जारी है	टीसी दिनांक 09/07/12 के अनुसार क्रॉस सेक्शन का प्रावधान	क्रॉस सेक्शन के कार्यान्वयन का विवरण	एप्रोच रोड के लिए भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
16		डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास राय मालपुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	वीआर/ओडीआर	12/2015–16	563.44	पूर्ण	जीएसबी 200 मिमी, डीएलसी–100 मिमी, सीसी एम–30 300 मिमी	सीआरएम 150 मिमी, डीएलसी 100 मिमी, सीसी एम–40 300 मिमी	134.93
17		जिला सिवनी के बखरी–बर्रा–सड़क सिवनी रोड में वैनगंगा–नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क शामिल है।	सबमर्सिबल	एसआर/एमडीआर	34/2013–14	431.4	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी, डीएलसी–100 मिमी और 300 मिमी एम–30 सीसी	200 मिमी जीएसबी, 100 मिमी डीएलसी और 300 मिमी एम–30 सीसी	17.76
18		जिला छिंदवाड़ा के चराईकला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण	हाईलेवल	वीआर/ओडीआर	08/2012–13	629.79	पूर्ण	200 मिमी जीएसबी, 100 मिमी डीएलसी और 300 मिमी एम–30 सीसी	सब बेस––0.20 मीटर, बेस कोर्स–250 मिमी डब्ल्यूएमएम की मोटाई डब्ल्यूएमएम–50 मिमी बीटी के साथ 25 मिमी एसडीबीसी	57.39
19		नरसिंहपुर–केरपानी रोड पर नर्मदा नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एवं प्रोटेक्शन वर्क (सीआरएफ)	हाईलेवल	एसआर/एमडीआर	07/2016–17	2,323.27	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी, डब्ल्यूएमएम–225 मिमी, ओजीपीसी 20 मिमी	सीआरएम 100 मिमी, डीएलसी 100 मिमी, सीसी एम–40 250 मिमी	54.5
20	रीवा	रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना के संबंध में एसएच–09,रीवा–सीधी–शहडोल मार्ग पर 17250 एम चेनेज आरओबी का निर्माण	आरओबी	एसआर/एमडीआर	02/2017–18	675.76	जारी	एमडीआर में उच्च स्तरीय पुलों में जीएसबी–300 मिमी , डब्ल्यूएमएम–225 मिमी , बीएम–50 एमएम और एसडीबीसी 25 मिमी का प्रावधान था।	बीएम 50 मिमी, बीसी– 300 मिमी, डब्ल्यूएमएम– 125 मिमी	79
21		सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	वीआर/ओडीआर	11/2016–17	221.96	पूर्ण	जीएसबी– 200 मिमी , डीएलसी–100 मिमी , सीसी एम–30 300 मिमी में	डीएलसी–100 मिमी, सीआरएम– 125 मिमी, सीसी एम–40 200 मिमी	49.71

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल के प्रकार	सड़क के प्रकार	अनुबंध संख्या	ठेकेदार को अद्यतन भुगतान (₹ लाख में)	पूर्ण कर लिया गया है या जारी है	टीसी दिनांक 09/07/12 के अनुसार क्रॉस सेक्शन का प्रावधान	क्रॉस सेक्शन के कार्यान्वयन का विवरण	एप्रोच रोड के लिए भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
22		जिला सतना के नौगांव सतना–रीवा रोड, पर सेमरिया चौक पर फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	फ्लाईओवर	एसआर/एमडीआर	23/2015–16	5,067.69	जारी	जीएसबी––300 मिमी, जी–II–150 मिमी, जी–III–75 मिमी, बीएम–50 मिमी और एसडीबीसी–25 मिमी	सीएआरएम–200 मिमी, डीएलसी–150 मिमी , सीसी फुटपाथ–200 मिमी	600.61
23		जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट परसोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	वीआर/ओडीआर	24/2012–13	1,049.26	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी, डीएलसी–100 मिमी, एम–30, सीसी–300 मिमी, जी–II–150 मिमी, जी–III–75 मिमी, ओजीपीसी– 20 मिमी	जीएसबी–150 मिमी, डीएलसी–150 मिमी, एम–30, सीसी–300 मिमी, जी–II–150 मिमी, जी–III–75 मिमी, ओजीपीसी–20 मिमी सिलकोट	168.95
24		जिला शहडोल के लेदरा– खैरी (ब्रेलीखैरवाना– खैरीरोड 5/10 किमी) रोड, पर कुनुक नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण (संतुलन) कार्य	हाईलेवल	वीआर/ओडीआर	14/2014–15	282.3	पूर्ण	जीएसबी–200 मीमी, जी–II और III 225 मिमी , ओजीपीसी–20 मि मी, सील कोट	जीएसबी–150 मिमी, डीएलसी–150 मिमी, एम–30 सीसी–250 मिमी, ओजीपीसी–20 मिमी, सीलकोट	48.25
25		जिला शहडोल के केएम में झींक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण। 14/6–8 जिला शहडोल	सबमर्सिबल	वीआर/ओडीआर	04/2010–11	158.57	पूर्ण	जीएसबी–200 मिमी, डीएलसी –100 मिमी , एम–30 सीसी–300 मिमी	सीआरएम डीएलसी 100 मिमी सीसी एम–30 सीआरएम, डीएलसी–100 मिमी, सीसी एम–30	12.86
26		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएच नंबर. 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाईओवर का निर्माण	फ्लाईओवर	एसआर/एमडीआर	22/2018–19	4,234.32	पूर्ण	जीएसबी 300 मिमी, डब्ल्यूएमएम 225 मिमी, बीएम 50 मिमी एसडीबीसी 25 मिमी	सीसी फुटपाथ, डीएलसी	527.08
		कुल				**40,896.02**				**3,442.47**

परिशिष्ट 2.5

बिटुमिनस पहुँच मार्ग के अविवेकपूर्ण प्रावधान वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 2.3.4)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	किए गए कार्य की मात्रा (₹ लाख में)	पूर्ण कर लिया गया है या चल रहा है	बिटुमिनस सडक की लागत (₹ लाख में)
1	भोपाल	भोपाल जिले में जमुसर कलां पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	30/2015–16	911.51	916.35	पूर्ण	13.3
2	इंदौर	इंदौर के पास गुरान दार्जिकारड़िया तराना रोड पर ग्राम दार्जिकारड़िया तहसील असवर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	06/2015–16	277.36	189.51	पूर्ण	16.08
		कुल			**1,188.87**	**1,105.86**		**29.38**

परिशिष्ट 2.6

बिना सीपीएम और पर्ट के अनुप्रयोग वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 2.4)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	क्या कार्य पूर्ण होने मे देरी हुई	लेखापरीक्षा की तिथि के अनुसार महीनों में विलम्ब	ठेकेदार को किए गए कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
1	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर एलसी नंबर 29ए उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	15/2013–14	1,506.74	25–09–2013	24–03–2016	24–03–2016	नही	0	2,697.08
2		उज्जैन जिला के नागदा–उज्जैन खंड पर रेलवे एल.सी. नंबर 25 (किमी 51/22–24) और एल.सी. नंबर 8 एम.जी फतेहाबाद का रेलखंड पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	28/2013–14	1,622.34	27–01–2014	26–01–2016	27–02–2016	हां	1	3,490.50
3		जिला उज्जैन के क्षिप्रा नदी पर विक्रांत भैरव मंदिर को ओखलेश्वर घाट से जोडने वाली सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/2015–16	912.34	04–05–2015	04–03–2016	28–02–2016	नही	0	946.35
4		जिला देवास में एलसी नंबर 30 देवास बरलाई रेल खंड किमी 42/17–19 मेंडकी फाटक के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	18/2018–19	1615.32	23–04–2018	22–02–2020	–	हां	13	1,331.94
5		जिला उज्जैन के बिरलाग्राम नयन–भीकमपुर रोड, पर चंबल नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	17/2018–19	1,059.40	23–04–2018	22–02–2020	–	हां	13	396.21
6		जिला–रतलाम में आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सडक किमी 5/2–8 पर आई/सी एप्रोच पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	15/2015–16	1,296,04	05–11–2015	05–11–2018	15–07–2018	नही	0	1,531.65
7		राजगढ जिले के किमी 8/10 में राजगढ कालीपीठ मार्ग पर अजनार नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	13/2016–17	437.95	21–11–2016	20–03–2018	–	हां	36	290.91
8		जिला शाजापुर बोल्डा हरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	22/2013–14	469.18	25–09–2013	15–02–2016	31–12–2018	हां	34	451.56
9		रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	10/2013–14	830.2	22–07–2013	15–12–2015	26–02–2016	हां	2	1,373.33
10		रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण।	21/2013–14	708.19	25–09–2013	25–05–2016	22–08–2017	हां	15	845.89

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	क्या कार्य पूर्ण होने मे देरी हुई	लेखापरीक्षा की तिथि के अनुसार महीनों में विलम्ब	ठेकेदार को किए गए कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
11		बेरचा–सुनदर्शी–अकोदिया सड़क के कालीसिंध नदी पर किमी 12/10 में एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	09/2016–17	662.25	24–06–2016	15–12–2018	–	हां	27	291.27
12	भोपाल	भोपाल जिले के सुभाष नगर में रेलवे क्रॉसिंग संख्या 249 ए सुभाष पाठक के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	22/2016–17	2,316.37	06–07–2016	04–06–2018	–	हां	34	1,967.00
13		आशापुरी खसरोद सलकानी से वर्धमानी पर बेतवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	132/2013–14	1533.83	23–07–2013	15–06–2016	06–02–2017	हां	8	1,197.00
14		सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	111/2012–13	2248.73	15–02–2013	15–12–2016	–	हां	51	4,178.00
15		जिला रायसेन के गुरदिअ पांजरा विजय सिंह पुरोहित पिपरिया रोड पर तेंदुनी नदी पर किमी 4/350 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	391.64	11–09–2018	10–09–2019	–	हां	19	42
16		भोपाल जिले में जमुसर कलां – कड्या शाह रोड पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण –	30/2015–16	920.72	31–12–2015	28–02–18	–	हां	40	916.35
17		जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड, सीएच–3100, 4500 और 5910 मीटर पर 03 पुलों का निर्माण	104/2017–18	586.85	27–04–2017	27–12–2018	–	हां	30	372.14
18		बैतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक 6/4 किमी नाग नदी एचएल पुल में सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	134/2013–14	268.22	08–08–2013	15–05–2015	31–12–2017	हां	32	198.49
19		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोडा आरओबी का निर्माण	03/2015–16	3808.44	15–10–2015	12–01–2018	–	हां	38	3,386.61
20		बैतूल जिले (एमपी) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	29/2015–16	947.46	08–12–2015	08–02–2018	–	हां	38	961.76
21		भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला सड़क पर किमी 8/4 में चटेहेडी के पास नाला और किमी 5/4 में बाह नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	26/2015–16	782.3	08–12–2015	08–02–2018	02–12–2018	हां	10	655.53
22		रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर तेंदूनी नदी के पार अप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	577.87	12–05–2016	12–01–2018	20–05–2019	हां	16	438.55
23		नेवन नदी पर शुथर से अंडिया रोड तक सबमर्सिबल पुल का निर्माण जिला– विदिशा	13/2015–16	149.79	05–10–2015	04–06–2016	26–12–2017	हां	19	101.85

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	क्या कार्य पूर्ण होने मे देरी हुई	लेखापरीक्षा की तिथि के अनुसार महीनों में विलम्ब	ठेकेदार को किए गए कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
24	इंदौर	बुरहानपुर भुसावल रेलवे खंड पर लाल बाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	17/2013–14	1307.29	19–07–2013	19–07–2015	–	हां	68	981.91
25		इंदौर में रतलाम खंडवा खंड में रवोई बाजार, लोहामंडी गडियाअड्डा के पास, एलसी संख्या 250 किमी 494–03–04 रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	02/2015–16	2914.61	05–11–2015	05–10–2017	15–10–2018	हां	12	2175.33
26		महेश्वर जिला खरगोन में माहेश्वरी नदी पर उच्च सबमर्सिबल पुल का निर्माण	08/2014–15	567	29–01–2015	28–05–2016	31–03–2016	नही	0	576
27		जिला खंडवा के खंडवा कालमुखी रोड पर किमी 13/4 में टेमी नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	25/2013–14	245.1	08–02–2013	15–02–2015	15–04–2015	हां	2	182.49
28		सी.आर.एफ के तहत जिला इंदौर के गुरान दार्जिकराडिया तराना रोड पर दार्जिकराडिया तहसील आवर के निकट खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	06/2015–16	310.27	18–04–2016	17–12–2017	04–05–2018	हां	5	189.51
29		इंदौर जिले में गडीअड्डा के पास रतलाम–खंडवा खंड के 250 किमी 494/03–04 एलसी के स्थान पर रेल ओवर ब्रिज के तीसरे चरण का निर्माण।	03/2018–19	528.95	09–05–2018	08–05–2019	–	हां	23	372.87
30		धार जिले खलघाट–मनवर सडक किमी 43/2 में मान नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	17/2016–17	651.04	01–02–2017	31–10–2018	31–08–2020	हां	22	701.51
31		भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	02/2013–14	276.46	16–05–2013	15–01–2015	10–11–2015	हां	10	184
32		खंडवा जिला के ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम तक उच्चस्तरीय पुल का निर्माण।	08/2017–18	1623.45	07–06–2017	15–12–2019	–	हां	15	1,062.31
33		जिला बड़वानी बंडारिया– राखी बुजुर्ग रोड पर सुसारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	02/2018–19	584.19	09–05–2018	08–03–2020	–	हां	13	540
34		बुरहानपुर (नाबार्ड) जिला के जैनाबाद गाँव के पास (राजघाट बुरहानपुर) ताप्ती नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	13/2016–17	1,120.86	21–07–2016	14–12–2018	31–10–2019	हां	11	1,191.86
35		बड़वानी जिला के कलापट–घुड़चल–पिपलियागोई रोड, परगोई नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	355.4	08–09–2018	08–09–2018	–	हां	31	137.53

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	क्या कार्य पूर्ण होने मे देरी हुई	लेखापरीक्षा की तिथि के अनुसार महीनों में विलम्ब	ठेकेदार को किए गए कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
36	जबलपुर	बालाघाट जिला के जमुंटोला–चकहेती रोड पर डोरिया नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है	03 / 2015–16	629.44	03–09–2013	14–12–2017	31–03–2018	हां	4	464.93
37		बालाघाट जिला के बहमनगांव–पंगाओब रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	41 / 2013–14	1022.29	03–09–2013	14–03–2016	31–12–2016	हां	10	1,049.26
38		नरसिंहपुर जिला के छिंदवाड़ा रोड पर इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग नं. 276 रेलवे कि.मी. 904 / 3–4 के स्थान पर आरओबी का निर्माण नरसिंहपुर	06 / 2017–18	1,591.18	16–08–2017	15–02–2019		हां	30	1,613.23
39		नरसिंहपुर जिला (ग्राम रोड) कल्याणपुर चन्दन खेडा रोड पर शक्कर नदी पर एचएल पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण (नाबार्ड)	13 / 2013–14	555.49	16–09–2013	15–12–2015	15–02–2017	हां	14	574.29
40		कटनी जिले में (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह फ्लाइओवर का निर्माण	08 / 2018–19	4974.83	21–12–2018	20–04–2021	–	हां	4	6327.72
41		बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैनगंगा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	06 / 2018–19	1495.85	13–08–2018	15–12–2020	10–06–2021	हां	6	1,420
42		डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास राय मालपुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	12 / 2015–16	714.43	22–12–2015	21–02–2018	25–11–2018	हां	9	563.44
43		मंडला जिले में बिजेगांव–केओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06 / डीएल / 2013–14	299.36	08–08–2013	15–02–2015	30–03–2017	हां	25	308.61
44		मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	02 / 2018–19	651.59	19–04–2018	18–02–2020	–	हां	18	688
45		जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के उस पार एप्रोच रोड, सहित बॉक्स प्रकार के पुल का निर्माण	01 / डीएल / 2010–11	91.24	01–04–2010	31–10–2011	10–06–2017	हां	67	129.22
46		जिला सिवनी के बखरी–बर्रा–सडक सिवनी रोड में वैनगंगई–नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क शामिल है।।	34 / डीएल / 2013–14	463.85	11–07–2013	15–12–2015	30–07–2017	हां	19	431.4
47		जिला छिंदवाड़ा ,चराईकला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च	08 / 2012–13	423.8	14–12–2012	13–04–2015	30–12–2018	हां	44	629.79

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	क्या कार्य पूर्ण होने मे देरी हुई	लेखापरीक्षा की तिथि के अनुसार महीनों में विलम्ब	ठेकेदार को किए गए कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
		स्तरीय पुल का निर्माण								
48		नरसिंहपुर जिले में बर्मन खुर्द–बर्मन करेली रोड पर बर्मन मेला स्थल के पास नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	15/डीएल/2017–18	989.72	23–01–2018	22–03–2021	–	हां	5	1350.58
49		जबलपुर कटनी खंड पर जबलपुर और अधार ताल स्टेशन के बीच एलसी नंबर 319 ए रेलवे कि.मी. 997/3–4 पर आरओबी का निर्माण	03/2016–17	1756.88	15–09–2016	14–03–2018	–	हां	42	1847.96
50		नरसिंहपुर–केरपानी रोड पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एंड प्रोटेक्शन वर्क(सीआरएफ)	07/2016–17	1739.3	06–07–2016	14–04–2019	–	नहीं	29	2323.27
51	रीवा	रीवा शहर के एनएच–7 में किमी 234/6 पर वाराणसी–नागपुर मार्ग पर सिरमौर चौराहा में फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण	23/2012–13	1588.18	14–01–2013	13–01–2015	30–04–2016	हां	16	2,032.95
52		जिला सिंगरौली के चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) मार्ग पर म्यार नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24/2015–16	664.56	05–02–2016	05–08–2018	–	हां	32	629.44
53		कटनी जिला के बरन महगवां सुतरी खरहाता रोड पर उमरार नदी के पार एप्रोच रोड सहित हाई लेवल ब्रिज का निर्माण	17/2015–16	498.24	17–12–2015	16–12–2018	–	हां	27	307.42
54		जिला शहडोल के भाटिया–भोगौड़ा रोड, पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2010–11	175	23–12–2010	22–04–2012	30–09–2015	हां	41	161.9
55		जिला शहडोल के बरकच्छ बियोहारी रोड पर झापर नदी के पार एप्रोच रोड को छोड. कर उच्च स्तरीय (बॉक्स प्रकार) पुल का निर्माण	24/2016–17	289.69	17–10–2016	16–02–2018	–	हां	37	209.42
56		रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना से संबंधित एसएच–09, रीवा–सीधी–शहडोल रोड पर 17250 एम चेनेज पर आरओबी का निर्माण	02/2017–18	724.79	24–04–2017	23–10–2018	–	हां	29	675.76
57		सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड. नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	243.25	31–05–2016	31–01–2018	23–03–2020	हां	26	221.96
58		किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकमगढ. हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण	27/2012–13	446.56	23–03–2013	23–03–2016	22–03–2016	नहीं	0	831.98
59		जिला सतना के नौगांव सतना–रीवा रोड, पर सेमरिया चौक पर फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण	23/2015–16	3,765.53	18–01–2016	17–05–2018	–	हां	34	5,067.69

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पीएसी (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक पूर्णता की तिथि	क्या कार्य पूर्ण होने मे देरी हुई	लेखापरीक्षा की तिथि के अनुसार महीनों में विलम्ब	ठेकेदार को किए गए कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
60		जिला शहडोल के लेदरा – खैरी (ब्रेलीखैरवाना– खैरी रोड 5/10 किमी) रोड पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (संतुलन) कार्य	14/2014–15	192.18	29–10–2014	28–02–2016	04–02–2018	हां	23	282.3
61		जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट पर सोन नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24/2012–13	820.61	16–01–2013	15–01–2016	31–12–2017	हां	23	1,049.26
62		गोधर, रीवा मे नई रेलवे लाइन पर रेलवे स्टेशन रीवा के पास वाराणसी–नागपुर रोड (एनएच 7) पर रीवा–सीधी के पार 890 मीटर, आरओबी का निर्माण	01/2018–19	3245.87	04–05–2018	03–09–2020	–	हां	7	2,514.24
63		जिला शहडोल के कि.मी. 14/6–8 झिंक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	04/2010–11	149.45	23–12–2010	22–04–2012	30–11–2016	हां	55	158.57
64		रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर से मरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (बैलेंस वर्क)	01/2020–21	171.87	17–07–2020	15–06–2021	–	हां	3	14.65
65		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएच नंबर 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाईओवर का निर्माण	22/2018–19	3733.3	19–12–2018	18–12–2020	31–03–2021	हां	3	4,234.32
		कुल								**74,470.85**

परिशिष्ट 3.1

रॉयल्टी की कम वसूली और ठेकेदार को 'अदेयता प्रमाणपत्र' के बिना अंतिम भुगतान का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.2.1)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	कटौती की जाने वाली रॉयल्टी की राशि (राशि ₹ में)	काटी गई रॉयल्टी की राशि (राशि ₹ में)	रॉयल्टी की कम वसूली (राशि ₹ में)	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
1	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 एल.सी. नंबर 29ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	15/2013–14	32,17,788	20,00,000	12,17,788	2,697
2		जिला उज्जैन के नागदा–उज्जैन खंड के एल.सी. नंबर 25 (किमी..51/22–24) और बड़नगर रोड पर फतेहाबाद का रेल खंड उज्जैन के एल.सी. नंबर 8 एम. जी. पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	28/2013–14	26,87,196	9,00,000	17,87,196	3,491
3		जिला उज्जैन के विक्रांत भैरव मंदिर से ओखलेश्वर घाट तक क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/2015–16	5,47,004	0	5,47,004	946
4	भोपाल	भोपाल जिले के सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	22/2016–17	20,72,815	2,60,372	18,12,443	1,967
5		रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर तेंदूनी नदी के उस पार पहुंच मार्ग सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	11/2016–17	8,34,153	4,29,623	4,04,530	439
6		भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला मार्ग पर चतेहेड़ी के निकट किमी 8/4 और बाह नदी के किमी 5/4 में नाले पर सबमर्सिबल पुल का निर्माण	26/2015–16	7,85,750	1,81,704	6,04,046	656
		कुल		**1,01,44,706**	**37,71,699**	**63,73,007**	**10,195**

परिशिष्ट 3.2

कैरिज वे और पहुँच मार्ग की बेमेल चौड़ाई का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.2.3)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	पुल की चौड़ाई (मीटर में)	पहुँच मार्ग की चौड़ाई (मीटर में)	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
1	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण जिला सीहोर	111/2012–13	3,351	7.50	7.00	4,178.00
2		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोड़ा आरओबी का निर्माण	03/2015–16	3883.12	7.50	7.00	3,386.61
3		बैतूल जिले (एम.पी.) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	29/2015–16	972.85	7.50	3.75/7.00	961.76
4		रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा रोड पर तेंदूनी नदी पर पहुंच मार्ग सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण (एचएम–34)	11/2016–17	537.36	7.50	5.5/7.3	438.55
5		आशापुरी खसरोद सलकानी से वर्धमानी पर बेतवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	132/2013–14	1,630.46	7.50	7	1,197.00
6		जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड, सीएच. 3100, 4500 और 5910 मीटर के 03 पुलों का निर्माण	104/2017–18	498.88	7.50	7	372.14
7		भोपाल जिले में कड़्या शाह रोड – जमुसर कलां पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	30/2015–16	911.51	7.50	7	916.35
8	इंदौर	महेश्वर जिला खरगोन में माहेश्वरी नदी पर उच्च सबमर्सिबल पुल का निर्माण	08/2014–15	630	7.50	8.40	576
9		भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	02/2013–14	248.7	7.50	7.5 से 5.5	184
10		धार जिले के खलघाट–मनवर सड़क किमी 43/2 में मान नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	17/2016–17	572.13	7.50	11.10 से 7.5	702
11		खंडवा जिला के ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम तक उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	08/2017–18	1,767.77	7.50	7	1,062.31
12	जबलपुर	जिला बालाघाटी, बहमनगांव–पंगाओं रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	41/2013–14	1,108.47	7.50	7.00	1,049.26
13		जिला बालाघाट, जमुंतोला–चकहेती रोड पर डोरिया नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है।	03/2015–16	629.44	7.50	7.00	464.93
14		नरसिंहपुर जिलाके छिंदवाड़ा रोड पर इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग नं. 276 रेलवे कि.मी. 904/3–4 के स्थान पर आरओबी का निर्माण नरसिंहपुर	06/2017–18	1,510.03	7.50	12	1,613.23

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	पुल की चौड़ाई (मीटर में)	पहुँच मार्ग की चौड़ाई (मीटर में)	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
15	रीवा	जिला शहडोलके भाटिया–भोगौड़ा रोड, पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	6 /2010–11	160.63	7.50	8.00	161.9
16	उज्जैन	जिला शाजापुर में बोल्डा हरिया कला रोड पर नेवाज नदी के उस पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	22/2013–14	505.63	7.50	7.00	451.56
17		जिला देवास में कमलापुर समांगी रोड पर कालीसिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	13/2013–14	509.22	7.50	7.6 से 7.95	491.88
		कुल		**19,427.20**			**18,207.48**

परिशिष्ट 3.3

स्टील लाइनर के अनुचित प्रावधान वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.2.4)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	ठेकेदार को अंतिम रूप से भुगतान किए गए कार्य की राशि (₹ लाख में)	स्टील लाइनर की मात्रा एमटी. में	स्टील लाइनर की दर ₹ प्रति एमटी. में	निविदा प्रतिशत	भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
1	भोपाल	भोपाल जिले के सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	22/2016–17	2,149.59	1967.48	112.877	88,679	.7.20	92.89
2		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोदा आरओबी का निर्माण	03/2015–16	3883.12	3,386.61	160.83	54,000	1.9	88.50
3	जबलपुर	कटनी जिले में (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह फ्लाई ओवर का निर्माण	08/2018–19	5467.34	6327.72	142.75	49,500	9.9	77.66
4	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 एलसी नंबर 29ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	15/2013–14	1,506.74	2,697.08	97.828	86,701	18	100.09
5		जिला उज्जैन के नागदा–उज्जैन खंड के एलसी नंबर 25 (किमी. 51/22–24) और बड़नगर रोड पर फतेहाबाद का रेल खंड उज्जैन के एल.सी. नंबर 8 एम.जी. पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	28/2013–14	1,928.96	3,490.50	69.367	86,701	18.90	71.51
		कुल		**14,935.75**	**17,869.39**	**583.65**			**430.65**

परिशिष्ट 3.4

संशोधित तकनीकी स्वीकृति के बिना अतिरिक्त मदों के कार्यान्वयन का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.2.5)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	पी.ए.सी. (₹ लाख में)	संविदा राशि (₹ लाख में)	ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)	गैर–बीओक्यू मदों की संख्या	गैर–बीओक्यू मदों के लिए भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)	क्या अतिरिक्त मदों को शामिल करने के साथ संशोधित टीएस उपलब्ध था	एसओआर के संदर्भ में गैर बीओक्यू मदों का विवरण
1	इंदौर	खंडवा जिला के कालमुखी रोड पर टेमी नाला पर किमी 13/4 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	25/2013–14	245.10	227.70	182.49	10	22.82	नहीं	2.3(बी), 2.5.8.7, 11.6, 12.1(ii)और (iii), 12.2(ii)और(iii), 12.9, 15.4(ए)
2	रीवा	किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकमगढ़ हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण	27/2012–13	446.56	548.82	831.98	12	152.84	नहीं	1.1 बी (iii), (II)(i), (II)(ii), (II)(iii), 1.6(ए),1.6(सी), 3.1(सी)(प)(बी), 3.1(बी), 3.14(i), 3.14(ii), 3.11, 4.1 (I)
कुल		**दो पुलो का कार्य**		**691.66**	**776.52**	**1,014.47**	**22**	**175.66**		

परिशिष्ट 3.5

तटबंधों में फ्लाई ऐश के उपयोग न होने का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.2.6)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	निकटतम थर्मल पावर स्टेशन	किमी में निर्माण स्थल से दूरी	कार्य की स्थिति
1	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 एलसी नंबर 29 ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	आरओबी	15/2013–14	1,506.74	2,697.08	ग्रासिम, नागदा	56.5	पूर्ण
2		जिला उज्जैन के नागदा–उज्जैन खंड के एल.सी. नंबर 25 (किमी..51/22–24) और बड़नगर रोड पर फतेहाबाद का रेल खंड उज्जैन के एल.सी. नंबर 8 एम.जी. पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आरओबी	28/2013–14	1,928.96	3,490.50	ग्रासिम, नागदा	63.7	पूर्ण
3	रीवा	सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	11/2016–17	216.78	221.96	सिंगरौली सुपर थर्मल स्टेशन	70	पूर्ण
4		जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट पर सोन नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	24/2012–13	1,148.44	1,247.98	संजय गांधी ताप विद्युत परियोजना, उमरिया	32	पूर्ण
		कुल			**4,800.92**	**7,657.52**			

परिशिष्ट 3.6

समय विश्लेषण के लिए कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.3.1)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
1	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 एलसी नंबर 29 ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	15/2013–14	2,149.59	25–09–2013	24–03–2016	24–03–2016	नहीं	0	2,697.08
2	उज्जैन	जिला उज्जैन के नागदा–उज्जैन खंड के एल.सी. नंबर 25 (किमी..51/22–24) और बड़नगर रोड पर फतेहाबाद का रेल खंड उज्जैन के एल.सी. नंबर 8 एम.जी. पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	28/2013–14	1,928.96	27–01–2014	26–01–2016	27–02–2016	हां	1	3,490.50
3	उज्जैन	जिला उज्जैन के विक्रांत भैरव मंदिर से ओखलेश्वर घाट तक क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/2015–16	1,103.93	04–05–2015	04–03–2016	28–02–2016	नहीं	0	946.35
4	उज्जैन	देवास जिला के एलसी नंबर 30 देवास बरलाई रेल खंड किमी 42/17–19 मेंडकी फाटक के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	18/2018–19	1,615.32	23–04–2018	22–02–2020	चल रहा है।	हां	13	1,331.94
5	उज्जैन	जिला उज्जैन के बिरला ग्राम नयन–भीकम पुर रोड, पर चंबल नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	17/2018–19	1,146.27	23–04–2018	22–02–2020	चल रहा है।	हां	13	396.21
6	उज्जैन	जिला–रतलाम में किमी 5/2–8 आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सड़क पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	15/2015–16	1,289.30	05–11–2015	05–11–2018	15–07–2018	नहीं	0	1,531.65
7	उज्जैन	राजगढ़ जिले के किमी 8/10 में राजगढ़ कालीपीठ मार्ग पर अजनार नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	13/2016–17	389.07	21–11–2016	20–03–2018	चल रहा है।	हां	36	290.91
8	उज्जैन	जिला शाजापुर के बोल्डा हरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	22/2013–14	505.63	25–09–2013	15–02–2016	31–12–2018	हां	34	451.56

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
9	उज्जैन	रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	10/2013–14	936.12	22–07–2013	15–12–2015	26–02–2016	हां	2.5	1,373.33
10	उज्जैन	रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	21/2013–14	804.15	25–09–2013	25–05–2016	22–08–2017	हां	15	845.89
11	उज्जैन	बेरचा–सुनदर्शी–अकोदिया सड़क के किमी 12/10 में एप्रोच रोड सहित कालीसिंध नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	09/2016–17	594.5	24–06–2016	15–12–2018	चल रहा है।	हां	27	291.27
12	उज्जैन	जौरा शहर जिला रतलाम में एल.सी. नंबर 177 (रतलाम चंदेरिया रेलखंड किमी 341/6–7) के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	10/2016–17 34/2018–19	1,358.06	08–07–2016	07–08–2018	पहले का कार्य 25–05–18 को समाप्त कर दिया गया था एवं नए कार्य सौंपा गया है।	हां	33	758.77
13	उज्जैन	जिला देवास मे कमलापुर समांगी रोड पर कालीसिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	13/2013–14	425.84	12–08–2013	12–12–2015	31–12–2016	हां	13	491.88
14	उज्जैन	जिला देवास के बरदा–कांकारिया रोड पर बरदा गांव के पास जामनेर नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	29/2018–19	358.7	06–09–2018	14–02–2020	चल रहा है।	हां	13	215.52
15	उज्जैन	एलसी नंबर 81 सुभाष फाटक से रतलाम गोधरा पर आरओबी का निर्माण	21/2019–20	1443.9	02–03–2020	02–02–2022	चल रहा है।	नहीं	0	1356.17
16	भोपाल	भोपाल जिले के सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249 ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	22/2016–17	2,149.59	07–06–2016	04–06–2018	31–03–2019	हां	34	1,967.00
17	भोपाल	आशापुरी खसरोद सलकानी से वर्धमानी पर बेतवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	132/2013–14	1,630.46	23–07–2013	15–06–2016	02–06–2017	हां	8	1,197.00

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
18	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	111/2012–13	3,350.61	15–02–2013	15–12–2016	चल रहा है।	हां	51	4,178.00
19	भोपाल	गुरदिअ पांजरा विजय सिंह पुरोहित पिपरिया रोड जिला रायसेन के तेंदुनी नदी पर 4/350 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	352.52	11–09–2018	09–10–2019	चल रहा है।	हां	19	42
20	भोपाल	भोपाल जिले में कड़्या शाह रोड – जमुसर कलां पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	30/2015–16	911.51	31–12–2015	28–02–2018	चल रहा है।	हां	37	916.35
21	भोपाल	जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड, सीएच.3100, 4500 और 5910 मीटर के 03 पुलों का निर्माण	104/2017–18	498.88	27–04–2017	27–12–2018	––	हां	27	372.14
22	भोपाल	बैतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक नाग नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज 6/4 किमी एचएल पुल का निर्माण।	134/2013–14	280.8	08–08–2013	15–05–2015	31–12–2017	हां	32	198.49
23	भोपाल	सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोड़ा आरओबी का निर्माण	03/2015–16	3,883.12	15–10–2015	01–12–2018	26–12–2019	हां	38	3,386.61
24	भोपाल	बैतूल जिले (एमपी) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	29/2015–16	972.85	23–12–2015	02–08–2018	––	हां	38	961.76
25	भोपाल	भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला सड़क पर किमी 8/4 में चटेहेड़ी के पास नाला और किमी 5/4 में बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	26/2015–16	700	23–12–2015	08–02–2018	02–12–2018	हां	10	655.53
26	भोपाल	रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर तेंदूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	537.36	12–05–2016	12–01–2018	20–05–2019	हां	16	438.55
27	भोपाल	नेवन नदी पर शुथर से अंडिया रोड तक सबमर्सिबल पुल का निर्माण जिला– विदिशा	13/2015–16	134.5	05–10–2015	06–04–2016	31–12–2017	हां	19	101.85
28	इंदौर	बुरहानपुर भुसावल रेलवे खंड पर लाल बाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	17/2013–14	1,519.07	19–07–2013	19–07–2015	चल रहा है।	हां	68	981.91

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
29	इंदौर	इंदौर में रतलाम खंडवा खंड में रवोई बाजार, लोहा मंडी गडियाअड्डा के पास, एलसी संख्या 250 किमी 494–03–04 रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	02/2015–16	3,278.06	11–05–2015	10–05–2017	15–10–2018	हां	17	2,175.33
30	इंदौर	महेश्वर जिला खरगोन में माहेश्वरी नदी पर उच्च सबमर्सिबल पुल का निर्माण	08/2014–15	629.99	29–01–2015	28–05–2016	31–03–2016	नहीं	0	575.57
31	इंदौर	खंडवा जिला के कालमुखी रोड पर टेमीनाला के पार किमी 13/4 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	25/2013–14	227.7	02–08–2013	15–02–2015	15–04–2015	हां	2	182.49
32	इंदौर	सी.आर.एफ के तहत इंदौर जिला के दार्जिकराडिया तहसील आवर के निकट गुरान दार्जिकारड़िया तराना रोड पर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	06/2015–16	277.36	18–04–2016	17–12–2017	05–04–2018	हां	4	189.51
33	इंदौर	इंदौर जिले में गाडी अड्डा के पास रतलाम–खंडवा खंड के एलसी संख्या 250 किमी 494/03–04 के स्थान पर रेल ओवर ब्रिज के तीसरे चरण का निर्माण।	03/2018–19	598.4	09–05–2018	05–08–2019	चल रहा है।	हां	23	372.87
34	इंदौर	धार जिले के खलघाट–मनवर सड़क में मान नदी पर किमी 43/2 उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	17/2016–17	572.13	01–02–2017	31–10–2018	31–08–2020	हां	22	701.51
35	इंदौर	भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	02/2013–14	248.7	16–05–2013	15–01–2015	10–11–2015	हां	10	184.48
36	इंदौर	खंडवा जिला के ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम तक उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	08/2017–18	1,767.77	06–07–2017	15–12–2019	चल रहा है।	हां	15	1,062.31
37	इंदौर	जिला बड़वानी, बंडारिया– राखीबुजुर्ग रोड पर सुसारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	02/2018–19	624.03	09–05–2018	03–08–2020	चल रहा है।	हां	13	540
38	इंदौर	बुरहानपुर जिला के जैनाबाद गाँव के पास (राजघाट बुरहानपुर) ताप्ती नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण (नाबार्ड)	13/2016–17	1,114.47	21–07–2016	14–12–2018	31–10–2019	हां	11	1,191.86
39	इंदौर	बड़वानी जिला के कलापट–घुड़चल–पिपलिया गोई रोड, पर गोई नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	316.43	08–09–2018	08–09–2018	चल रहा है।	हां	32	137.53
40	इंदौर	इंदौर जिला में तीन इमली चौराहे पर (रिंगरोड) रोड	23/2012–13	2,861.93	05–10–2012	04–10–2014	20–02–2018	हां	40	3,035.92

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
		फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण								
41	इंदौर	खरगोन जिला के खंडवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	25 / 2018–19	850.37	30–01–2018	29–03–2020	31–03–2021	हां	12	736.09
42	इंदौर	कलमेर बेटमा रोड, इंदौर पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	16 / 2015–16	666.99	08–12–2015	28–11–2016	30–11–2016	नहीं	0	645.44
43	जबलपुर	बालाघाट जिला के जमुंतोला–चकहेती रोड पर डोरिया नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है	03 / 2015–16	566.56	15–10–2015	14–12–2017	31–03–2018	हां	4	464.93
44	जबलपुर	बालाघाट जिला के बहमनगांव–पंगाओब रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	41 / 2013–14	1,108.47	03–09–2013	14–03–2016	31–12–2016	हां	10	1,049.26
45	जबलपुर	नरसिंहपुर जिला के छिंदवाड़ा रोड पर इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग नं. 276 रेलवे कि.मी. 904 / 3–4 के स्थान पर आरओबी का निर्माण नरसिंहपुर	06 / 2017–18	1,510.03	16–08–2017	15–02–2019	चल रहा है।	हां	25	1,613.23
46	जबलपुर	नरसिंहपुर जिला (ग्रामरोड) कल्याणपुर चन्दन खेड़ा रोड पर शक्कर नदी पर एचएल पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण (नाबार्ड)	13 / 2013–14	636.26	16–09–2013	15–12–2015	15–02–2017	हां	14	574.29
47	जबलपुर	कटनी जिले में (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह फ्लाई का निर्माण	08 / 2018–19	5,467.34	21–12–2018	20–04–2021	चल रहा है।	हां	0	6,327.72
48	जबलपुर	बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैन गंगा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	06 / 2018–19	1,642.44	13–08–2018	15–12–2020	10–06–2021	हां	6	1419.8
49	जबलपुर	डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास राय मालपुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	12 / 2015–16	666.84	22–12–2015	21–02–2018	25–11–2018	हां	9	563.44
50	जबलपुर	मंडला जिले में बिजेगांव–केओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06 / डीएल / 2013–14	284.54	08–08–2013	15–02–2015	30–03–2017	हां	25	308.61
51	जबलपुर	मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बडनेर नदी पर	02 / 2018–19	728.87	19–04–2018	18–02–2020	चल रहा है।	हां	13	688.25

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
		सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।								
52	जबलपुर	जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के पार एप्रोच रोड सहित बॉक्स प्रकार के पुल का निर्माण	01/डीएल का 2010–2011	105.08	01–04–2010	31–10–2011	10–06–2017	हां	67	129.22
53	जबलपुर	जिला सिवनी के बखरी–बर्रा–सड़क सिवनी रोड में वैनगंगई–नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क शामिल है।	34/डीएल/2013.14	481.43	11–07–2013	15–12–2015	30–07–2017	हां	19	431.4
54	जबलपुर	छिंदवाड़ा जिला के चराई कला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	08/2012–13	529.28	14–12–2012	13–04–2015	30–12–2018	हां	44	629.79
55	जबलपुर	नरसिंहपुर जिले में बर्मन खुर्द–बर्मन करेली रोड पर बर्मन मेला स्थल के पास नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	15/डीएल/2017–18	1,057.91	23–01–2018	22–03–2021	चल रहा है।	नहीं	0.35	1,350.58
56	जबलपुर	जबलपुर कटनी खंड पर जबलपुर और अधार ताल स्टेशन के बीच एलसी नंबर 319ए रेलवे कि.मी. 997/3–4 पर आरओबी का निर्माण	03/2016–17	1,635.48	15–09–2016	14–03–2018	चल रहा है।	हां	36	1,847.96
57	जबलपुर	नरसिंहपुर–केरपानी रोड पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एंड प्रोटेक्शन वर्क (सीआरएफ)	07/2016–17	1,993.29	06–07–2016	14–04–2019	30–11–2018	नहीं	0	2,323.27
58	रीवा	रीवा शहर के एनएच–7 में किमी 234/6 पर वाराणसी–नागपुर मार्ग पर सिरमौर चौराहा में फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23/2012–13	2,246.32	14–01–2013	13–01–2015	30–04–2016	हां	16	2,032.95
59	रीवा	जिला सिंगरौली के चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) मार्ग पर म्यार नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24/2015–16	574.31	05–02–2016	08–05–2018	चल रहा है।	हां	32	629.44
60	रीवा	कटनी जिला के बरनमहगवां सुतरी खरहाता रोड पर उमरार नदी के पार एप्रोच रोड सहित हाई लेवल ब्रिज का निर्माण	17/2015–16	428.54	17–12–2015	16–12–2018	चल रहा ह	हां	27	307.42

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
61	रीवा	जिला शहडोल के भाटिया–भोगौड़ा रोड, पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06 /2010–11	160.63	23–12–2010	22–04–2012	30–09–2015	हां	41	161.9
62	रीवा	जिला शहडोल के बरकच्छ बियोहारी रोड पर झापर नदी के पार एप्रोच रोड को छोड़कर उच्च स्तरीय (बॉक्स प्रकार) पुल का निर्माण	24 /2016–17	249.45	17–10–2016	16–02–2018	चल रहा है।	हां	37	209.42
63	रीवा	रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना से संबंधित एसएच–09, रीवा–सीधी–शहडोल रोड पर 17250 एम चेनेज पर आरओबी का निर्माण	02 /2017–18	682.24	24–04–2017	23–10–2018	चल रहा है।	हां	29	675.76
64	रीवा	सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11 /2016–17	216.78	31–05–2016	31–01–2018	23–03–2020	हां	26	221.96
65	रीवा	किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकमगढ़ हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण	27 /2012–13	548.82	23–03–2013	23–03–2016	22–03–2016	नहीं	0	831.98
66	रीवा	जिला सतना के नौगांव सतना–रीवा रोड, पर सेमरिया चौक पर फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23 /2015–16	3,691.35	18–01–2016	17–05–2018	चल रहा है।	हां	34	5,067.69
67	रीवा	जिला शहडोल के लेदरा – खैरी (ब्रेली खैरवाना– खैरी रोड 5/10 किमी) रोड पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (संतुलन) कार्य	14 /2014–15	227.93	29–10–2014	28–02–2016	04–02–2018	हां	23	282.3
68	रीवा	जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट पर सोन नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24 /2012–13	1,148.44	16–01–2013	15–01–2016	31–12–2017	हां	23	1,247.98
69	रीवा	गोधर, रीवा में नई रेलवे लाइन पर रेलवे स्टेशन रीवा के पास वाराणसी–नागपुर रोड (एनएच 7) पर रीवा–सीधी के पार 890 मीटर, आरओबी का निर्माण	01 /2018–19	3,401.35	04–05–2018	09–03–2020	चल रहा है।	हां	7	2,514.24
70	रीवा	जिला शहडोल के कि.मी. 14/6–8 झिंक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	04 /2010–11	159.86	23–12–2010	22–04–2012	30–11–2016	हां	55	158.57

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	कार्य पूर्ण होने की निर्धारित तिथि	वास्तविक समापन की तिथि	कोई देरी	मार्च 2021 तक महीनों में विलंब	ठेकेदार को कार्य की अंतिम रूप से भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
71	रीवा	रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर से मरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	10/2016–17	364.66	19–05–2016	18–01–2018	चल रहा है।	हां	38	217.56
72	रीवा	रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएच नंबर 7 (एमडीआरनंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समनतिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाईओवर का निर्माण	22/2018–19	4,350.25	19–12–2018	18–12–2020	31–03–2021	हां	3	4,234.32
		कुल		**83,869.69**				**मध्यिका**	**16.5**	

परिशिष्ट 3.7

गैर–परीक्षणित और अप्रमाणित इलास्टोमेरिक बियरिंग्स का उपयोग

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.4.1)

स. क्र.	पुल संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	टाइप	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	मात्रा (घन सेमी में)	दरें (₹ प्रति घन सेमी)	राशि का भुगतान (₹ लाख में)
1	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	111/2012–13	3343.64	4177.86	1755840.00	0.8	14.05
2		भोपाल जिले के सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आरओबी	22/2016–17	2149.59	1967.48	2196480.00	0.86	18.89
3		भोपाल जिले में कड्या शाह रोड – जमुसर कलां पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	30/2015–16	911.51	916.35	428467.00	0.86	3.68
4		बेतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक नाग नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज 6/4 किमी एचएल पुल का निर्माण।	सबमर्सिबल	134/2013–14	280.80	198.49	156160.00	0.86	1.34
5		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोड़ा आरओबी का निर्माण	आरओबी	03/2015–16	3883.12	3386.61	2578867.20	1.8	46.42
6	इंदौर	जिला खरगोन, खण्डवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	25/2018–19	850.37	736.08	780000.00	0.78	6.08
7		जिला इंदौर, बेटमा–कलमेर रोड, पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	16/2015–16	666.99	645.43	331488.00	0.86	2.85
8		भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	02/2013–14	248.70	184.48	173600.00	0.6	1.04
9		धार जिले के खलघाट–मनवर सड़क में मान नदी पर किमी 43/2 उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	उच्च स्तरीय	17/2016–17	572.13	701.51	487500.00	0.86	4.19
10		इंदौर जिले में गडीअड्डा के पास रतलाम–खंडवा खंड के एलसी संख्या 250 किमी 494/03–04 के स्थान पर रेलओवरब्रिज के तीसरे चरण का निर्माण।	आरओबी	03/2018–19	598.40	372.87	409600.00	0.86	3.52
11		खंडवा जिला के ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर बंगाली बाबा आश्रम से बर्फानी बाबा आश्रम तक उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	उच्च स्तरीय	08/2017–18	1767.77	1062.31	141700.00	0.86	1.22
12		बुरहानपुर जिला के जैनाबाद गाँव के पास (राजघाट बुरहानपुर) ताप्ती नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण (नाबार्ड)	सबमर्सिबल	13/2016–17	1114.47	1191.86	611840.00	0.86	5.26

स. क्र.	पुल संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	टाइप	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	मात्रा (घन सेमी में)	दरें (₹ प्रति घन सेमी)	राशि का भुगतान (₹ लाख में)
13	जबलपुर	बालाघाट जिला के बहमनगांव–पंगाओब रोड, पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	41/2013–14	1108.47	1049.26	515648.00	0.86	4.43
14		डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास रायमालपुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	12/डीएल/2015–16	666.84	563.44	721280.00	0.86	6.20
15		मंडला जिले में बिजेगांव–केओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	06/डीएल/2013–14	284.54	308.61	368320.00	0.86	3.17
16		मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	02/एसएस/2018–19	728.87	688.25	659280.00	0.78	5.14
17	रीवा	रीवा शहर एनएच–7 में किमी 234/6 पर वाराणसी–नागपुर मार्ग पर सिरमौर चौराहा रीवा में फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	फ्लाई ओवर	23/2012–13	2246.32	2032.95	1989465.60	0.86	17.11
18		रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना से संबंधित एसएच–09, रीवा–सीधी–शहडोल रोड पर 17250 एम चेनेज पर आरओबी का निर्माण	आरओबी	02/2017–18	682.24	675.76	307200.00	0.86	2.64
19		किमी 1/6–8 में राजोला–मोहकमगढ़ हनुमान धारा बाइपास रोड पर पैसूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	27/2012–13	548.82	831.98	506440.00	0.8	4.05
20		जिला शहडोल के लेदरा–खैरी (ब्रेली खैरवाना– खैरीरोड 5/10 किमी) रोड, पर कुनुक नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य	उच्च स्तरीय	14/2014–15	227.93	282.30	280800.00	0.65	1.83
21		रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर से मरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	01/2020–21	142.65	14.65	280800.00	0.86	2.41
22		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएच नंबर 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 सेकिमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समनतिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाईओवर का निर्माण	फ्लाई ओवर	22/2018–19	4350.25	4234.32	3756100.00	0.95	35.68
23	उज्जैन	जिला रतलाम में किमी 5/2–8 आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सड़क पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	15/2015–16	1289.30	1532.00	1935360.00	0.86	16.64
		कुल			**28663.72**	**27754.85**	**21372235.80 अर्थात 21.37 घन मी**		**207.84**

परिशिष्ट 3.8

कार्यान्वयन के दौरान अपर्याप्त संख्या में एक्सप्लोरेटरी बोरिंग वाले कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.4.2)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	ठेकेदार को किए गए और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	प्रावधानों के अनुसार बोरिंग की संख्या	कार्यान्वयन के अनुसार बोरिंग की संख्या	एक्सप्लोरेटरी बोरिंग में कमी	भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
1	उज्जैन	जिला उज्जैन के विक्रांत भैरव मंदिर से ओखलेश्वर घाट तक क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/2015–16	1,103.93	946.35	12	6	6	1.99
2		जिला रतलाम में किमी 5/2–8 आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सड़क पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	15/2015–16	1,289.30	1,531.65	14	0	14	0
3	भोपाल	गुरदिअ पांजरा विजय सिंह पुरोहित पिपरिया रोड जिला रायसेन के तेंदुनी नदी पर 4/350 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	352.52	42	3	2	1	0.75
4		सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	111/2012–13	3,350.61	4,177.86	17	0	17	4.25
5		सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	22/2016–17	2,149.59	1,967.48	15	0	15	8.6
6	इंदौर	बुरहानपुर भुसावल रेलवे खंड पर लाल बाग रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	17/2013–14	1519.07	981.91	38	8	30	4.44
7		इंदौर जिले में गडीअड्डा के पास रतलाम–खंडवा खंड के एलसी संख्या 250 किमी 494/03–04 के स्थान पर रेल ओवर ब्रिज के तीसरे चरण का निर्माण।	02/2015–16	3278.06	2175.33	21	13	8	6.08

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	ठेकेदार को किए गए और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	प्रावधानों के अनुसार बोरिंग की संख्या	कार्यान्वयन के अनुसार बोरिंग की संख्या	एक्सप्लोरेटरी बोरिंग में कमी	भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)
8		महेश्वर जिला खरगोन में माहेश्वरी नदी पर (उच्च) सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	08/2014–15	630	576	12	2	10	2.64
9		जिला इंदौर ,बेटमा–कलमेर रोड, पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	16/2015–16	666.99	645.43	10	4	6	2.45
10		इंदौर जिला में तीन इमली चौराहे पर (रिंग रोड) रोड फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण	23/2012–13	2,861.93	3,035.92	22	13	9	3.46
11		सी.आर.एफ के तहत इंदौर जिला के दार्जिकराड़िया तहसील आवर के निकट गुरान दार्जिकराड़िया तराना रोड पर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	06/डीएल/2015–16	277.36	189.51	6	2	4	0.76
12	जबलपुर	नरसिंहपुर जिला (ग्रामरोड) कल्याणपुर चन्दन खेड़ा रोड पर शक्कर नदी पर पुल के लिए अतिरिक्त कार्यों का निर्माण (नाबार्ड)	13/2013–14	636.26	574.29	17	2	15	1.47
13		नरसिंहपुर जिले में बर्मन खुर्द–बर्मन करेली रोड पर बर्मन मे लाप्लेस के पास नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	15/डीएल/2017–18	1057.91	1350.58	20	10	10	3.89
14	रीवा	रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना से संबंधित एसएच–09, रीवा–सीधी–शहडोल रोड पर 17250 एम चेनेज पर आरओबी का निर्माण	02/2017–18	682.24	676	4	0	4	0
15		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एन एच नंबर 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 सेकिमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समनतिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाई ओवर का निर्माण	22/2018–19	4350.25	4,234	50	36	14	11.64
16		रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर सेमरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (बैलेंस वर्क)	01/2020–21	142.65	14.65	16	0	16	0
		कुल		**24,348.67**	**23,118.96**	**277**	**98**	**179**	**52.42**

परिशिष्ट 3.9

प्राथमिक उत्पादकों से स्टील का क्रय न करने का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 3.4.3)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	प्रयुक्त स्टील की मात्रा (एमटी)	स्टील के लिए ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)	क्या लेखापरीक्षा के दौरान बीजक प्रस्तुत किए गए थे	क्या प्रस्तुत बीजक प्राथमिक उत्पादक के थे	डीलरों का नाम	ठेकेदार द्वारा किए गए और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	कार्य पूर्ण है या चल रहा है
1	उज्जैन	रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	21/2013–14	804.15	335.083	254.66	हाँ	नहीं	सागर स्टील सप्लायर इंदौर, विजय स्टील सेंटर जबलपुर	845.89	पूर्ण
2		बेरचा–सुनदर्शी–अकोदिया सड़क के किमी 12/10 में एप्रोच रोड सहित कालीसिंध नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	09/2016–17	594.5	217.377	122.53	हाँ	नहीं	में. बाहुबली ट्रेडिंग कंपनी इंदौर, बालाजी एंटरप्राइज शाजापुर, शिवांगी रोलिंग मिल्स पीथमपुर	291.27	चल रहा है
3	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	111/2012–13	3,351	2200.342	1079.1	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	4178	चल रहा है
4		गुशडिया पांजरा विजय सिंह पुरोहित पिपरिया रोड जिला रायसेन के तेंदुनी नदी पर 4/350 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	352.52	20.786	10.18	हाँ	नहीं	जय भोले स्टील रायसेन रोड भोपाल, श्री मेकलसुता ट्रेडर्स बरेली रायसेन	42	चल रहा है

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	प्रयुक्त स्टील की मात्रा (एमटी)	स्टील के लिए ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)	क्या लेखापरीक्षा के दौरान बीजक प्रस्तुत किए गए थे	क्या प्रस्तुत बीजक प्राथमिक उत्पादक के थे	डीलरों का नाम	ठेकेदार द्वारा किए गए और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	कार्य पूर्ण है या चल रहा है
5		सीआरएफ योजना के तहत भोपाल–बीना खंड के रेलवे क्रासिंग नंबर 288 पर बसोदा आरओबी का निर्माण	03/2015–16	3883.12	2120.913	1524.8	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	3386.61	चल रहा है
6		भोपाल जिले के सुभाष नगर में सुभाष फाटक पर लेवल क्रासिंग संख्या 249ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	22/2016–17	2,149.59	1284.764	656.01	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	1967.48	चल रहा है
7		बैतूल जिले (एमपी) में एप्रोच रोड सहित सारनी–लोनिया रोड पर राजधोग में तवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	29/2015–16	972.85	961.76	212.22	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	172.51	चल रहा है
8	इंदौर	सी.आर.एफ के तहत इंदौर जिला के दार्जिकराड़िया तहसील आवर के निकट गुरान दार्जिकारड़िया तराना रोड पर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	06/डीएल/2015–16	277.36	105.64	71.68	हाँ	नहीं	एम/एस अरिहंत स्टील, इंदौर, एम/एस स्टील होम्स,इंदौर.	189.51	पूर्ण
9	जबलपुर	जिला बालाघाट ,जमुंतोला–चकहेती रोड पर डोरिया नाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है	03/2015–16	566.56	17.46	13.15	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	1,420	पूर्ण
10		नरसिंहपुर जिला के छिंदवाड़ा रोड पर इटारसी–मानिकपुर सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग नं. 276 रेलवे कि.मी. 904/3–4 के स्थान पर आरओबी का निर्माण नरसिंहपुर	06/2017–18	1,510.03	1152.05	631.81	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	1,613.23	चल रहा है
11		मंडला जिले में बिजेगांव–केओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल	06/2013–14	284.54	171.153	123.6	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	308.61	चल रहा है

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	प्रयुक्त स्टील की मात्रा (एमटी)	स्टील के लिए ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)	क्या लेखापरीक्षा के दौरान बीजक प्रस्तुत किए गए थे	क्या प्रस्तुत बीजक प्राथमिक उत्पादक के थे	डीलरों का नाम	ठेकेदार द्वारा किए गए और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	कार्य पूर्ण है या चल रहा है
		ब्रिज का निर्माण									
12		कटनी जिले में (एलसी–एनएक्स–115 कटनी–बीना सेक्शन) जबलपुर रोड से मिशन चौक से चांडक चौक तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) सह फ्लाई का निर्माण	08/2018–19	5467.34	2431.504	1215.5	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	6327.72	चल रहा है
13		मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	02/2018–19	728.87	472.85	261.45	हाँ	नहीं	तपा मार्केटिंग मंडला, अनंत मेटलिक्स छत्तीसगढ़	688	चल रहा है
14		जबलपुर और अधारताल स्टेशन के बीच जबलपुर कटनी खंड पर रेलवे किमी 997/3–4 एलसी नंबर 319 ए के पार आरओबी का निर्माण	03/2016–17	1635.48	1155.86	634.14	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	1847.96	चल रहा है
15		नरसिंहपुर–के रपानी रोड पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी एप्रोच रोड एंड प्रोटेक्शन वर्क (सीआरएफ)	07/2016–17	1993.29	1564.28	1043.7	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	2323.27	पूर्ण
16		बालाघाट जिले में पुनी से बतरमारा मार्ग पर वैनगंगा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	06/2018–19	1642.44	722.027	392.53	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	1,420	पूर्ण
17	रीवा	कटनी जिला के बरन महगवां सुतरी खरहाता रोड पर उमरार नदी के पार एप्रोच रोड सहित हाई लेवल ब्रिज का निर्माण	17/2015–16	428.54	169.375	109.92	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	307.42	चल रहा है

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	प्रयुक्त स्टील की मात्रा (एमटी)	स्टील के लिए ठेकेदार को भुगतान की गई राशि (₹ लाख में)	क्या लेखापरीक्षा के दौरान बीजक प्रस्तुत किए गए थे	क्या प्रस्तुत बीजक प्राथमिक उत्पादक के थे	डीलरों का नाम	ठेकेदार द्वारा किए गए और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	कार्य पूर्ण है या चल रहा है
18		जिला शहडोल के बरकच्छ बियोहारी रोड पर झापर नदी के पार एप्रोच रोड को छोड़कर उच्च स्तरीय (बॉक्स प्रकार) पुल का निर्माण	24/2016–17	249.45	112.1519	52.53	हाँ	नहीं	पवन ट्रेडर्स, शहडोल	209.42	चल रहा है
19		सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	216.78	75.1891	36.24	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	221.96	पूर्ण
20		जिला शहडोल के कि.मी. 14/6–8 झिंक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	04/2010–11	159.86	80.8932	35.87	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	158.57	पूर्ण
21		रीवा जिले के किमी 6/4 सिरमौर से मरिया रोड पर बिहार नदी पर एप्रोच रोड सहित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (बैलेंस वर्क)	01/2020–21	142.65	10.646	4.81	नहीं	नहीं	कोई बीजक नहीं	14.65	चल रहा है
22		रीवा शहर के हिस्से में पुराने एनएचनंबर 7 (एमडीआर नंबर 10–20) सीआरएफ के किमी 229/2 से किमी 243/2 तक नए बस स्टैंड के पास समन तिराहा में 11.46 किमी सीसी रोड आई/सी फ्लाईओवर का निर्माण	22/2018–19	4350.25	2161.622	1352.52	नहीं	नहीं	प्रकाश इंटरप्राइजेज, रीवा, प्रकाश हार्डवेयर, रीवा, विभूति ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, वर्धा, विन्ध्य आयरन प्रोडक्ट्स रीवा, आराधना ट्रेडिंग कोऑपरेशन, सतना	4,234.32	पूर्ण
		कुल		**31,761.17**	**17543.73**	**9,838.95**				**32,168.40**	

परिशिष्ट 4.1

पुल की संरचना के साथ पहुँच मार्ग तथा कैरिज वे का निर्माण न करने का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 4.2.1)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	काम की स्थिति	पुल के पूर्ण होने की तिथि उचित	पहुँच मार्ग के पूरा होने की स्थिति/तारीख	पहुँच मार्ग के निर्माण में महीनों का विलंब	लेखापरीक्षा की तारीख
1	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	उच्च स्तरीय	111/ 2012–13	4,178.00	जारी	20–11–2019	पूर्ण नहीं हुआ	13	30–10–2020
2		जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड, सीएच–3100, 4500 और 5910 मीटर के 03 पुलों का निर्माण	सबमर्सिबल	104/ 2017–18	372.14	जारी	26–04–2018	पूर्ण नहीं हुआ	38	30–06–2021
3	रीवा	जिला सिंगरौली के चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) मार्ग पर म्यार नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	24/ 2015–16	629.44	जारी	15–04–2018	पूर्ण नहीं हुआ	41	30–09–2021
4		कटनी जिला के बरन महगवां सुतरी खरहाता रोड पर उमरार नदी के पार एप्रोच रोड सहित हाई लेवल ब्रिज का निर्माण	उच्च स्तरीय	17/ 2015–16	307.42	जारी	16–12–2018	पूर्ण नहीं हुआ	24	30–09–2021
5	उज्जैन	जिला शाजापुर के बोल्डाहरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	22/ 2013–14	451.56	पूर्ण	17–11–2017	31–12–2018	12	30–03–2021
6		जिला देवास में कमला पुर समांगी रोड पर कालीसिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	13/ 2013–14	491.88	पूर्ण	01–05–2016	31–12–2016	8	30–03–2021
		कुल			**6430.44**		**देरी**	**8 महीने से 41 महीने**		

परिशिष्ट 4.2

रोड फर्नीचर एवं सुरक्षा मदों का कार्यान्वयन न किये जाने का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 4.2.1)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	वास्तविक समापन की तिथि	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	प्राक्कलन में शामिल लेकिन कार्यान्वित नहीं किए गए
1	उज्जैन	उज्जैन शहर के एमआर–5 रोड पर उज्जैन भोपाल सेक्शन किमी 57/38–40 एलसी नंबर 29 ए के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण।	आरओबी	15/2013–14	1,506.74	24–03–2016	2,697.08	एसओआर आइटम नंबर 8.90 सड़कों पर पेंटिंग लाइन, डैश एरो आदि, आइटम नंबर 8.40 रेट्रो–रिफ्लेक्टराइज्ड साइन्स, आइटम नंबर 8.60 दिशा और जगह की पहचान के संकेत और आइटम नंबर 8.24 ''रोड मार्कर/ लेंस रिफ्लेक्टर के साथ रोड स्टड।
2		जिला उज्जैन के नागदा–उज्जैन खंड के एल.सी. नंबर 25 (किमी. 51/22–24) और बड़ नगर रोड पर फतेहाबाद का एम. जी.रेलखंड उज्जैन के एल.सी. नंबर 8 पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आरओबी	28/2013–14	1,928.96	27–02–2016	3,490.50	एसओआर आइटम नंबर 8.4 रेट्रो–रिफ्लेक्टराइज्ड सावधानी और आइटम नंबर 8.6 दिशा और स्थान पहचान चिह्न
3		जिला देवास में कमलापुर समांगी रोड पर काली सिंध नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	13/2013–14	425.84	31–12–2016	491.88	एसओआर मद संख्या 8.40 रेट्रो–रिफ्लेक्टराइज्ड ट्रैफिक साइन, आइटम नंबर 8.60 दिशा और स्थान पहचान संकेत और आइटम नंबर 8.18 ''मध्यम वजन वाले स्टील चौनल पर ट्यूबलर स्टील रेलिंग, एसओआर आइटम नंबर 8.7 दो कोट पेंट करना।
4		रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	सबमर्सिबल	10/2013–14	936.12	26–02–2016	1,373.33	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
5		रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	21/2013–14	804.15	22–08–2017	845.89	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
6	भोपाल	आशापुरी खसरोद सलकानी से वर्धमानी पर बेतवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	132/2013–14	1,630.46	06–02–2017	1,197.00	ट्रैफिक साइन और ब्रिज फर्नीचर

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	वास्तविक समापन की तिथि	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	प्राक्कलन में शामिल लेकिन कार्यान्वित नहीं किए गए
7	इंदौर	बेटमा–कलमेर रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	16 / 2015–16	666.99	30–11–2016	645.43	एसओआर आइटम नंबर 8.4 रेट्रो–रिफ्लेक्टेड ट्रैफिक साइन्स, रेट्रो–रिफ्लेक्टेड कॉशनरी, अनिवार्य और सूचनात्मक संकेत जो वह चार न्यूनतम चार नंबर के साथ पोस्ट करता है
8		खरगोन जिलाके खंडवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	उच्च स्तरीय	25 / 2018–19	850.37	13–06–2021	736.09	मद संख्या 8.4 रेट्रो–रिफ्लेक्टराइज्ड ट्रैफिक सिग्नल प्रदान करना और रेट्रो–परावर्तित चेतावनी ठीक करना, अनिवार्य और सूचनात्मक संकेत एसओआर मद 8.25 मेटल बीम क्रैश बैरियर
9	जबलपुर	बहमनगांव–पंगाओं रोड, जिला बालाघाट पर सोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	41 / 2013–14	1,108.47	31–12–2016	1,049.26	एसओआर आइटम नं 8.6 दिशा और स्थान पहचान चिह्न
10		मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा मार्ग पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	06 / डीएल / 2013–14	284.54	चल रहा है।	688.25	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
11		जिला छिंदवाड़ा ,चराईकला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	उच्च स्तरीय	08 / 2012–13	529.28	30–12–2018	629.79	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
12	रीवा	जिला शहडोल ,भाटिया–भोगौड़ा रोड, पर कुनुक नदी पर अप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	6 /2010–11	160.63	30–09–2015	161.9	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
13		रीवा–सीधी न्यू बी.जी. रेल लाइन परियोजना से संबंधित एसएच–09, रीवा–सीधी–शहडोल रोड पर 17250 एम चेनेज पर आरओबी का निर्माण	आरओबी	02 / 2017–18	682.24	चल रहा है।	676	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
14		सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	11 / 2016–17	216.78	23–03–2020	221.96	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	वास्तविक समापन की तिथि	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	प्राक्कलन में शामिल लेकिन कार्यान्वित नहीं किए गए
15		गोधर, रीवा में नई रेलवे लाइन पर रेलवे स्टेशन रीवा के पास वाराणसी–नागपुर रोड (एनएच 7) पर रीवा–सीधी के पार 890 मीटर, आरओबी का निर्माण	आरओबी	01/2018–19	3401.35	चल रहा है।	2,514.24	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
16		जिला शहडोल के कि.मी. 14/6–8 झिंक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	सबमर्सिबल	04/2010–11	159.86	30–11–2016	158.57	प्राक्कलन में कोई प्रावधान नहीं, कोई कार्यान्वयन नहीं
		कुल			**15,292.78**		**17,577.17**	

परिशिष्ट 4.3

बिना फुटपाथ वाले पुल कार्यों का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 4.2.3)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	क्या शहर/शहरी क्षेत्रों में निर्माण किया गया है	क्या फुटपाथ/कर्ब प्राक्कलन का हिस्सा था	क्या फुटपाथ / कर्ब कार्यान्वित किया गया था	किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
1	उज्जैन	रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	सबमर्सिबल	10/2013–.14	936.12	हाँ	नहीं	नहीं	1,373.33
2		जावरा शहर जिला रतलाम में एल.सी. नंबर 177 (रतलाम चंदेरिया रेलखंड किमी 341/6–7) के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण	आरओबी	34/2018–19	1,358.06	हाँ	नहीं	नहीं	93.98
3		जिला उज्जैन के विक्रांत भैरव मंदिर से ओखलेश्वर घाट तक क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	सबमर्सिबल	01/2015–16	1,104	हाँ	नहीं	नहीं	946.35
4		रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	सबमर्सिबल	21/2013–14	804.15	ग्रामीण/रहवास के निकट	नहीं	नहीं	845.88
5	भोपाल	सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर अवलीघाट के निकट नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण आई/सी संपर्क मार्ग एवं सुरक्षा कार्य जिला सीहोर	उच्च स्तरीय	111/2012–13	3,351	नहीं	नहीं	नहीं	4,177.86
6	इंदौर	खरगोन जिला के खंडवा–बड़वानी रोड, पर कुंडा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण।	उच्च स्तरीय	25/2018–19	850.37	हाँ	नहीं	नहीं	736.09
		कुल			**8,403.70**				**8,173.49**

परिशिष्ट 4.4

अपर्याप्त चौड़ाई के साथ सेफ्टी कर्ब के कार्यान्वयन का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 4.2.4)

(मीटर में)

स. क्र.	कार्य का नाम	संभाग का नाम	पुल का प्रकार	पुल की कुल चौड़ाई	कैरेज वे की चौड़ाई	कार्यान्वित कर्ब सहित चौड़ाई	प्रावधान के अनुसार, दोनों ओर कर्ब की चौड़ाई
1	जमुसर कला से कद्याशाह मार्ग पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	भोपाल	सबमर्सिबल	8.4	7.5	0.45	0.75
2	जिला छिंदवाड़ा ,चराईकला–दरबाई रोड पर पेंच नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	जबलपुर	उच्च स्तरीय				
3	अवलीघाट पर सलकनपुर–धर्मकुंडी मार्ग पर नर्मदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	भोपाल	उच्च स्तरीय				
4	रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	उज्जैन	सबमर्सिबल				
5	मटिया से अंधेरिया रोड तक धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	रीवा	सबमर्सिबल				

परिशिष्ट 4.5

सबमर्सिबल पुलों का विवरण जिनमें सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा की अनदेखी की गई

(संदर्भः कंडिका संख्या 4.2.6)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
1	भोपाल	गुरदिअ पंजरा विजय सिंह पुरोहित पिपरिया रोड जिला रायसेन के तेंदुनी नदी पर 4/350 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	352.52	11–09–2018	42.00
2	भोपाल	भोपाल जिले में कड़या शाह रोड – जमुसर कलां पर बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	30/2015–16	911.51	31–12–2015	916.35
3	भोपाल	जिला सीहोर के सोया–चौपाल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रोड, सीएच.3100, 4500 और 5910 मीटर के 03 पुलों का निर्माण	104/2017–18	498.88	27–04–2017	372.14
4	भोपाल	बैतूल जिले में खरपी से मुक्तागिरी तक नाग नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज 6/4 किमी एचएल पुल का निर्माण।	134/2013–14	280.80	08–08–2013	198.49
5	भोपाल	भोपाल जिले में बैरसिया–धाकपुर–चटेहेड़ी–गोडाकला सड़क पर किमी 8/4 में चटेहेड़ी के पास नाला और किमी 5/4 में बाह नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	26/2015–16	700.00	08–12–2015	655.53
6	भोपाल	रायसेन जिले में मगरधा–सिरवाड़ा मार्ग पर तेंदूनी नदी के पार एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	537.36	12–05–2016	438.55
7	भोपाल	नेवन नदी पर शुथर से अंडिया रोड तक सबमर्सिबल पुल का निर्माण जिला– विदिशा	13/2015–16	134.50	05–10–2015	101.85
8	इंदौर	जिला खरगोन ,महेश्वर में माहेश्वरी नदी पर उच्च पनडुब्बी पुल का निर्माण	08/2014–15	629.99	29–01–2015	575.57
9	इंदौर	खंडवा जिला के काल मुखी रोड पर टेमीनाला के पार किमी 13/4 सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	25/2013–14	227.70	02–08–2013	182.49
10	इंदौर	सी.आर.एफ के तहत इंदौर जिला के दार्जिकराड़िया तहसील आवर के निकट गुरान दार्जिकारड़िया तराना रोड पर खान नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	06/2015–16	277.36	18–04–2016	189.51
11	इंदौर	भैसलाई–महू रोड पर गंभीर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	02/2013–14	248.70	16–05–2013	184.48
12	इंदौर	बुरहानपुर जिला के जैनाबाद गाँव के पास (राजघाट बुरहानपुर) ताप्ती नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण (नाबार्ड)	13/2016–17	1,114.47	21–07–2016	1,191.86
13	इंदौर	बड़वानी जिला के कलापट–घुड़चल–पिपलिया गोई रोड, पर गोई नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/2018–19	316.43	08–09–2018	137.53
14	जबलपुर	बालाघाट जिला के जमुंतोला–चकहेती रोड पर डोरियानाला पर सबमर्सिबल ब्रिज का	03/2015–16	566.56	15–10–2015	464.93

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
		निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड, शामिल है				
15	जबलपुर	बालाघाट जिला के बहमनगांव–पंगाओब रोड, परसोन नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	41/2013–14	1,108.47	03–09–2013	1,049.26
16	जबलपुर	डिंडोरी जिले के डूंगरिया गांव के पास रायमालपुर रोड पर नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	12/2015–16	666.84	22–12–2015	563.44
17	जबलपुर	मंडला जिले में बिजे गांव–केओलारी रोड पर थावर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06/डीएल/2013–14	284.54	08–08–2013	308.61
18	जबलपुर	मंडला जिले में घुघरी–सैलवाड़ा रोड पर बुडनेर नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	02/2018–19	728.87	19–04–2018	688.25
19	जबलपुर	जिला नरसिंहपुर में खोबी–देवरी–मोहस–अकोला रोड पर उमर नदी के पार एप्रोच रोड सहित बॉक्स प्रकार के पुल का निर्माण	01/डीएल का 2010–2011	105.08	01–04–2010	129.22
20	जबलपुर	जिला सिवनी के बखरी–बर्रा–सड़क सिवनी रोड में वैनगंगा–नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण, जिसमें एप्रोच रोड और प्रोटेक्शन वर्क शामिल है।	34/डीएल/2013.14	481.43	11–07–2013	431.40
21	जबलपुर	नरसिंहपुर जिले में बर्मन खुर्द–बर्मन करेली रोड पर बर्मन मेला स्थल के पास नर्मदा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	15/डीएल/2017.18	1,057.91	23–01–2018	1,350.58
22	रीवा	जिला सिंगरौली के चचर–कुल्हाई (कुलहनिया) मार्ग पर म्यार नदी पर अप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24/2015–16	574.31	05–02–2016	629.44
23	रीवा	जिला शहडोल के भाटिया–भोगौड़ा रोड, पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	06 /2010–11	160.63	23–12–2010	161.90
24	रीवा	सिंगरौली जिले में अंधेरिया–मटिया रोड पर धमाड़ नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	11/2016–17	216.78	31–05–2016	221.96
25	रीवा	जिला उमरिया के मानपुर रोड, खन्नौधी पर रूपौला घाट पर सोन नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	24/2012–13	1,148.44	16–01–2013	1,049.26
26	रीवा	जिला शहडोल के कि.मी. 14/6–8 झींक बिजुरी रोड पर कुनुक नदी पर एप्रोच रोड सहित सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	04/2010–11	159.86	23–12–2010	158.57
27	उज्जैन	जिला उज्जैन के विक्रांत भैरव मंदिर से ओखलेश्वर घाट तक क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	01/2015–16	1,103.93	04–05–2015	946.35
28	उज्जैन	जिला शाजापुर के बोल्डाहरिया कला रोड पर नेवाज नदी के पार सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण।	22/2013–14	505.63	25–09–2013	451.56
29	उज्जैन	रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	10/2013–14	936.12	22–07–2013	1,373.33

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	कार्य आदेश की तिथि	ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)
30	उज्जैन	रतलाम जिले में रावती से अमरापुर रोड पर माही नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण	21/2013–14	804.15	25–09–2013	845.89
31	उज्जैन	बेरचा–सुनदर्शी–अकोदिया सड़क के किमी 12/10 में एप्रोच रोड सहित कालीसिंध नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज का निर्माण	09/2016–17	594.50	24–06–2016	291.27
		कुल		**17,434.27**		**16,301.57**

परिशिष्ट 4.6

पुलों एवं पहुँच मार्ग के गैर–विद्युतीकरण का विवरण

(संदर्भः कंडिका संख्या 4.2.7)

स. क्र.	संभाग का नाम	पुल कार्य का नाम	पुल का प्रकार	अनुबंध संख्या	संविदा राशि (₹ लाख में)	क्या फुटपाथ का प्रावधान था	क्या विद्युतीकरण का प्रावधान अनुमान में था	क्या पुल की लंबाई पर विद्युतीकरण किया गया था	क्या ब्रिज एप्रोच रोड पर विद्युतीकरण किया गया था	ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य और भुगतान किए गए कार्य का मूल्य (₹ लाख में)	क्या पूर्ण हो गया है या चल रहा है
1	उज्जैन	जिला–रतलाम में किमी 5/2–8 आलोट–उन्हले (नागेश्वर) सड़क पर क्षिप्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाई लेवल	15/2015–16	1,289.30	हाँ	नहीं	नहीं	नहीं	1,531.65	पूर्ण
2		रिनमुक्तेश्वर से रंजीत हनुमान मंदिर रोड पर क्षिप्रा नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज और एप्रोच रोड का निर्माण (सिंहस्थ 2016)	सबमर्सिबल ब्रिज	10/2013–14	936.12	नहीं	एप्रोच रोड पर ही विद्युतीकरण	नहीं	हाँ	1,373.33	पूर्ण
3	भोपाल	वर्धमान से आशापुरी खसरोद सलकानी पर बेतवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	हाई लेवल	132/2013–14	1,630.46	हाँ	नहीं	नहीं	नहीं	1,197.00	पूर्ण
		कुल			**3,855.88**					**4,101.98**	

संक्षिप्त रूपों की शब्दावली

ए.ए.	एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल
बी.ओ.क्यू.	बिल ऑफ क्वांटिटी
सी.ई.	चीफ इंजिनियर
डी.एल.सी.	ड्राई लीन कांक्रीट
डी.पी.आर.	डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
ई.ई.	एक्जिक्यूटिव इंजिनियर
ई–इन–सी	इंजिनियर इन चीफ
एफ.एल.	फॉरमेशन लेवल
जी.ए.डी.	जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग
जी.एल.	ग्राउंड लेवल
जी.एस.बी.	ग्रेनुलर सब–बेस
एच.एफ.एल.	हाई फ्ल्ड लेवल
एच.एल.बी.	हाई लेवल ब्रिज
आइ.डी.इ.ए.	इंटरएक्टिव डेटा एक्सट्रैक्शन एंड एनालिसिस
आई.आर.सी.	इंडियन रोड कांग्रेस
आई.एस.	इंडियन स्टैंडर्ड
एम.डी.आर.	मेजर डिस्ट्रीक्ट रोड
एम.जे.बी.	मेजर ब्रिज
एम.एन.बी.	माइनर ब्रिज
एम.ओ.आर.टी.एच.	मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांस्पोर्ट एंड हाईवेज
एम.पी.पी.डब्लू.डी.	मध्य प्रदेश पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट
एन.एच.डी.सी.	नर्मदा हाड्रोलिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन
ओ.डी.आर.	अदर डिस्ट्रिक रोड
ओ.एफ.एल.	ऑर्डिनरी फ्लड लेवल
पी.क्यू.सी.	पेवमेंट क्वालिटी कांक्रीट
आर.एल.	रोड लेवल
आर.ओ.बी.	रेल ओवर ब्रिज
आर.यू.बी.	रेल अंडर ब्रिज
एस.बी.सी.	सेफ बियरिंग केपेसिटी
एस.ई.	सुप्रीटेंडिंग इंजिनियर
टी.एस.	टेक्निकल सेंक्शन
वी.आर.	विलेज रोड
डब्लू.बी.एम.	वाटर बाउंड मैकेडम
डब्लू.एम.एम.	वेट मिक्स्ड मैकेडम

© भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक
2023

www.cag.gov.in

www.agmp.nic.in